राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 11
अंक : 324
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
रविवार 05 जून 2022
मूल्य : 1.50/-

RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट

पेज 3 पुलिस ने फर्जी मार्कशीट, डिग्री बनाने वाले दो अभियुक्तों को किया गिरफ्तार, कब्जे से स्कूल व कॉलेज की फर्जी अंक तालिका बरामद

पेज 5 बदायूं में युवक को थर्ड डिग्री देने पर दरोगा, सिपाही समेत 7 पर मुकदमा, होंगे सस्पेंड

पेज 7 डिस्कस थ्रो और शॉट फुट थ्रो के खिलाड़ी शक्ति सिंह सेवानिवृत्त हुए, भव्य समारोह में भावभीनी विदाई

हापुड़ में अवैध पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, 12 की मौत

बिजली का सामान बनाने का लिया था लाइसेंस, 21 घायल; पीएम ने जताया दुख

धौलाना, हापुड़। हापुड़ में अवैध रूप से चल रहे पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट हो गया। हादसे में 12 मजदूरों की मौत हो गई। 21 मजदूर गंभीर घायल हैं। घायलों को इलाज के लिए दिल्ली के सफदरजंग और मेरठ भेजा गया है। मौतों की पुष्टि मेरठ जोन के ADG राजीव सभरवाल ने की है। हादसा बारूद में ब्लास्ट से हुआ। मौके पर पुलिस और दमकल विभाग की टीम में रेस्क्यू चलाया। घटना थाना धौलाना क्षेत्र की है।

फैक्ट्री में बिजली का सामान बनाने के नाम पर लाइसेंस लिया गया था। लेकिन अंदर पटाखा बनाया जा रहा था। इस घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दुख जताया है। मौके पर पहुंचे आईजी प्रवीन कुमार ने बताया, इंडस्ट्रियल यूनिट में धमाका हुआ है। फैक्ट्री में इलेक्ट्रॉनिक इक्विपमेंट के लिए लाइसेंस लिया गया था। यहां पटाखा बनाने की बात सामने आई है। इसमें क्या शर्तों का उल्लंघन हुआ है, इसकी जांच की जाएगी। जो भी दोषी होगा उसके ऊपर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

आसपास की फैक्ट्री की छत तक उड़ गई

मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि फैक्ट्री में प्लास्टिक की बंदूक और उसमें लगाने वाला बारूद बनाया जाता है। बारूद में धमाका होने से मजदूर बुरी तरह से झुलस गए। धमाका इतना तेज था कि आस-पास मौजूद फैक्ट्रियों की टीन की छतें तक उड़ गईं।

पीएम मोदी ने जताया दुख

हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी ट्वीट कर दुख जताया है। उन्होंने लिखा, उत्तर प्रदेश के हापुड़ में हुआ हादसा हृदयविदारक है। इसमें जिन लोगों को जान गंवानी पड़ी है, उनके परिजनों के प्रति मैं अपनी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। घायलों के इलाज और दूसरी हर संभव सहायता में राज्य सरकार तत्परता से जुटी है।

सीएम योगी ने दिए जांच के निर्देश

सीएम योगी आदित्यनाथ ने हापुड़ में पटाखा फैक्ट्री में मजदूरों की मौत पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा है कि दुर्घटना में घायल लोगों का समुचित उपचार कराया जाए। सीएम योगी ने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। सीएम योगी ने वरिष्ठ अधिकारियों को तुरंत मौके पर पहुंचने और जांच के निर्देश दिए हैं।

चीनी वीजा घोटाला : कार्ति अग्रिम जमानत के लिए दिल्ली हाई कोर्ट पहुंचे

नयी दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम के पुत्र सांसद कार्ति पी चिदंबरम ने धन शोधन रोकथाम कानून के तहत दर्ज चीनी वीजा घोटाले के मामले में शनिवार को दिल्ली उच्च न्यायालय में अग्रिम जमानत याचिका दायर की। निचली अदालत द्वारा अग्रिम जमानत खारिज होने के बाद कार्ति और अन्य ने दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष आदेश को चुनौती दी। निचली अदालत ने आरोपी की अग्रिम जमानत याचिका को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि यह अपराध बहुत गंभीर प्रकृति का है और जांच अधिकारी (आईओ) द्वारा बुलाए जाने पर उन्हें जांच में शामिल होने का निर्देश दिया। ट्रायल कोर्ट ने कहा कि के चिदंबरम और एस भास्कररमन के पिछले आपराधिक इतिहास अग्रिम जमानत के लिए मामला नहीं बनाते हैं क्योंकि यह इस प्रारंभिक चरण में जांच की प्रक्रिया और प्रगति को गंभीर रूप से बाधित करेगा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिवक्ता ने निचली अदालत के समक्ष आरोप लगाया कि भास्कररमन कार्ति को रिश्वत के भुगतान के उन मामलों के लेन-देन में भी शामिल थे, जो उन अनुमोदनों को देने के लिए अपने पिता को प्रभावित करने के लिए थे।

हैदराबाद गैंगरेप केस में एक्शन

पुलिस ने मर्सिडीज कब्जे में ली, 3 आरोपी हिरासत में; 3 वीआईपी के बेटे भी रेप में शामिल

हैदराबाद। हैदराबाद गैंगरेप केस मामले में पुलिस ने अभी तक 5 आरोपियों की पहचान की है, जिसमें 3 नाबालिग हैं। पुलिस ने 2 नाबालिग सहित 3 आरोपियों को अरेस्ट कर लिया है। सादुद्दीन मलिक और उमर खान की उम्र 18 साल है। उमर और एक नाबालिग आरोपी अभी भी फरार हैं। केस में तीन आरोपियों का बैकग्राउंड सियासी रसूख वाला बताया जा रहा है। पुलिस के हाथ एक सीसीटीवी फुटेज भी लगा है।

घटना 28 मई की है। लड़की के पिता ने बुधवार 1 जून को आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। IPC की धारा 354 और पॉक्सो एक्ट के तहत हैदराबाद के जुबली हिल्स पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया था।

पीड़िता ने सिर्फ एक आरोपी का नाम बताया : पुलिस

घटना की जांच कर रहे हैदराबाद वेस्ट जोन DCP जोएल डेविस ने मीडिया से बातचीत की। उन्होंने कहा- विक्टिम आरोपियों के बारे में ज्यादा नहीं जानती। उसने सिर्फ एक नाम बताया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए स्पेशल टीम बनाई गई है। सीसीटीवी फुटेज हासिल कर लिए गए हैं। इनसे

हमने 5 आरोपियों की पहचान की है। जोएल ने आगे कहा- दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। होम मिनिस्टर के बेटे के शामिल होने के आरोप बेबुनियाद हैं। एक VIP का बेटा है, जिसे नाबालिग होने के कारण रात में हिरासत में नहीं लिया गया। विधायक के बेटे का नाम भी सामने आया था। विक्टिम के बयान और CDR एनालिसिस से साफ हुआ है कि वह पांच आरोपियों में शामिल नहीं है।

पब के बाहर निकलते सीसीटीवी फुटेज सामने आया

संदिग्धों का पब के बाहर निकलते समय का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। पीड़िता लड़कों के साथ जाते हुए देखी जा सकती है। ये उजाले में पब के बाहर खड़े होकर बातें करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में दिख रहा है कि लड़की एक दोस्त को गले लगाती है, उसे विदा करती है और बाकी लड़कों के साथ लाल मर्सिडीज में चली जाती है।

पब में थी हाईप्रोफाइल पार्टी

FIR में लड़की के पिता ने कहा- 28 मई को मेरी 17 साल की बेटी पार्टी में गई थी। यह पार्टी उसके दोस्त सूरज और हादी ने एम्नेशिया एंड इन्सोम्निया पब में रखी थी। शाम 5:30 बजे वह घर के लिए निकली। पब में मिले आरोपियों ने उससे कहा कि वो उसे घर छोड़ देंगे। इसलिए वह कार में बैठ गई, जिसमें पहले ही 3-4 लड़के बैठे थे।

पिता ने बताया कि उनकी बेटी के शरीर पर चोट के निशान भी हैं। घटना के बाद से ही पीड़िता सदमे में है। वह पूरी घटना का खुलासा नहीं कर पा रही है। पीड़िता के पिता ने कहा कि मामले की जांच कर आरोपियों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाए।

इधर, मामले की जांच कर रहे अधिकारी ने कहा- जब कार अंधेरे में सुनसान जगह पर रुकी तो इन लड़कों ने लड़की से मारपीट की। पुलिस के मुताबिक, घटना को अंजाम देने से पहले सभी आरोपी एक पेस्ट्री की दुकान पर गए थे। आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेज से आरोपियों की पहचान की गई है।

कानपुर हिंसा : पुलिस का दावा- पश्चिम बंगाल से मिला दंगे का कनेक्शन

इसके पीछे चरमपंथी संगठन पीएफआई का हाथ

कानपुर। कानपुर के बेकनगंज इलाके में शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद हुई हिंसा के तार पश्चिम बंगाल और मणिपुर से जुड़ रहे हैं। दंगे में चरमपंथी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया का नाम भी सामने आ रहा है। कानपुर के पुलिस कमिश्नर विजय सिंह मीणा ने बताया कि पीएफआइ ने 3 जून को पश्चिम बंगाल और मणिपुर में बाजार बंद का आह्वान किया था। इसी दिन कानपुर में जुमे की नमाज के बाद बाजार बंद कराने पर हिंसा भड़की। पुलिस के मुताबिक, पीएफआइ की फंडिंग से कानपुर का माहौल बिगाड़ने का प्रयास हुआ है। इसलिए मुख्य आरोपियों के बैंक खातों के ट्रांजैक्शन की जांच हो रही है। जिन 6 मोबाइल को जब्त किया गया है, उनका कॉल डिटेल खंगाला जा रहा है। आरोपियों से मिले कुछ अहम दस्तावेजों को फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है।

लखनऊ में छिपे थे कानपुर हिंसा के मुख्य आरोपी

3 जून की दोपहर 1:45 बजे यतीमखाना के पास की मस्जिद में जुमे की नमाज अदा की गई। करीब 2.30 बजे लोग बाहर निकले। वो बाजार में खुली हुई दुकानों को बंद कराने लगे। हिंदू दुकानदारों ने दुकानें बंद करने से मना किया। कुछ अराजक तत्वों ने चंद्रेश के हाता में घुसकर पथराव

किया। दो पक्ष आमने-सामने आ गए।

भीड़ को काबू करने के लिए 12 थानों का पुलिसबल बुलाना पड़ा। पुलिस ने कई राउंड फायर किए। लाठीचार्ज किया। 5 घंटे बाद उपद्रव थमा। 12 से ज्यादा लोग चोटिल हुए। हिंसा के बाद देर रात सीएम योगी ने गोरखपुर मंदिर से वर्चुअल बैठक की। इसके बाद बेकनगंज थाने में 3 एफआईआर दर्ज की गईं।

मास्टरमाइंड हयात जफर, जावेद अहमद खान, मो. राहिन और मो. सूफियान को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी जावेद लखनऊ के हजरतगंज में एशियन वायस पोस्ट यूट्यूब चैनल चलाता है। यहीं वो अपने साथियों के साथ छिपा हुआ था।

सीएम योगी ने कानपुर का माहौल खराब करने वालों पर NSA और गैंगस्टर की कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उनकी संपत्तियों पर बुलडोजर चलाया जाएगा।

पुलिस को रिमांड नहीं मिली, आरोपियों को जेल भेजा

शनिवार शाम को पुलिस ने हिंसा के मुख्य आरोपियों को कोर्ट में पेश किया। पुलिस 14 दिन की रिमांड चाहती थी। लेकिन, कोर्ट ने आरोपियों को जेल भेज दिया। अब तक की पूछताछ में पुलिस को 6 नए नाम पता चले हैं। हिंसा वाले इलाके के दो किमी दायरे में 1100 जवान सुरक्षा के लिए तैनात रखे गए हैं। कानपुर पुलिस ने बवाल के 12 घंटे के अंदर 24 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं, वीडियो फुटेज की मदद से 36 आरोपियों की पहचान हो चुकी है। ADG लॉ एंड ऑर्डर प्रशांत कुमार ने बताया कि कानपुर की स्थिति नियंत्रण में हैं। लखनऊ से 3 SP रैंक के अधिकारी कानपुर भेजे गए हैं।

कुछ नेता भी संदेह के दायरे में

कानपुर हिंसा में कई नेता जांच के दायरे में हैं। पुलिस घटना के 24 घंटे पहले तक की कॉल डिटेल्स खंगाल रही है। कानपुर पुलिस कमिश्नर ने निर्देश जारी किए हैं कि कहीं भी बवाल होने पर जिम्मेदार थानेदार होंगे। वहीं, आरोपियों की संपत्ति पर बुलडोजर भी चलाया जा सकता है।

कानपुर हिंसा में सबसे अहम फैक्ट ये हैं कि दंगे के दौरान यहां से करीब 50 किमी दूर कानपुर देहात के परौंख गांव में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद मौजूद थे। साथ में, पीएम नरेंद्र मोदी, राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और ष्टरू योगी आदित्यनाथ भी थे।

कश्मीर में टारगेट किलिंग के बीच सरकार का फैसला

177 टीचर्स को सुरक्षित जगहों पर ट्रांसफर किया गया; सभी कश्मीरी पंडित

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में टारगेट किलिंग को देखते हुए प्रशासन ने बड़ा फैसला किया है। कश्मीरी पंडित समुदाय से आने वाले 177 टीचर्स का ट्रांसफर कर दिया है। सभी को कश्मीर के जिला मुख्यालयों में पोस्टिंग दी गई है। यह फैसला शुक्रवार को गृह मंत्रालय में हुई हाई लेवल मीटिंग के बाद लिया गया है।

उधर, ट्रांसफर लिस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो जाने पर कश्मीर भाजपा ने आपत्ति की है। पार्टी का कहना है कि टारगेट किलिंग के बीच सूची वायरल होने से अब आतंकियों को मालूम हो जाएगा कि उनकी पोस्टिंग कहां की गई है। इस लिस्ट को वायरल

करने वाले अफसरों पर कार्रवाई की जानी चाहिए। भाजपा प्रवक्ता अलताफ ठाकुर ने कहा कि यह सुरक्षा के साथ खिलवाड़ है।

श्रीनगर चीफ एजुकेशन ऑफिसर की ओर से जारी एक पत्र में सभी टीचर्स के ट्रांसफर की जानकारी दी गई है। प्रशासन के इस फैसले को कश्मीरी पंडितों के आक्रोश को कम कराने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। दरअसल, घाटी में लगातार हो रही टारगेट किलिंग के बाद से ही कश्मीरी पंडितों में आक्रोश है। सांबा में 31 मई को टीचर रजनी बाला की हत्या के बाद से ही प्रदर्शन कर रहे थे। कश्मीरी पंडितों की मांग है कि उन्हें जम्मू में ट्रांसफर किया जाए, जिससे लगातार हो रही टारगेट किलिंग पर रोक लगे।

सुरक्षाबल ही सुरक्षित नहीं, हमें कौन सुरक्षा देगा?

अनंतनाग के मट्टन में रहने वाले कश्मीरी पंडित रंजन ज्योतिषी ने बताया कि लोगों के सब्र का बांध टूट चुका है। हमारे कई लोग मारे जा चुके हैं। सरकार हमसे क्या चाह रही है? उन्होंने आगे कहा कि यहां सुरक्षाबल के लोग ही सुरक्षित नहीं है, तो हम कैसे सुरक्षित रहेंगे।

घाटी में करीब 5900 कर्मचारी कर रहे काम

घाटी में प्रधानमंत्री पैकेज और अनुसूचित जाति जैसी श्रेणियों में करीब 5900 हिंदू कर्मचारी हैं। इनमें 1100 ट्रांजिट कैंपों के आवास में, जबकि 4700 निजी आवासों में रह रहे हैं। पाबंदियों के बावजूद निजी आवास और कैंप में रहने वाले कर्मचारियों में से 80 फीसदी कश्मीर छोड़कर जम्मू पहुंच गए हैं। अनंतनाग, बारामूला, श्रीनगर के कैंप के कई परिवार पुलिस-प्रशासन के पहरे के कारण नहीं निकल पा रहे हैं।

देश में कोरोना के सक्रिय मामले 22 हजार के पार

नयी दिल्ली। देश में पिछले कुछ दिनों से कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी के सक्रिय मामले लगातार वृद्धि देखने को मिल रही है। इस बीच बीते 24 घंटे में सक्रिय मामले 1,239 बढ़कर 22,416 हो गए है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने शनिवार को यहां बताया कि आज सुबह सात बजे तक 193 करोड़ 96 लाख 47 हजार 71 कोविड टीके दिये जा चुके हैं।

मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों में कोविड संक्रमण के 3,962 नये मरीज सामने आये हैं। इनके साथ ही देश में कोरोना रोगियों की संख्या 22 हजार 416 हो गयी है। यह संक्रमित मामलों का 0.05 प्रतिशत है। दैनिक संक्रमण दर 0.95 प्रतिशत हो गयी है। मंत्रालय ने बताया कि इसी अवधि में 2697 लोग कोविड से मुक्त हुए हैं। अभी तक कुल चार करोड़ 26 लाख 25 हजार

545 कोविड से उबर चुके हैं। स्वस्थ होने की दर 98.73 प्रतिशत है।

देश में पिछले 24 घंटे में चार लाख 45 हजार 814 कोविड परीक्षण किए गये हैं।

देश में कुल 85 करोड़ 22 लाख नौ हजार 788 कोविड परीक्षण किए हैं। वहीं देश में इस जानलेवा विषाणु के कारण 26 लोगों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 524677 हो गये।

केरल में कोरोना वायरस के 515 सक्रिय मामले बढ़कर 7505 हो गये हैं। इससे निजात पाने वाले लोगों की संख्या 743 बढ़कर 6483623 हो गई, जबकि मृतकों की संख्या 20 बढ़कर 69,773 हो गई है।

महाराष्ट्र में सक्रिय मामलों की संख्या 568 बढ़कर 5127 हो गई है। वहीं, 563 और लोगों के स्वस्थ होने के बाद इससे निजात पाने वाले लोगों का आंकड़ा 7737355 तक पहुंच गया है, जबकि मृतकों का आंकड़ा 1,47,864 हो गया है।

कर्नाटक में सक्रिय मामलों की संख्या 25 बढ़कर 2229 हो गई है। वहीं, 234 और लोगों के स्वस्थ होने के बाद इससे निजात पाने वाले लोगों का आंकड़ा 3910500 तक पहुंच गया है।

परफ्यूम के दो 'आपत्तिजनक' विज्ञापन हटाने को ट्विटर, यूट्यूब को निर्देश

नयी दिल्ली। केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने शनिवर को ट्विटर और यूट्यूब को 'लेयर शॉट' परफ्यूम के दो विज्ञापन तत्काल हटाने के निर्देश दिए।

इस विज्ञापन के खिलाफ सोशल मीडिया पर मचे शोर के बाद सरकार ने यह कदम उठाया है। इसका विरोध करने वलों का कहना है कि यह अश्लील और दुष्कर्म के लिए उकसाने वाला है। इनमें से एक विज्ञापन में चार लड़के एक लड़की का पीछा करते नजर आ रहे हैं। लड़की को पीछे से देखकर वे आपस में बात करते हैं, हम चार और ये एक! शॉट, कौन लेगा! लड़कों की बात सुनकर लड़की डरी हुई नजर आती है। उन चारों लड़कों में से एक ने 'शॉट' ब्रांड बॉडी स्प्रे उठाता है, उसे देख लड़की राहत की सांस लेती है। कंपनी के दूसरे विज्ञापन में एक किशोर युगल कमरे में बैठे होते हैं, इसबीच उसके चार दोस्त दरवाजा खोलकर अंदर आ जाते हैं और कहते हैं, तुने शॉट मारा लगता है? , तो लड़का कहता है 'हां', जिसके बाद उसके दोस्त कहते हैं अब हमारी बारी। विज्ञापन में लड़कों की बात से लड़की असहज महसूस करती है, इसी बीच जब वे दोस्त शॉट स्प्रे का संकेत हैं तो कहीं लड़की राहत की सांस लेती है।

गांजा तस्कर

ग्रेटर नोएडा के एसटीएफ और सूरजपुर पुलिस को एक बड़ी कामयाबी हासिल हुई

नशा माफिया गिरफ्तार , 8 गांजा तस्करों से डेढ़ करोड़ का गांजा बरामद

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के एसटीएफ और सूरजपुर पुलिस को एक बड़ी कामयाबी हासिल हुई है। एसटीएफ और सूरजपुर पुलिस ने नशे के सौदागरों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान आठ गांजा तस्करों को अपनी गिरफ्त में लिया है। जिनके पास से लगभग डेढ़ करोड़ रुपए का गांजा बरामद हुआ है।

एसटीएफ की नोएडा यूनिट व सुरजपुर थाना पुलिस को मुखबिर की सूचना मिली कि मादक पदार्थ की तस्करी करने वाला गैंग तेलंगाना उड़ीसा वार्ड से दो गाड़ियों में अवैध गांजा लेकर दिल्ली एनसीआर और मेरठ में सप्लाई करने के लिए आया

हुआ है। जिनकी गाड़ियां सुरजपुर के जिला पंचायत कार्यालय के पास खड़ी हुई हैं। सूचना पर एसटीएफ नोएडा और सूरजपुर थाना पुलिस ने इन्हें धर दबोचा। जिसमें आठ गांजा तस्करों को दो गाड़ियों में से गिरफ्तार कर लिया गया।

दो गाड़ियों से डेढ़ करोड़ का गांजा हुआ बरामद

एसटीएफ व सूरजपुर थाना पुलिस ने दो गाड़ियों से आठ लोगों को गिरफ्तार किया और इनके कब्जे से 5.64 कुंतल गांजा बरामद किया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस गांजे की कीमत करीब डेढ़ करोड़ रुपये बताई जा रही है।

इन लोगों ने पूछताछ में बताया कि यह गांजा तेलंगाना और उड़ीसा से लाया गया था। जिसको यह दिल्ली एनसीआर और मेरठ में सप्लाई करने वाले थे।

यह गांजे को दो गाड़ियों में शातिर तरीके से डिग्गी व कैविटी में छिपाकर हैदराबाद, मध्यप्रदेश के ग्वालियर से होते हुए उत्तर प्रदेश के आगरा से होते हुए नोएडा पहुंचते थे।

आंध्र प्रदेश से 2500 रुपये में खरीदते थे गांजा

पकड़े गए तस्करों ने पूछताछ में बताया कि यह लोग आंध्र प्रदेश में 2500 रुपये प्रति किलो के हिसाब से यह गांजा खरीदते थे और उसके बाद उस गांजे को दिल्ली एनसीआर और मेरठ में लाकर ऊंचे दामों में बेचा करते थे। बड़े ही खुफिया तरीके से ये तस्कर इस गांजे को गाड़ियों में छिपाकर कई राज्यों की पुलिस से बचाकर तस्करी करने के लिए लाया करते थे।

इन लोगों को किया गया गिरफ्तार

पुलिस ने इस दौरान 8 शातिर गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान इरशाद,फिरोज, सलमान, आरिफ, अफजाल, साहिब , तेजपाल और दिव्यांश नाम के तस्करों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इसमें से ज्यादातर आरोपी मेरठ के ही रहने वाले हैं।

ओडिशा में राजनीतिक फेरबदल : नवीन पटनायक ने लिया सभी मंत्रियों का इस्तीफा

ओडिशा। ओडिशा में शनिवार को सभी मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया। दरअसल ष्टरू नवीन पटनायक मंत्रिमंडल में फेरबदल करना चाह रहे थे। राज्य का नया मंत्रिमंडल 5 जून को दोपहर 11.45 बजे शपथ ले सकता है। सत्तारुढ़ बीजू जनता दल ने पिछले महीने 29 मई को अपने कार्यकाल के तीन साल पूरे किए हैं। इसके बाद से ही अटकलें लगनी शुरू हो गई थीं कि मंत्रिमंडल में बड़ा फेरबदल हो सकता है।

कुछ विवादों के चलते सरकार की प्रतिष्ठा पर भी सवाल उठ रहे थे। मंत्रियों ने अपना इस्तीफा डिप्टी स्पीकर को सौंपा। सबसे पहले ओडिशा विधानसभा के अध्यक्ष सूर्य नारायण पात्रो ने अपना इस्तीफा सौंपा। इसके

बाद सभी मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया।

ये मंत्री हो सकते हैं बाहर

सूत्रों के मुताबिक उद्योग और ऊर्जा मंत्री कैप्टन दिब्या शंकर मिश्रा को कैबिनेट से बाहर किया जा सकता है। इसके अलावा सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री रघुनंदन दास, योजना एवं अभिसरण, वाणिज्य एवं परिवहन मंत्री पद्मनाभ बेहरा, इस्पात एवं खनन, निर्माण मंत्री प्रफुल्ल कुमार मलिक, कौशल विकास एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री प्रेमानंद नायक का विभाग बदला जा सकता है।

इस बीच चिकिटी विधायक उषा देवी को ओडिशा विधानसभा के अध्यक्ष के रूप में सूर्य नारायण पात्रो की जगह लेने के लिए तैयार किए जाने की खबरें हैं। अगर ऐसा होता है तो वह ओडिशा की पहली महिला अध्यक्ष होंगी।

ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक 20 जून से विदेश यात्रा पर जाने वाले हैं, ऐसा माना जा रहा है कि वह विदेश जाने से पहले अपने मंत्रालय में बड़ा फेरबदल करना चाहते हैं। सीएम पटनायक का रोम और दुबई जाने का कार्यक्रम है।

शार्ट न्यूज

दिल्ली एयरपोर्ट बड़ा हादसा टला, विमानों के पास पुशबैक वाहन में आग लगने से मचा हड़कंप

नई दिल्ली। दिल्ली एयरपोर्ट के कार्गो बे में शुक्रवार शाम आग लगने की घटना सामने आई। हालांकि, आग से कोई जनहानि नहीं हुई और समय रहते ही आग पर काबू पा लिया गया। विमानों के नजदीक लगी इस आग से एयरपोर्ट पर अफरातफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार 3 जून की शाम करीब 5:25 बजे दिल्ली एयरपोर्ट के कार्गो बे में एक पुशबैक टोइंग वाहन में आग लग गई थी। विमान के नजदीक आग लगने से वहां हड़कंप मच गया। इसके तुरंत बाद दमकल की गाड़ियों को मौके पर बुलाया गया। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। बताया जा रहा है कि दिल्ली हवाईअड्डे पर तकनीकी खराबी के कारण पुशबैक वाहन में आग लगी थी। अधिकारियों ने बताया कि शाम करीब 5.20 बजे ट्रॉली में आग लग गई और पांच मिनट के भीतर आग पर काबू पा लिया गया। उन्होंने बताया कि आग से कोई व्यक्ति घायल नहीं हुआ और न ही कोई विमान प्रभावित हुआ।

पांच माह में 34 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किये वैष्णोदेवी के दर्शन

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में रियासी जिले के कटरा शहर में त्रिकुट की पहाड़ियों पर स्थित वैष्णोदेवी तीर्थ पर पिछले पांच महीनों में 34 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किये। आधिकारिक सूत्रों ने आज यहां बताया कि कोविड महामारी के दो वर्ष के अंतराल पर प्रति दिन 35 हजार से 40 हजार श्रद्धालु कटरा शहर पहुंच रहे है। एक अधिकारी ने बताया कि इस वर्ष मई तक पहले पांच महीनों में, 34,67,222 लाख श्रद्धालुओं ने श्री वैष्णोदवी के दर्शन किए। पिछले वर्ष इस समय इसी दौरान 17,77,524 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किये थे। इस वर्ष जनवरी में 4,38,521, फरवरी में 3,61,074, मार्च में 7,78,669, अप्रैल में 9,02,192 और मई में 9,86,766 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किये। उन्होंने बताया कि कोविड महामारी काल की दूसरी लहर के दौरान पिछले साल यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में भारी गिरावट आयी थी हालांकि अब भी श्रद्धालु यात्रा के दौरान कोविड नियमों जैसे मास्क पहनना, सेनिटाइज़र का बार बार इस्तेमाल और दर्शन के दौरान सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों को पालन कर रहे है।

68 रंगरूट असम रेजीमेंटल सेंटर में सैनिक के रूप में किये गये शामिल

शिलांग। मेघालय में शनिवार को आयोजित एक सत्यापन परेड में कुल 68 रंगरूटों को असम रेजीमेंटल सेंटर (एआरसी) के सैनिकों के रूप में शामिल किया गया। जनरल ऑफिसर कमांडिंग 101 एरिया, लेफ्टिनेंट जनरल के सी पंचनाथन, जिन्होंने पार्सन परेड ग्राउंड में परेड की समीक्षा की, ने राष्ट्र के लिए निस्वार्थ सेवा के गुणों की प्रशंसा की और राष्ट्र निर्माण के लिए पूर्वोत्तर एवं असम रेजिमेंट के योगदान को गिनाया। पंचनाथन ने पूर्वोत्तर के योद्धाओं को उत्कृष्टता की खोज में बने रहने का आह्वान किया। रेजिमेंटल गीत 'बदलूराम का बदन' की धुन पर थिरकते हुए युवा सैनिक उत्साही रंगरूटों से बहादुर सैनिकों के लिए एक सफल संक्रमण को चिह्नित करने के लिए खुशी से झूम उठे।

तेलंगाना में आज हल्की बारिश के आसार

हैदराबाद। तेलंगाना के कुछ जिलों में रविवार, मंगलवार और बुधवार को कई स्थानों पर गरज के साथ हल्की बारिश होने के आसार हैं। मौसम केंद्र द्वारा शनिवार को जारी बुलेटिन में यह जानकारी दी। यहां जारी एक बुलेटिन में बताया कि अगले पांच दिनों के दौरान राज्य में कई स्थानों पर गरज के साथ बौछार पड़ने या मध्यम से हल्की बारिश होने के अनुमान हैं।तेलंगाना में पिछले 24 घंटों में कई स्थानों पर बारिश हुई। बुलेटिन के मुताबिक, खम्मम जिले का शुक्रवार को अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

चालक, परिचालकों की हड़ताल से पीआरटीसी की बस सेवाएं प्रभावित

पुडुचेरी। पुडुचेरी में शनिवार को बस चालक और परिचालकों के हड़ताल करने से पुडुचेरी सड़क परिवहन निगम की बस सेवा प्रभावित रही। इस हड़ताल के माध्यम से वे एक बस परिचालक पर दर्ज पुलिस मुकदमे को वापस लेने की मांग कर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, महाप्रबंधन एलुमलई जूनियर क्लर्क पवदई के साथ गुरुवार को परिवहन निगम के कार्यालय गए थे।इस दौरान वहां मौजूद एक परिचालक वेलयन ने पदवई से पूछा कि उसकी बकाया राशि कब मिलेगी, जिसपर दोनों के बीच बहस हो गयी। आरोप लगाया गया कि वेलयन ने पदवई से मारपीट की और बाद में उसने मुदालिअर्पेट पुलिस से इस मामले की शिकायत कर दी। वेलयन के खिलाफ दर्ज पुलिस केस को वापस लेने की मांग को लेकर बस चालकों और परिचालकों ने आज हड़ताल कर दी और बसों को इस तरह खड़ा कर दिया कि कोई बस नए बस अड्डे से बाहर नहीं निकल सके। मामले की निदान के लिए बातचीत जारी है।

मूसेवाला के माता-पिता ने इंसाफ के लिये अमित शाह से की मुलाकात

चंडीगढ़। बहुत कम समय में देश-विदेश में अपनी पहचान बनाने वाले पंजाबी गायक शुभदीप उर्फ सिद्धू मूसेवाला के माता-पिता माता चरन कौर तथा पिता बलकार सिंह ने अपने इकलौते पुत्र की निर्मम हत्या के छठे दिन भी न्याय मिलने की क्षीण होती उम्मीदों के मद्देनजर आज केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर हत्याकांड की जांच केन्द्रीय एजेंसी से कराने की मांग की। उन्होंने आज मूसेवाला गांव से चलकर यहां श्री शाह से मुलाकात की और अपने पुत्र को इंसाफ दिलाने के लिये केन्द्रीय एजेंसी से जांच कराने की मांग की। करीब 12 मिनट की मुलाकात में श्री शाह ने माता-पिता का दुख साझा करते हुये उन्हें जांच का आश्वासन दिया। इस हत्याकांड को पांच दिन गुजर गये लेकिन पंजाब पुलिस हर जगह हाथ पैर मार रही है। जवान पुत्र की हत्या से आहत माता चरन कौर तथा पिता बलकार सिंह न्याय में हो रही देरी से दुखी होकर श्री शाह से मिले।

दिल्ली में लगेंगे 500 तिरंगे, देखरेख और इन कामों को बनेंगी वॉलंटियर्स की कमेटियां

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को एक कार्यक्रम के दौरान यह ऐलान किया कि 15 अगस्त तक पूरी दिल्ली में 500 तिरंगे लगाए जाएंगे और उनकी देखभाल के लिए वॉलंटियर्स की कमेटियां भी बनाई जाएंगी। केजरीवाल ने कहा कि प्रत्येक तिरंगा सम्मान कमेटी में 1,000 वॉलंटियर होंगे।

त्यागराज स्टेडियम में शनिवार को तिरंगा सम्मान कमेटी के वॉलंटियर्स को संबोधित करने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में केजरीवाल ने कहा कि उनकी सरकार अपने देशभक्ति बजट के तहत शहरभर में 500 तिरंगे लगाएगी, जिनकी देखभाल के लिए वॉलंटियर्स बेस्ड कमेटी बनाई गई हैं। केजरीवाल के मुताबिक, प्रत्येक तिरंगा सम्मान कमेटी अपने साथ 1,000 युवा वॉलंटियर्स को जोड़ेगी, जो समाज कल्याण से जुड़े कार्यों के लिए प्रतिबद्ध होंगे।

यह काम करेंगी कमेटियां

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में पांच सदस्यीय तिरंगा सम्मान कमेटी संबंधित स्थान पर प्रत्येक तिरंगे की स्थिति पर नजर रखेगी। तिरंगा सम्मान कमेटी पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को बताएगी कि धूल, तूफान या प्रदूषण के कारण किसी तिरंगे को कोई नुकसान तो नहीं पहुंचा है। इसके साथ ही हर रविवार को सुबह 10 बजे राष्ट्रगान गाने के लिए कमेटियों को तिरंगे के स्थान पर अधिक से अधिक लोगों को इकट्ठा करना होगा।

मेरा प्रस्ताव कमेटियों के लिए स्थानीय लोगों में प्रेरणा जगाने का है। एक बार, वे 1000 युवा वॉलंटियर्स को तैयार करते हैं, मैं कमेटियों को अपने घर पर रात के खाने के लिए आमंत्रित करूंगा। ये वॉलंटियर्स आप, भाजपा या कांग्रेस के नहीं होंगे, वे भारत के वॉलंटियर्स होंगे।

केजरीवाल ने कहा कि ये कमेटियां अपने-अपने क्षेत्र में 1,000 वॉलंटियर्स को जोड़ेंगी, जो देश की सेवा और समाज कल्याण की दिशा में काम करेंगे। उन्होंने कहा कि इन वॉलंटियर्स को पांच कर्तव्य सौंपे जाएंगे। उनके क्षेत्र में कोई भी भूखे पेट न सोए, कोई भी बच्चा स्कूल जाने से वंचित न रहे, जरूरतमंदों को चिकित्सा सहायता सुनिश्चित की जाए, कोई भी बेघर सड़कों पर न रहे और संबंधित क्षेत्रों में साफ-सफाई हो।

दिल्ली सरकार लॉन्च करेगी हर हाथ तिरंगा कार्यक्रम

केजरीवाल ने कहा कि हमारा मकसद है कि हर हाथ में तिरंगा होना चाहिए। कुछ दिन बाद दिल्ली सरकार हर हाथ तिरंगा नाम से एक कार्यक्रम लॉन्च करने जा रही है। उन्होंने कहा कि जिस दिन 130 करोड़ लोग मिलकर भारत के लिए सोचना शुरू करेंगे, उस दिन गरीबी दूर हो जाएगी, भारत तरक्की करेगा और विश्व गुरु बन जाएगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली में फिलहाल अलग-अलग जगहों पर 200 तिरंगे लगाए जा चुके हैं और 15 अगस्त तक सभी 500 तिरंगे लगा लिए जाएंगे।

दिल्ली सरकार ने पिछले साल अपने देशभक्ति बजट के तहत पूरे शहर में 115 फीट की ऊंचाई वाले 500 तिरंगे लगाने की घोषणा की थी।

हैदराबाद नाबालिग गैंगरेप केस : टीआरएस नेता की इनोवा कार, तीसरे आरोपी की गिरफ्तारी

हैदराबाद। हैदराबाद की नाबालिग लड़की से रेप मामले में पुलिस ने शनिवार को तीसरे आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया। आज ही दूसरे आरोपी की गिरफ्तारी हुई थी। एक आरोपी सादुद्दीन मलिक को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया था। आरोपियों की पहचान सादुद्दीन मलिक और ओमर खान के रूप में हुई है जबकि तीन अन्य नाबालिग हैं।

पुलिस ने कहा कि पीड़िता अपने एक मित्र के साथ एक पॉश इलाके के पब में गई थी, जहां उसकी मुलाकात नाबालिग लड़कों के एक समूह हुई।

उन्होंने कहा कि लड़की का मित्र पब में रूक गया जबकि वह किशोर लड़कों के साथ कार में चली गई। पुलिस ने बताया कि लड़की जब घर पहुंची तो उसके गले पर खरोंच के निशान देखकर माता-पिता ने उससे सवाल पूछा तो उसने कार में लड़कों की ओर से कथित दुर्व्यवहार करने की बात बताई।

शुरू में यह दावा किया गया था कि अपराध एक लाल मर्सिडीज के अंदर हुआ था, जो एक विधायक की गाड़ी है। हालांकि, पुलिस ने कहा कि अपराध एक अन्य वाहन इनोवा में हुआ। इस बीच, भाजपा की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने बयान जारी कर इस मामले में ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) और तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) के नेताओं के शामिल होने का आरोप लगाया है।

विधायक के बेटे की गिरफ्तारी का प्रयास जारी

इस मामले में पांच आरोपियों में तीन नाबालिग हैं। दो की पहचान सउदीन मलिक और ओमर खान के रूप में हुई है। एक आरोपी सादुद्दीन मलिक को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया था। वहीं, विधायक के नाबालिग बेटे को पकड़ने के प्रयास जारी हैं। एक अन्य नाबालिग आरोपी जीएचएमसी पार्षद का बेटा है।

राजस्थान में बसपा ने उसके टिकट पर चुनाव जीते छह विधायकों को व्हिप जारी की

जयपुर। राजस्थान में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने राज्य में दस जून को होने वाले राज्यसभा चुनाव के मद्देनजर पार्टी के चुनाव चिह्न पर चुनाव जीते सभी छह विधायकों को व्हिप जारी की है। बसपा के प्रदेश अध्यक्ष भगवान सिंह बाबा ने बताया कि पार्टी ने विधायक राजेन्द्र सिंह गुढ़ा, लाखन सिंह, दीप चंद, जोगिंदर सिंह अवाना, संदीप कुमार एवं वाजिब अली को व्हिप जारी कर कहा गया है कि वे राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस एवं भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार को वोट नहीं करे और वे निर्दलीय उम्मीदवार को अपना वोट डाले। उन्होंने कहा कि ये विधायक पार्टी के चुनाव चिह्न पर विधानसभा का चुनाव जीते थे, इसलिए आज बसपा द्वारा जारी की गई व्हिप के अनुसार कार्य करने के लिए बाध्य है और वर्तमान में हो रहे राजयसभा के चुनाव 2022 के मद्देनजर पार्टी ने निर्णय लिया है कि इस चुनाव में बसपा भाजपा और कांग्रेस दोनों ही पार्टियों की नीतियों से सहमत न होते हुए इनके द्वारा खड़े किए गए उम्मीदवारों का विरोध करती है। ऐसे में बसपा के विधायक अपना मत निर्दलीय उम्मीदवार को ही देंगे। उन्होंने बताया कि इस निर्णय के तहत इन विधायकों को व्हिप जारी की गई है। उन्होंने कहा कि अगर ये विधायक व्हिप का उल्लंघन करेंगे तो उनके खिलाफ कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने बताया कि बसपा के इन विधायकों के कांग्रेस में शामिल होने का मामला न्यायालय में चल रहा है और ये पार्टी व्हिप का उल्लघन करेंगे तो उनके खिलाफ एक मजबूत आधार होगा।

छह जून से पहले पंजाब की सुरक्षा कड़ी करने के निर्देश

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने छह जून को मनाये जाने वाले घल्लूघारा दिवस के मद्देनजर प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति का जायजा लेते समय कहा है कि प्रदेश की शांति को भंग करने की किसी को इजाजत नहीं दी जायेगी। मान ने पुलिस तथा सिविल प्रशासन के अधिकारियों के साथ बैठक की अध्यक्षता करते हुये आज यहां कहा कि छह जून से पहले प्रदेश में ऐहतियाती तौर पर सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित किये जायें। किसी को भी राज्य की अमन-शांति से खिलवाड़ करने की इजाजत नहीं दी जा सकती। सरहदी राज्य को शांतिपूर्ण बनाये रखने के लिये उनकी सरकार वचनबद्ध है। मान ने कहा कि शांति भंग करने की कोशिश करने वालों के साथ सख्ती से निपटा जायेगा। प्रदेश की तरक्की तथा खुशहाली की दुश्मन ताकतों को उनके नापाक इरादों में कभी कामयाब नहीं होने दिया जायेगा। ये ताकतें पंजाब की शांति को भंग करने की कोशिश में लगी हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब पुलिस को पहले ही हाई अलर्ट पर रखा गया है और केन्द्रीय अर्द्ध सैनिक बलों को राज्य में शांति बनाये रखने के लिये लगाया गया है। उन्होंने पंजाबियों से अपील की कि वे पंजाब के गौरव को कायम रखने के लिये अमन चैन, सांप्रदायिक सौहार्द को बनाये रखें और पंजाब विरोधी ताकतों को ऐसा सबक सिखायें ताकि वे कभी सिर न उठा सकें।

हाई कोर्ट के जज नहीं करेंगे मूसेवाला की हत्या की जांच, पंजाब सरकार की मांग खारिज

चंडीगढ़। गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या की जांच हाई कोर्ट के मौजूदा जज से कराने की पंजाब सरकार की मांग अस्वीकार कर दी गई है। सूत्रों ने बताया कि इस संबंध में अदालत की ओर से राज्य सरकार को एक पत्र भेजा गया है। बताया जा रहा है कि पत्र में उच्च न्यायालय प्रशासन ने सरकार से कहा है कि वह जांच के लिए अपने एक न्यायाधीश को नहीं दे सकता। गौरतलब है कि उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों के 38 पद रिक्त हैं, जबकि वहां लगभग 4.50 लाख मामले लंबित हैं। इस पर राज्य सरकार की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई।

पंजाब के मानसा जिले में 29 मई को

अज्ञात हमलावरों ने मूसेवाला की गोली मारकर हत्या कर दी थी। मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह की मांग के बाद पंजाब सरकार ने सोमवार को उच्च न्यायालय के मौजूदा न्यायाधीश की अध्यक्षता में न्यायिक आयोग के गठन की घोषणा की थी। पंजाब के प्रधान सचिव (गृह) अनुराग वर्मा ने 30 मई को उच्च न्यायालय के महा पंजीयक को पत्र लिखा था।

पंजाब के प्रधान सचिव ने लिखा था पत्र

पत्र में कहा गया कि सरकार इस गंभीर घटना को लेकर बहुत चिंतित है और इस जघन्य अपराध को अंजाम देने वाले अपराधियों को न्याय के कठघरे में लाने के लिए हत्या के कारणों की जड़ तक जाना चाहती है। अनुराग वर्मा ने कहा था कि मुझे इस संबंध में एक मौजूदा न्यायाधीश की अध्यक्षता में जांच कराने को कहा गया है। पंजाब के माननीय मुख्यमंत्री के अनुरोध को पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के माननीय मुख्य न्यायाधीश तक पहुंचाने का निर्देश दिया गया है।

केंद्रीय एजेंसियों से जांच कराने की मांग

मूसेवाला के परिवार ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर प्रसिद्ध पंजाबी गायक की नृशंस हत्या की केंद्रीय एजेंसियों से जांच कराने की मांग की है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शुक्रवार को मानसा में मूसेवाला के घर का दौरा किया था और दिवंगत गायक के परिवार को आश्वासन दिया था कि उनके हत्यारे जल्द ही सलाखों के पीछे होंगे।

कश्मीर में सेना के लिए टारगेट किलिंग नई चुनौती

श्रीनगर। कश्मीर में पिछले कुछ महीनों से अल्पसंख्यकों और गैर स्थानीय लोगों पर आतंकवादियों के लक्षित हमले सुरक्षा बलों के लिए एक नई चुनौती पेश कर रहे हैं।

अधिकारियों के अनुसार, इस साल लक्षित हमलों की एक श्रृंखला में 12 नागरिकों, ज्यादातर अल्पसंख्यक, गैर स्थानीय और पंचायती राज संस्थानों के सदस्यों को गोली मार दी गई है। इन हमलों में लगभग एक दर्जन से अधिक गैर स्थानीय कार्यकर्ता भी घायल हुए हैं।

मई से अब तक छह नागरिकों की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। लक्षित हमलों का नवीनतम सिलसिला ऐसे समय में हो रहा है जब सुरक्षा बलों ने पूरे कश्मीर में आतंकवादियों और उनके हमदर्दों के खिलाफ बड़े पैमाने पर अभियान छेड़ा है। इस साल, कश्मीर में कुछ शीर्ष कमांडरों सहित 90 से अधिक आतंकवादी मारे गए हैं।

अधिकारियों ने कहा कि अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे को खत्म करने के तुरंत बाद लक्षित हत्याएं शुरू हुईं। कई पर्यवेक्षक इन हमलों को अनुच्छेद 370 के निरस्तीकरण से जुड़े हुए देखते हैं।

पहली लक्षित हत्या अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के लगभग तीन महीने बाद हुई थी। गत 29 अक्टूबर, 2019 को जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में पश्चिम बंगाल के पांच मुस्लिम मजदूरों की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

जनवरी 2021 में श्रीनगर में एक ज्वैलर सतपाल निश्चल की उनकी दुकान के अंदर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। दो महीने बाद श्रीनगर में एक लोकप्रिय भोजनालय के मालिक आकाश मेहरा के बेटे को गोली मार दी गई। अक्टूबर 2021 में, आतंकवादियों ने लक्षित हमलों की एक श्रृंखला को अंजाम दिया, जिससे सुरक्षा व्यवस्था चरमरा गई।

एक प्रमुख फार्मासिस्ट एमएल बिंदू की अक्टूबर में उनकी दुकान पर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उसी शाम बिहार के एक गैर-स्थानीय पानीपुरी विक्रेता की गोली मारकर हत्या कर दी गई।

अगले दिन श्रीनगर के संगम के गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल के प्रिंसिपल सुपिंदर कौर और उनके सहयोगी दीपक चंद की स्कूल में गोली मारकर हत्या कर दी गई। उसी महीने में और अधिक हमले हुए, जिसमें चार अन्य गैर-स्थानीय कार्यकर्ता मारे गए।

इस साल आतंकवादियों ने पंचायत संस्थाओं के प्रतिनिधियों को निशाना बनाना शुरू कर दिया था। मार्च में लक्षित हमलों में तीन पंचायत सदस्य मारे गए थे।

अल्पसंख्यकों पर लक्षित हमलों की शुरूआत अप्रैल से हुई। गत 13 अप्रैल को दक्षिण कश्मीर में एक राजपूत नागरिक सतीश कुमार की हत्या कर दी गई थी। लगभग एक महीने बाद कश्मीरी पंडित राहुल भट की चदूरा बडगाम स्थित उनके कार्यालय के अंदर गोली मारकर हत्या कर दी गई। चूंकि एक वाइन शॉप में एक हिंदू कर्मचारी, एक मुस्लिम टीवी कलाकार, एक हिंदू स्कूल शिक्षक, एक गैर स्थानीय बैंक प्रबंधक और एक गैर स्थानीय मजदूर सहित पांच लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई, जिससे कश्मीरी पंडितों और गैर-मूल निवासियों में तीव्र चिंता पैदा हो गई है। घाटी में कई पंडित पहले ही ट्रांजिट कैंप छोड़ चुके हैं।

सुरक्षा अधिकारियों का दावा है कि लक्षित हत्याओं का उद्देश्य लोगों में 'भय फैलाना' है।

एक पुलिस अधिकारी ने कहा, आतंकवादी निराश हैं और इसलिए वे अल्पसंख्यक समुदायों और महिलाओं सहित निर्दोष नागरिकों को निशाना बना रहे हैं।

पंजाब कांग्रेस के चार पूर्व मंत्री भाजपा में शामिल

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस को बड़ा झटका देते हुये उसके चार पूर्व मंत्री आज भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) में शामिल हो गये।

शहर में आज भाजपा के पूर्व अध्यक्ष एवं केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह आये हुये हैं। पंजाब भाजपा के अध्यक्ष अश्विनी शर्मा ने पार्टी प्रभारी एवं केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र शेखावत और अन्य वरिष्ठ भाजपा नेताओं की मौजूदगी में इन नेताओं को पार्टी में शामिल कराया। इनमें बलबीर सिद्धू ,सुंदर श्याम अरोड़ा, गुरप्रीत कांगड,राजकुमार वेरका शामिल हैं। कांग्रेस से निष्कासित केवल ढिल्लों भी भाजपा में शामिल हुये।

इससे पहले कांग्रेस के बड़े नेता सुनील जाखड़ ने हाल में कांग्रेस को अलविदा कह भाजपा का दामन थामा था। उसके बाद ऐसे कयास लगाये जा रहे थे कि कुछ वरिष्ठ कांग्रेस नेता भी कांग्रेस को छोड़ सकते हैं। आज दोपहर श्री जाखड़ के घर पर सर्वश्री बलबीर सिद्धू ,राजकुमार वेरका ,सुंदर श्याम अरोड़ा (तीनों अमरिंदर सरकार में मंत्री रहे) की बैठक हुई । बैठक में भाजपा नेता मनिंदर सिंह सिरसा मौजूद थे। उसके बाद ये भाजपा कार्यालय पहुंचे जहां इन्हें विधिवत रूप से भाजपा में शामिल कराया गया ।

इनके अलावा चुनाव से पहले कांग्रेस से निष्कासित केवल ढिल्लों (कैप्टन अमरिंदर सिंह के करीबी),अकाली नेता सरूप चंद सिंगला और कांग्रेस से बगावत करके निर्दलीय चुनाव लड़ने वाले अमरीक सिंह ढिल्लों भाजपा में शामिल हुये।

कांग्रेस के पूर्व मंत्री सहित ये नेता के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह के करीबी रहे हैं।

हरियाणा अब बनाएगा चंडीगढ़ में अपना विधानसभा भवन

चंडीगढ़। हरियाणा का अपना विधानसभा भवन होने का सपना साकार होने जा रहा है और चंडीगढ़ प्रशासन इसके लिये भूमि देने के लिये तैयार हो गया है।

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर और विधानसभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता ने चंडीगढ़ प्रशासन के अधिकारियों के साथ विधानसभा भवन के लिये प्रस्तावित स्थलों पर दौरा किया और बाद में चर्चा के बाद इसे जल्द अंतिम रूप दिया जाएगा। चंडीगढ़ प्रशासन ने हरियाणा विधानसभा भवन के लिये रेलवे चौक से आई पार्क जाती सड़क पर दाईं ओर, कलाग्राम के सामने मजीमाजरा की ओर जाती सड़क तथा और राजीव गांधी आईटी पार्क के निकट की भूमि के विकल्प पेश किये हैं। हरियाणा का प्रस्तावित विधानसभा भवन अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होगा। वर्तमान में पंजाब से बंटवारे के 55 साल बाद भी साझा विधानसभा भवन से ही काम चल रहा है लेकिन हरियाणा को इसमें उसके हिस्से के अनुसार जगह नहीं मिल पाई है। हरियाणा के हिस्से के लगभग 20 कमरों पर अभी भी पंजाब का कब्जा है। श्री गुप्ता ने इस सम्बंध में अनेक बार मामला पंजाब विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष उठा कर उनके हिस्से के कमरे उन्हें देने की मांग कर चुके हैं लेकिन इसमें सफलता हासिल नहीं हुई।

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष ने इस बारे में प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, उप-राष्ट्रपति और लोकसभा अध्यक्ष को भी पत्र लिखे थे जिनमें सभी राज्यों और कुछ केंद्र शासित प्रदेशों के पास स्वतंत्र विधान भवन होने का उदाहरण दिया था। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़, झारखंड, तेलंगाना, उत्तराखंड और इसके अलावा कुछ ऐसे भी उदाहरण हैं, जहां पहले से विधानसभा भवन होने के बावजूद समय की मांग के अनुसार नये भवनों का निर्माण किया गया। राजस्थान विधानसभा का नवनिर्मित विधान भवन जयपुर में, गुजरात विधानसभा का गांधी नगर में, हिमाचल प्रदेश का धर्मशाला स्थित विधान भवन इसके प्रमुख उदाहरण हैं। इतना ही नहीं देश की राजधानी दिल्ली में भी आवश्यकताओं के अनुसार नया संसद भवन बनाया जा रहा है। उनके इस पत्रों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया हुई। इस योजना में विपक्ष को भी शामिल करते हुये श्री गुप्ता ने इन पत्रों की एक प्रति विधानसभा में विपक्ष के नेता भूपिंदर सिंह हुड्डा को भी भेजी थी।

श्री गुप्ता ने पत्र में लिखा था कि 2026 में प्रस्तावित परिसीमन में हरियाणा में लोकसभा की 14 और विधानसभा की 126 सीटें होने का अनुमान है, लेकिन विधानसभा सदन इस समय 90 विधायकों के बैठने की ही व्यवस्था है। इसके अलावा एक भी विधायक के लिए स्थान बनाना यहां मुश्किल काम है। वर्ष 2026 के लिए मात्र पांच वर्ष का समय शेष है, इसलिए इस दिशा में अभी से विचार कर योजना बनानी होगी। इसके अलावा विधानसभा सत्र के दौरान मंत्रियों, समिति अध्यक्षों और विधायकों के बैठने का भी पर्याप्त स्थान नहीं है। पंजाब विधानसभा के लगभग सभी मंत्रियों को सत्र के दौरान उनके कार्यालय के लिए स्वतंत्र कमरों का प्रावधान है। हरियाणा विधानसभा में मुख्यमंत्री के अलावा किसी भी मंत्री या समितियों के अध्यक्ष के बैठने के लिए व्यवस्था नहीं है। इस कारण से समितियों की बैठकें सुचारू रूप से नहीं चल पा रही हैं।

भारतीय गणितज्ञ बोस को डूडल के जरिये श्रद्धांजलि

कोलकाता। सर्च इंजन गूगल ने भारत के महान गणितज्ञ और भौतिकशास्त्री सत्येंद्र नाथ बास को बोस -आइंस्टीन कंडेनसेट में उनके योगदान को याद करते हुए शनिवार को डूडल बनाया।

वर्ष 1924 में आज ही के दिन (चार जून को) उन्होंने क्वांटम फॉर्मूलेशन ,अल्बर्ट आइंस्टीन को भेजे थे जिसे क्वांटम मैकेनिक्स में एक महत्वपूर्ण खोज के रूप में मान्यता मिली। गूगल ने आज सत्येंद्र नाथ बोस और 'बोस-आइंस्टीन कंडेनसेट' में उनके योगदान को सिलेब्रेट करने के लिए डूडल बनाया।

श्री बोस की प्रसिद्धि की यात्रा अध्ययन के शुरूआती चरण में ही हो गयी थी। हर दिन, उनके पिता, जो एक एकाउंटेंट थे, काम पर जाने से पहले उन्हें हल करने के लिए एक अंकगणितीय समस्या लिखते थे, जिससे बोस की गणित में रुचि बढ़ जाती थी। महज 15 साल की उम्र में, श्री बोस ने कलकत्ता के प्रेसीडेंसी कॉलेज में विज्ञान स्नातक की पढाई शुरू कर दी थी और इसके तुरंत बाद कलकत्ता विश्वविद्यालय में अनुप्रयुक्त गणित में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की। दोनों डिग्रियों में अपनी कक्षा में शीर्ष पर रहते हुए, उन्होंने शिक्षा जगत में अपनी प्रतिष्ठित स्थिति को मजबूत किया।

वर्ष 1917 के अंत तक, श्री बोस ने भौतिकी पर व्याख्यान देना शुरू किया। स्नातकोत्तर छात्रों को प्लैंक के विकिरण सूत्र पढ़ाते समय, उन्होंने कणों की गणना के तरीके पर सवाल उठाया और अपने सिद्धांतों के साथ प्रयोग करना शुरू कर दिया।

उन्होंने अपने निष्कर्षों को प्लैंक्स लॉ एंड द हाइपोथिसिस ऑफ लाइट क्वांटा नामक एक रिपोर्ट में प्रलेखित किया है। साथ ही इसे द फिलॉसॉफिकल मैगज़ीन नामक एक प्रमुख विज्ञान पत्रिका को भी भेजा। उनके शोध को हालांकि, अस्वीकार कर दिया गया था। उसी समय, उन्होंने अपने शोध पत्र अल्बर्ट आइंस्टीन को मेल करने का साहसिक निर्णय लिया।

आइंस्टीन ने वास्तव में खोज के महत्व को पहचाना - और जल्द ही श्री बोस के फार्मूले को घटनाओं की एक विस्तृत श्रृंखला में लागू किया। श्री बोस का सैद्धांतिक पेपर क्वांटम सिद्धांत में सबसे महत्वपूर्ण निष्कर्षों में से एक बन गया। केंद्र सरकार ने बोस को देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्म विभूषण से सम्मानित करके भौतिकी में उनके जबरदस्त योगदान को मान्यता दी।

उन्हें विद्वानों के लिए भारत में सर्वोच्च सम्मान, राष्ट्रीय प्रोफेसर के रूप में भी नियुक्त किया गया था।

एक सच्चे पॉलीमैथ के रूप में श्री बोस ने इंडियन फिजिकल सोसाइटी, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, इंडियन साइंस कांग्रेस और इंडियन स्टैटिस्टिकल इंस्टीट्यूट सहित कई वैज्ञानिक संस्थानों के अध्यक्ष के रूप में काम किया।

वह वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद के सलाहकार भी थे और बाद में रॉयल सोसाइटी के फेलो बन गए।

बोस की विरासत के सम्मान में, कोई भी कण जो आज उनके आँकड़ों के अनुरूप है, बोसॉन के रूप में जाना जाता है। उनके काम से कई वैज्ञानिक सफलताएँ मिली हैं जिनमें कण त्वरक और गॉड पार्टिकल की खोज शामिल है।

गूगल टीम ने एक बयान में कहा, भौतिकी की दुनिया में क्रांति लाने के लिए सत्येंद्र नाथ बोस का धन्यवाद। आपकी खोज ने वास्तव में क्वांटम यांत्रिकी को हिलाकर रख दिया।

शार्ट न्यूज

कृष्णा नगर विधान सभा में डॉ अनिल गोयल जी ने चलाया कचरा जागरूकता अभियान

प्रफुल्ल राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। कृष्णा नगर विधान सभा में पूर्वी दिल्ली नगर निगम के सहयोग से कचरा जागरूकता अभियान चलाया गया जिसमे डॉ अनिल गोयल जी ने लोगो को बताया की गीला कचरा को जैसे सब्ज़ी और फलो के छिलके, बचा हुआ खाना, पेड़ और पौधो की पत्तिया, हड्ड्या और अंडे के छिलके, उपयोग हुई चाय पट्टी एवं कॉफी आदि हरा रंग के डस्टबिन में डालना है और सूखा कचरा जैसे प्लास्टिक की चीजे, पेपर रद्दी, धातु की बेकार वस्तुए, कांच की बोतल और डिब्बे, थर्माकोल और रबड़ आदि को नीले रंग की डस्टबिन में डालना है। घरेलू हानिकारक कचरा जैसे सेनेटरी नेपकिन और डाइपर, बची हुयी दवाइयाँ, जंग लगी धार दार चीजे, इलेक्ट्रॉनिक एवं रासायनिक पदार्थ आदि को लाल रंग के डस्टबिन में डालना चाहिए। कचरे को फेंक देने से भूमि प्रदूषण होता है। इसके अलावा जब जमा हुआ कचरा सड़ने लगे तब उसमे से दुर्गन्ध निकलती है। इस दुर्गन्ध से ना सिर्फ आस-पास का वातावरण दूषित होता है, बल्कि कई खतरनाक बीमारिया भी फैलती है। इन बीमारियो के रोकने के लिए हमे कचरा प्रबंधन करना आवश्यक है। इस अवसर पर पूर्व पार्षद श्री संदीप कपूर जी, पूर्व पार्षद डॉ वी के मोंगा जी, पूर्व पार्षद श्रीमती कल्पना जैन जी, मंडल अध्यक्ष श्री कुश बिंद्रा जी, मंडल उपाध्यक्ष श्री महेंद्र भटेजा जी, महामंत्री श्री राजेश चड्ढा जी उपस्थित रहे।

दिल्ली उपचुनाव : भाजपा ने राजेंद्र नगर सीट से राजेश भाटिया को बनाया उम्मीदवार

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 23 जून को दिल्ली की राजेंद्र नगर विधानसभा सीट पर होने उपचुनाव के लिए शनिवार को अपने उम्मीदवार के नाम का ऐलान कर दिया है। इस बार भाजपा ने पूर्व पार्षद राजेश भाटिया को टिकट दिया है। राजेंद्र नगर में पंजाबी समुदाय का एक बड़ा वोट बैंक है। पंजाबी समुदाय से ताल्लुक रखने वाले भाटिया भाजपा की दिल्ली इकाई के पूर्व महासचिव भी हैं। बाद में, उन्हें महासचिव के पद पर पदोन्नत कर दिया गया। 2012 में वह तत्कालीन उत्तरी दिल्ली नगर निगम के राजेंद्र नगर वार्ड से पार्षद के रूप में चुने गए थे। 'आप' विधायक राघव चड्ढा के पंजाब से राज्यसभा के लिए चुने जाने के बाद राजेंद्र नगर विधानसभा सीट खाली हो गई थी। चड्ढा ने 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनावों में भाजपा के आरपी सिंह को 20,000 से अधिक वोटों के अंतर से हराया था। भाजपा ने पिछली बार 2013 में यह सीट जीती थी। आरपी सिंह उपचुनाव के लिए भी भाजपा के टिकट के दावेदारों में थे, लेकिन भाटिया ने उन्हें पीछे छोड़ दिया। आप ने राजेंद्र नगर से दुर्गेश पाठक को चुनावी मैदान में उतारा है, जबकि कांग्रेस ने भी अपनी पूर्व पार्षद प्रेम लता को टिकट दिया है। कांग्रेस महासचिव मुकुल वासनिक ने शनिवार शाम को प्रेम लता के नाम का ऐलान किया। उपचुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने की आखिरी तारीख 6 जून है। वोटिंग 23 जून को होगी और नतीजे 26 जून को घोषित किए जाएंगे।

युवती संग चाचा और फूफा करते थे दुष्कर्म, अश्लील वीडियो बनाकर किया ब्लैकमेल

जींद। हरियाणा के जींद में युवती को नशीला पदार्थ पिलाकर कथित तौर पर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। दुष्कर्म के आरोपी पीड़िता के रिश्ते के चाचा और फूफा हैं। आरोप है कि अश्लील वीडियो बनाकर युवती को ब्लैकमेल कर उसका यौन शोषण किया गया है। पीड़िता की शिकायत पर गढ़ी थाना पुलिस ने रिश्ते के चाचा तथा फूफा के खिलाफ यौन शोषण करने, बंधक बनाने, नशीला पदार्थ देने समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, सदर थाना नरवाना इलाके की एक युवती ने उचाना थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह रोहतक में पढ़ती है। शिकायत के मुताबिक, दिसंबर 2018 में वह रिश्ते में चाचा लगने वाले गांव के ही गुरविंद्र के साथ अपने घर वापस लौट रही थी। जींद बस अड्डे पर बस बदलते समय गुरविंद्र ने उसे पानी की बोतल लाकर दी थी, जिसे पीने के बाद उसकी तबीयत खराब हो गई। इसके बाद आरोपी चाचा उस युवती को जबर्दस्ती अपने जीजा आजाद के घर ले गया, जहां पर गुरविंद्र ने उसके साथ कथित तौर पर दुष्कर्म किया और उसकी अश्लील वीडियो भी बना ली। शिकायत के मुताबिक, आरोपी वीडियो को सार्वजनिक करने की धमकी देकर उसका यौन शोषण करता रहा और रुपये भी ऐंठता रहा।

दिल्ली के उपराज्यपाल ने दी इंदिरा गांधी अस्पताल में 918 पदों को भरने की मंजूरी

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना ने द्वारका स्थित इंदिरा गांधी अस्पताल में 918 पदों के सृजन के अलावा डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर मेडिकल कॉलेज में 76 अस्थायी पदों को स्थायी पदों में बदलने की मंजूरी दे दी है। एक बयान के मुताबिक, इंदिरा गांधी अस्पताल में शिक्षण संकाय के 144, जूनियर रेसिडेंट के 44, नर्सिंग स्टाफ के 369, प्रशासनिक कर्मचारियों के 58 और सहायक स्टाफ (तकनीशियन, सहायक, नर्सिंग अर्दली, सिक्योरिटी सुपरवाइजर और सुरक्षा गार्ड) के 273 नए पद सृजित किए जाएंगे। सरकारी बयान के अनुसार, अस्पताल विभिन्न कारणों से कर्मचारियों की कमी का सामना कर रहा था और इस फैसले से नियमित सरकारी पदों पर नियुक्तियों में ढिलाई की प्रवृत्ति खत्म की जा सकेगी। उल्लेखनीय है कि पदों पर नियुक्ति के लिए अस्पताल की ओर से जल्द ही आवेदन प्रक्रिया शुरू की जा सकती है। अस्पताल अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर भर्ती से संबंधित सूचना जल्द जारी कर सकता है।

दिल्ली के आदर्श नगर में ब्लेड और ईंट से वारकर शख्स की बेरहमी से हत्या

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के आदर्श नगर इलाके में दो भाइयों ने झगड़े के बाद कथित तौर पर दिनदहाड़े ब्लेड और ईंटों से हमला कर 28 वर्षीय एक व्यक्ति की बेरहमी से हत्या कर दी। शुक्रवार को हुई हत्या की यह वारदात घटनास्थल के पास लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पुलिस ने शनिवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि सी सीटीवी कैमरे की फुटेज से पता चलता है कि पीड़ित जा रहा था, जब उन दो भाइयों ने उसे रोक लिया, लात मारी और उस पर ब्लेड और पत्थर से बार-बार हमला किया। पुलिस ने कहा कि उन्हें शुक्रवार दोपहर करीब 2.15 बजे सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति ब्लेड लगने से घायल हो गया है। पुलिस उपायुक्त (उत्तर-पश्चिम) उषा रंगनानी ने कहा कि पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और घायल युवक को इलाज के लिए पास के बाबू जगजीवन राम मेमोरियल (बीजेआरएम) अस्पताल ले जाया गया। वहां में उसे दूसरे अस्पताल में रेफर कर दिया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि मृतक युवक की पहचान आजादपुर निवासी नरेंद्र उर्फ बंटी के रूप में हुई है। वहीं, हमलावरों की पहचान राहुल काली और उनके भाई रोहित काली के रूप में हुई है। राहुल काली इलाके का घोषित बदमाश बताया जाता है। उन्होंने कहा कि जांच में पाया गया कि नरेंद्र को नशीली दवाओं की लत लग गई थी। इसके लिए वह राहुल से बार-बार पैसे उधार मांगता था। इसी बात को लेकर शुक्रवार को उनमें झगड़ा हुआ था। डीसीपी ने कहा कि राहुल नाराज हो गया और उसने अपने भाई को मंदिर वाली गली, आजादपुर गांव में बुलाया और नरेंद्र पर ब्लेड से हमला करने के बाद बार-बार ईंटों से उसके सिर पर वार किया।

दिल्ली हाईकोर्ट ने सत्येंद्र जैन को दिया झटका

ईडी की पूछताछ के दौरान वकील साथ रखने के आदेश पर लगाई रोक

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन से पूछताछ के दौरान वकील की मौजूदगी की अनुमति देने वाले निचली अदालत के आदेश पर रोक लगा दी है। जैन को मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 30 मई को गिरफ्तार किया था।

निचली अदालत ने जैन से पूछताछ के दौरान वकील की इतनी दूरी पर मौजूदगी की अनुमति दी थी, जहां से वह कुछ सुन नहीं सकते थे, लेकिन इस प्रक्रिया को देख सकते थे।

जस्टिस योगेश खन्ना ने कहा कि जब बयान दर्ज किए जाने के दौरान एक संभावित खतरा या दबाव बनाये जाने की वास्तविक आशंका का संकेत देने वाली विश्वसनीय सामग्री हो, तो इस तरह का निर्देश जारी किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यदि मौजूदा विषय में कोई आशंका नहीं जताई गई है तो निर्देश नहीं दिया जाना चाहिए था। हाईकोर्ट ने निर्देश को चुनौती देने वाली प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की याचिका पर तीन जून को अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था। जज ने कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) के नेता के खिलाफ कोई एफआईआर या शिकायत दर्ज नहीं है, ऐसे में वह अपना बयान दर्ज कराने के दौरान अपने वकील की उपस्थिती के अधिकार का दावा नहीं कर सकते हैं।

हाईकोर्ट ने कहा कि यदि बयान की वीडियोग्राफी की जाती है और ऑडियो रिकॉर्डिंग की जाती है तो यह किसी दबाव या धमकी की आशंका को दूर कर देगा। स्टे ऑर्डर ईडी की याचिका पर जारी किया गया है, जिसने निचली अदालत के 31 मई के आदेश को चुनौती दी थी। निचली अदालत ने 31 मई से नौ जून तक हिरासत में जैन से पूछताछ के दौरान, कुछ दूरी पर, एक वकील की मौजूदगी की अनुमति दी थी। अदालत ने विषय की अगली सुनवाई 24 अगस्त के लिए सूचीबद्ध कर दी।

जैन को धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया गया था और निचली अदालत ने 31 मई को उन्हें नौ जून तक के लिए ईडी की हिरासत में भेज दिया था।

सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेलते हुए छः अभियुक्तों को किया गिरफ्तार गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। थाना जेवर पुलिस ने शनिवार को सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेलते हुए छः अभियुक्तों अबरार पुत्र अम्बार अली निवासी मंगरौली रोड कस्बा व थाना जेवर गौतमबुद्धनगर, आसिफ पुत्र सलीम निवासी भगत सिंह चौक कस्बा व थाना जेवर गौतमबुद्धनगर, आसिफ पुत्र आस मौहम्मद निवासी सहजपुरा थाना पिसावा अलीगढ हाल किराये का मकान मौहल्ला नई बस्ती रावल पट्टी कस्बा व थाना जेवर गौतमबुद्धनगर, सफिक पुत्र सब्बीर निवासी मौहल्ला चौथईया पट्टी कस्बा व थाना जेवर गतौमबुद्धनगर, इमरान पुत्र इसराईल निवासी बैना रोड कस्बा व थाना जेवर गौतमबुद्धनगर, नन्हे पुत्र इकबाल निवासी चौथईया पट्टी कस्बा व थाना जेवर गौतमबुद्धनगर को अनाज मण्डी जेवर से गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए अभियुक्तों के कब्जे से पुलिस ने 4600 रुपये नगद, चार मोबाईल फोन और 52 पत्ते ताश बरामद किए हैं। उपरोक्त अभियुक्तगण हार जीत की बाजी लगा कर जुआ खेल रहे थे। जिनके विरुद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

जनपद गौतमबुद्धनगर में 4 जून 2022 से 30 जून 2022 तक लगाई गई धारा 144

ग्रेटर नोएडा। जनपद गौतमबुद्धनगर में अन्तर्गत धारा 144 सीआरपीसी को 4 जून 2022 से 30 जून 2022 तक लगाया गया है। कोविड-19 के सम्बन्ध में शासन स्तर एवं स्थानीय स्तर भी विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं। उपरोक्त के अतिरिक्त समय समय पर शासन/ विभिन्न आयोगों/परिषदों आदि के द्वारा विभिन्न अन्य परीक्षाएँ आयोजित करायी जाती हैं जिसके सम्बन्ध में नियत तिथि से कुछ समय पूर्व ही अवगत कराया जाता है। जिन्हें सकुशल सम्पन्न कराने हेतु भी उचित उपाय किया जाना आवश्यक है।उपर्युक्त समस्त कारणों से कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर में शान्ति व्यवस्था व सौहार्द बनाए रखने के उद्देश्य से यह आवश्यक है कि किन्ही भी शरारती तत्वों को ऐसी गतिविधियां करने से रोका जाए जिससे कोई प्रतिकूल वातावरण बनने की आशंका हो।उपर्युक्त समस्त कारणों से कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर में शान्ति व्यवस्था व सौहार्द बनाए रखने के उद्देश्य से यह आवश्यक है कि किन्ही भी शरारती तत्वों को ऐसी गतिविधियां करने से रोका जाए जिससे कोई प्रतिकूल वातावरण बनने की आशंका हो। स्थिति की गम्भीरता एवं तात्कालिकता को देखते हुए आशुतोष द्विवेदी अपर पुलिस उपायुक्त कानून एवं व्यवस्था गौतमबुद्धनगर ने 4 जून 2022 को दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के अन्तर्गत निम्नलिखित आदेश जारी किए हैं।जो दिनांक 4 जून 2022 से 30 जून 2022 तक प्रभावी रहेगें।जो निम्न प्रकार हैं। मास्क की अनिवार्यता तथा कोविड-19 प्रोटोकाल के बिना सार्वजनिक स्थल पर किसी भी प्रकार की गतिविधि अनुमन्य नही होगी।कोई भी व्यक्ति बिना सक्षम अधिकारी की अनुमति के अनशन, धरना प्रदर्शन आदि नही करेगा।

वाराणसी सीरियल ब्लास्ट केस

गाजियाबाद की कोर्ट ने वलीउल्लाह को ठहराया दोषी, 6 जून को सुनाई जाएगी सजा

गाजियाबाद। 16 साल पुराने वाराणसी सीरियल ब्लास्ट केस में गाजियाबाद की जिला एवं सत्र अदालत ने आरोपी वल्लीउल्लाह को दोषी ठहराया है। सिलसिलेवार हुए ब्लास्ट केस के दो मामलों में जिला जज ने आतंकी वल्लीउल्लाह को दोषी माना है, जबकि एक में बरी कर दिया है।

इस मामले के आरोपी वल्लीउल्लाह को शनिवार दोपहर को जिला अदालत में पेश किया गया। दोपहर 3.30 बजे जिला एवं सत्र न्यायाधीश जितेंद्र कुमार सिन्हा ने बनारस के संकट मोचन मंदिर में हुए बमकांड में वल्लीउल्लाह को दोषी ठहराया। यहां बम फटने से 7 लोगों की मौत हुई थी।

जिला जज ने दशाश्वमेध घाट पर कुकर बम मिलने के मामले में भी वल्लीउल्लाह को दोषी ठहराया। यहां बम फटने से पहले ही ढूंढ निकाला गया था। तीसरे मामला रेलवे कैंट पर बम विस्फोट का था। यहां नौ लोग मारे गए थे। इस मामले में साक्ष्यों के अभाव में वल्लीउल्लाह को अदालत ने बरी कर दिया है।

दोषी ठहराए गए दोनों मामलों में अदालत आगामी छह जून को सजा सुनाएगी। बता दें कि जिला एवं सत्र न्यायालय में 23 मई को वाराणसी बम कांड की सुनवाई पूरी हो गई थी। कोर्ट ने दोष सिद्धि पर फैसला सुनाने के लिए चार जून की तारीख तय की थी।

क्या है मामला

सात मार्च, 2006 को वाराणसी में संकटमोचन मंदिर और कैंट रेलवे स्टेशन पर बम धमाके हुए थे। इसके अलावा दशाश्वमेध घाट पर कुकर बम मिला था। बम धमाके में कई लोग मारे गए थे, जबकि दर्जनों लोग घायल हो गए थे। हाईकोर्ट के आदेश पर मामला सुनवाई के लिए गाजियाबाद स्थानांतरित किया गया था। अभियोजन की तरफ से जीआरपी कैंट धमाके में 53, संकट मोचन धमाके में 52 और दशाश्वमेध घाट मामले में 42 गवाह पेश किए गए।

प्रयागराज जिले के फूलपुर गांव रहने वाला है वलीउल्लाह

सीरियल ब्लास्ट के सिलसिले में यूपी पुलिस ने 5 अप्रैल 2006 को प्रयागराज जिले के फूलपुर गांव निवासी वलीउल्लाह को गिरफ्तार किया था। पुख्ता सबूतों के साथ पुलिस ने दावा किया कि संकट मोचन मंदिर और कैंट रेलवे स्टेशन वाराणसी पर धमाके की साजिश रचने में वलीउल्ला का ही हाथ था। पुलिस ने वलीउल्लाह के संबंध आतंकी संगठन से भी बताए थे।

युवती ने शादी से किया इनकार तो युवक ने खाया जहर, प्रेमी को आत्महत्या करता देख स्कूटी लेकर भागी प्रेमिका गिरफ्तार

दादरी। ग्रेटर नोएडा के दादरी कोतवाली क्षेत्र के पल्ला गांव की नहर पर मारपीट व जहर खाने से कुछ दिन पहले युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। हालांकि, युवक ने दम तोड़ने से पहले दो युवतियों समेत पांच लोगों पर हत्या का आरोप लगाते हुए वीडियो वायरल कर दिया था। युवक की हत्या के आरोप में पुलिस ने मुख्य आरोपी एक युवती को गिरफ्तार कर लिया है।

जारचा के आनंदपुर गांव के गौरव कुमार की दनकौर क्षेत्र के एक गांव की युवती से दो साल पहले फेसबुक पर दोस्ती हो गई थी। युवक और युवती अलग-अलग समाज के थे। दोनों शादी करने के लिए तैयार हो गए थे और 23 मई को युवती ने युवक दादरी में मिलने के लिए बुलाया था। युवती के साथ उसका भाई व मौसी की लड़की स्कूटी पर आई थी। दादरी में मुलाकात के बाद युवती ने शादी के लिए मना कर दिया था। इसके बाद युवक ने बाजार से जहर की गोली खरीदी और साथ जी नहीं सकते तो साथ मरने की कसम खाई। आरोप है कि युवक ने पहले गोली खा ली, लेकिन युवती गोली नहीं खाई और वह स्कूटी लेकर वहां से भाग निकली।

युवक ने काफी दूर तक उसका पीछा किया और पल्ला गांव की नहर पर स्कूटी में टक्कर मारकर युवती को गिरा दिया। इसके बाद उन दोनों में मारपीट होने लगी। युवती ने अपने घरवालों को भी मौके पर बुला लिया और गौरव को पीट-पीट कर अधमरा कर दिया।

गंभीर हालत में युवक के घरवालों ने उसे ग्रेटर नोएडा के अस्पताल में भर्ती कराया था। वहां पर अगले दिन 24 मई को उसकी मौत हो गई थी। युवक ने मरने से पहले युवती की हरकत का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल कर दिया था। उसे पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया।

युवक के घरवालों ने दो युवतियों समेत पांच लोगों को नामजद करते हुए रिपोर्ट की थी। पुलिस ने हत्या की मुख्य आरोपी युवती को शुक्रवार को जीटी रोड मिहिर भोज पीजी कॉलेज के सामने से गिरफ्तार कर लिया।

ग्रेटर नोएडा के एसीपी-2 नितिन कुमार सिंह ने बताया कि युवक की हत्या के आरोप में मुख्य आरोपी युवती को गिरफ्तार करके कोर्ट में पेश किया जा रहा है। शेष आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी कर ली जाएगी।

सीलमपुर में 7 साल की मासूम बच्ची से दुष्कर्म, पुलिस ने 46 वर्षीय संदिग्ध को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली के सीलमपुर इलाके में शुक्रवार को मानसिक रूप से कमजोर एक सात साल की बच्ची से कथित तौर पर दुष्कर्म का मामला सामने आया है। बच्ची की तबीयत बिगड़ने पर उसे इलाज के लिए अस्पताल में ले जाया गया था, जहां डॉक्टरों ने उसके साथ दुष्कर्म किए जाने पुष्टि की। बच्ची से गैंगरेप किए जाने की बात भी सामने आ रही है, लेकिन पुलिस इससे इनकार कर रही हैं। पुलिस ने 46 साल के एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया है, जो पीड़िता का परिचित भी है। पीड़ित बच्ची अपने परिवार के साथ सीलमपुर में रहती है। परिवार में माता-पिता और एक भाई है। बच्ची दूसरी कक्षा की छात्रा है। परिजनों के अनुसार, वह शुक्रवार सुबह करीब 9 बजे घर से बाहर खेलने गई थी। कुछ देर बाद वह अचानक लापता हो गई। माता-पिता बच्ची की तलाश कर रहे थे, तभी करीब 11 बजे वह रोती हुई घर लौटी। उसकी तबीयत खराब थी। बच्ची ने परिजनों को बताया कि पड़ोस में चप्पल वाली फैक्ट्री की छत पर उसके साथ दुष्कर्म किया गया है। परिजन तुरंत उस फैक्ट्री की छत पर पहुंचे। परिजनों का दावा कि फैक्ट्री में काम करने वाले दो युवक छत पर मिले। एक युवक अर्धनग्न हालत में था, वह दोनों को पकड़ने लगे तो वह भागने लगे। उन्होंने एक को पकड़ लिया, जबकि दूसरा मौके से फरार हो गया।

आबकारी विभाग एवं पुलिस के संयुक्त तत्वाधान में चलाया गया गहन सर्च अभियान

ग्रेटर नोएडा। जनपद में अवैध शराब के निष्कर्षण एवं अवैध शराब के व्यापार के विरूद्ध चलाए जा रहे प्रवर्तन अभियान के तहत जिला आबकारी अधिकारी गौतमबुद्धनगर राकेश बहादुर सिंह ने जानकारी देते हुये बताया कि शुक्रवार को आबकारी निरीक्षक क्षेत्र 1 गौरव चन्द व आबकारी निरीक्षक क्षेत्र 2 रवि जायसवाल द्वारा दिल्ली गौतमबुद्ध नगर बॉर्डर पर कोंडली में दविश देकर 1 मारुति वैगनार टैक्सी गाड़ी से कुल 10 बोतल रॉयल चैलेंज दिल्ली राज्य में विक्री के लिए अनुमन्य विदेशी शराब बरामद किया गया एवं 2 अभियुक्तों संजीव कुमार पुत्र वीरेश कुमार व धीरज तिवारी पुत्र सतेंद्र तिवारी को गिरफ्तार कर आबकारी अधिनियम के धारा 63/72 के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर जेल भेजा गया तथा बलराम सिंह आबकारी निरीक्षक क्षेत्र 3 द्वारा डीएलएफ मॉल नोएडा पर चेकिंग के दौरान एक ब्रेजा कार से 12 बोटल ब्लेंडर प्राइड 750 एम0एल0 दिल्ली राज्य में बिक्री के लिए अनुमन्य के साथ 2 अभियुक्त सूरज प्रताप सिंह पुत्र अनिरुद्ध प्रताप सिंह, इसी प्रकार आबकारी निरीक्षक क्षेत्र 7 राहुल सिंह व सुमित यादव द्वारा एक सेक्टर 14ए नोएडा दिल्ली बॉर्डर पर चैकिंग के दौरान एक स्विफ्ट कार से 1 पेटी रॉयल स्टैग व 1 पेटी बटवाइजर बियर दिल्ली राज्य में बिक्री के लिए अनुमन्य के साथ एक अभियुक्त योगेश पुत्र विजेंद्र सिंह निवासी रबूपुरा, ग्रेटर नोएडा को गिरफ्तार कर आबकारी अधिनियम की धारा 63/72 में जेल भेजा गया और वाहन को जब्त किया गया।

पुलिस ने फर्जी मार्कशीट, डिग्री बनाने वाले दो अभियुक्तों को किया गिरफ्तार, कब्जे से स्कूल व कॉजेल की फर्जी अंक तालिका बरामद

आनंद राय गौरवशाली भारत

नोयडा। थाना फेस वन पुलिस ने शनिवार को फर्जी मार्कशीट व डिग्री बनाने वाले दो अभियुक्तों अब्दुल समद पुत्र अब्दुल लतीफ निवासी 259 छोटी बजरिया चक्की वाली गली घंटाघर थाना कोतवाली गाजियाबाद, आदिल पुत्र आकिल निवासी कडेहरा रोड नाई की झोड के पास मेवाती मौहल्ला थाना व कस्बा दादरी गौतमबुद्धनगर को नयाबांस सैक्टर 15 मैट्रो स्टेशन के पास से गिरफ्तार कर लिया।पकड़े गए अभियुक्तों के कब्जे से पुलिस ने 120 फर्जी मार्कशीट,एक मार्कशीट बनाने का प्रिन्टर, एक सीपीयू,एक एलईडी

मोनिटर,एक कीबोर्ड,एक माउस और मार्कशीट बनाने के सफेद कागज बरामद हुए है। अभियुक्त पिछले कई वर्षो से फर्जी मार्कशीट व डिग्री बनाने का कार्य कर रहे हैं। पहले अभियुक्त अब्दुल समद व उसका मित्र आकिल साथ मिलकर फर्जी मार्कशीट व डिग्री बनाने का कार्य करते थे। दो माह पूर्व अकिल का देहांत हो जाने के कारण अब्दुल समद व अकिल का पुत्र आदिल साथ मिलकर फर्जी मार्कशीट व डिग्री बनाने का कार्य कर रहे हैं।अभियुक्त शातिर किस्म के अपराधी है तथा फर्जी मार्कशीट व डिग्री तैयार करने का कारोबार लगभग 20 सालों से कर रहे हैं।दोनो अभियुक्तगण 12वी तक पढे है। 3,000 से 4,000 रूपये मे डिग्रियां बनाते थे। पेपर और डिग्री के अनुसार रेट तय करते थे। डिग्रिया बनाने के लिये कोरल ड्रा साफ्टवेयर का इस्तेमाल कर बनाते थे। अब तक लगभग 10,000 लोगों को डिग्रिया बना कर दे चुके है। प्रति महीने 10-15 लोगों को डिग्रिया बना कर देते थे। पूछताछ पर बताया कि अधिकर लोग प्राइवेट जॉब के लिये डिग्रियां बनवाते है। इनके और भी डाक्यूमैन्ट्स चैक किये जा रहे है। बैंक अकान्ट सीज किये जा रहे है।गिरफ्तार उपरोक्त अभियुक्तों के विरुद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

जेवर पुलिस ने कलेक्शन ऐजन्ट से लूट करने वाले दो बदमाशों को मुठभेड़ के उपरांत किया गिरफ्तार

गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम को डीसीपी ग्रेटर नोएडा ने की 25 हजार रुपये का इनाम देने की घोषणा

विवेक राय गौरवशाली भारत

ग्रेटर नोएडा। थाना जेवर पुलिस ने चैकिंग के दौरान दो लुटेरे अभियुक्तों टिंकू पुत्र शंकर निवासी घरोठा थाना छायसा फरीदाबाद हरियाणा, बन्टी पुत्र धर्मपाल निवासी घरोठा थाना छायसा फरीदाबाद हरियाणा को ग्राम थोरा के पास खुर्जा रोड से शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया।किया गया। पुलिस मुठभेड़ में उपरोक्त अभियुक्त टिंकू पुलिस की गोली लगने से घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए पुलिस द्वारा कैलाश अस्पताल ग्रेटर नोएडा में भर्ती कराया गया।

पकड़े गए अभियुक्तों के कब्जे से पुलिस ने 2 लाख 13 हजार रूपये लूटे हुए रुपयों में से, घटना में प्रयुक्त चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की है।गौरतलब है कि पुलिस द्वारा अभियुक्तों से लूट की घटना में प्रयुक्त असलहा के बारे में पूछा गया तो अभियुक्तों द्वारा बताया गया कि उनके द्वारा लूट के बाद असलहा को किशोरपुर पुलिया के पास झाड़ी में फेंक दिया गया है।

जिनको बरामद करने के लिये पुलिस टीम द्वारा अभियुक्तों को किशोरपुर पुलिया पर लाया गया जहां टिंकू द्वारा छुपा हुआ तमंचा उठाकर पुलिस पार्टी पर फायर कर दिया। जिसमें पुलिस पार्टी द्वारा जवाबी कार्यवाही की गयी एवं टिंकू के पैर में गोली लगने के कारण वह घायल हो गया।

दोनों अभियुक्तगणों से पुलिस ने दो तमंचे मय तीन कारतूस जिन्दा व एक कारतूस खोका बरामद किया है।

उपरोक्त अभियुक्तगणों द्वारा 26 मई 2022 को जेवर थाना क्षेत्रान्तर्गत कलेक्शन ऐंजट से 3 लाख 42 हजार 777 रुपये लूट लिए थे।पुलिस अधिकारियों ने घटना के शीघ्र खुलासे के लिए तीन टीमों का गठन किया गया।

टीम के द्वारा घटना के आने और जाने वाले रास्तों की सीसीटीवी फुटेज का गहनता से निरीक्षण किया गया।

पुलिस टीम ने जेवर से लेकर तिगांव थाना हरियाणा तक के बीच की सभी सीसीटीवी फुटेज का निरीक्षण कर अभियुक्तों की पहचान कर ली। डीसीपी ग्रेटर नोएडा द्वारा घटना का सफल अनावरण करने वाली पुलिस टीम के उत्साहवर्धन हेतू 25000 रुपए के इनाम देने की घोषणा की है।

अभियुक्तगण शातिर किस्म के अपराधी हैं।

जिनके विरुद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

संपादकीय

कौन बनना चाहता आईएएस अफसर

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के साल 2021 के नतीजों के आने के बाद सफल कैंडिडेंट्स के मीडिया में इंटरव्यू लिए जा रहे हैं। बेशक, सफल कैंडिडेंट प्रसन्न हैं। अब उनके सामने असली चुनौती देश के चोटी के बाबू के रूप में देश की सेवा करने की होगी। पर यूपीएससी की परीक्षा के परिणामों का गहराई से अध्ययन करने की जरूरत है। ये जानना दिलचस्प होगा कि यूपीएससी की परीक्षा में कौन बैठ रहे हैं और सफल हो रहे हैं। इससे बहुत सारी चीजें शीशे की तरह से साफ होकर हमारे सामने आ जाएंगी। आप जरा सफल कैंडिडेटस के नामों पर गौर करें। आपको उन नामों को पढ़कर लगेगा कि मानो सारे होनहार नौजवान बिहार और हिन्दी भाषी राज्यों से ही हैं। सफल होने वाले कैंडिडेट्स में दक्षिण भारत के राज्यों जैसे तमिलनाडू, केरल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश के रहने वालों की संख्या बेहद कम है। कमोबेश ये ही स्थिति महाराष्ट्र तथा गुजरात के संबंध में भी कही जा सकती है। हालांकि देश के आजाद होने के शुरूआती सालों के बाद दक्षिण भारत से खासी संख्या में नौजवान यूपीएससी की परीक्षा को पास करके भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस), भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) तथा भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) में शामिल होते थे। भारत के मौजूदा विदेश मंत्री एस. जयशंकर के पिता के. सुब्रमण्यम भी उन दक्षिण भारतीय आईएएस अफसरों में से थे। लेकिन, इधर बीते लगभग दो दशकों से देखनें आ में आ रहा है कि दक्षिण भारत के नौजवानों की यूपीएससी की परीक्षा को लेकर रुचि घटती जा रही है। इसकी क्या वजह हो सकती है? गंभीरता से अध्ययन करने में लगता ये है कि भारत में आई टी सेक्टर के उदय के बाद इस क्षेत्र में जितनी बेहतर नौकरियों के अवसर पैदा हो रहे हैं उसके चलते दक्षिण भारत के युवा ने अपना रास्ता बदल लिया है। वे आईटी सेक्टर में बड़े स्तर पर किस्मत आजमाने लगे हैं। आईटी में उन्हें सरकारी नौकरी की अपेक्षा कहीं अधिक बेहतर सैलरी मिलती है। उनके पास अपना कामकाज शुरू करने के भी मौके रहते हैं। ये सारा देश जानता है कि भारत में बैंगलुरू, हैदराबाद और कुछ हद तक चेन्नई आईटी हब के रूप में उभरे हैं। इधर लाखों नौजवान विभिन्न आई टी कंपनियों में काम करके शानदार सैलरी कमा रहे हैं। फिर सरकारी दफ्तरों के विपरीत प्राइवेट सेक्टर की नौकरियों में काम का माहौल बेहतर रहता है। इनमें सरकारी दफ्तरों की तरह सामंती वातावरण भी नहीं रहता। रोज की चिक-चिक से भी इंसान का पाला नहीं पड़ता। सरकारी दफ्तरों में बॉस अपने जूनियर साथियों के साथ जिस तरह से पेश आते हैं, वह भी प्राइवेट नौकरियों में नहीं होता।

दरअसल देश के बहुत से सूबों के युवाओं के अब नायक बिल गेट्स की कंपनी माइक्रोसाफ्ट के सीईओ सत्या नडेला तथा गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई जैसे सफल पेशेवर हैं। ये मिडिल क्लास परिवारों से थे। अब ये और इनके जैसे अनेक भारतीय नौजवान अमेरिका या भारत में ही आई टी कंपनियों में काम करके या उद्यमी बनकर हर साल करोड़ों रुपए कमा रहे हैं। ये लाखों नौजवानों को जॉब भी दे रहे हैं। यूपीएससी की परीक्षा से तमिलनाडू के युवा भी दूर हो रहे हैं। वे होंगे ही। अब उन्हें अपने राज्य में ही श्रेष्ठ नौकरियों उपलब्ध हैं। किसे नहीं पता कि तमिलनाडू निर्विवाद रूप से भारत के आटो सेक्टर की एक बड़ी शक्ति के रूप में उभरा है। तमिलनाडू के श्रीपेरुमदूर में अनेक आटो कंपनियां पहुंच चुकी हैं। ये जगह चेन्नई से 50 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। इधर सबसे पहले साउथ कोरिया की हुंडुई ने अपनी कार का उत्पादन करने वाली इकाई स्थापित की। उसके चलते यहां पर 50 छोटी आटो पार्ट बनाने वाली इकाइयां भी आ गईं। हुंदुई के 1996 में इधर आने से इस छोटे से शहर किस्मत ही बदल गई। देशभर से इधर नौकरी करने के लिए पेशेवर आने लगे। हुंडुई ने इधर 5000 हजार करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है। इसके बाद यहां पर फ्रांस की ग्लास मैन्यूफैक्चरिंग कंपनी सेंट-गोबिन ने दस्तक दी करीब 600 करोड़ रुपये के निवेश के साथ। इसने आगे चलकर 800 करोड़ रुपये का और निवेश किया। यहां ही 2005 में नोकिया ने सेलफोन बनाने चालू किए।

मोहन भागवत की बोध-दृष्टि में ज्ञानवापी

ललित गर्ग

किसी भी देश की माटी को प्रणम्य बनाने, राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ बनाने एवं कालखंड को अमरता प्रदान करने में राष्ट्रनायकों की अहंभूमिका होती है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघ चालक होते हुए भी मोहन भागवत ने भारत की वसुधैव कुटुम्बकम् एवं सर्वधर्म समभाव की संस्कृति एवं सिद्धान्तों को निरन्तर बल दिया है। संघ की जीवन-दृष्टि व्यापक एवं सर्वसमावेशक रही है। इसी दृष्टि-बोध का सन्देश है भागवत द्वारा ज्ञानवापी के सन्दर्भ में दिया गया बयान। श्री भागवत ने स्पष्ट करते हुए कहा है कि काशी के ज्ञानवापी क्षेत्र के मुद्दे पर कोई नया आन्दोलन चलाने का संघ का कोई इरादा नहीं है और यह मसला अदालत के समक्ष रखे गये साक्ष्यों के आधार पर ही सुलझना चाहिए, जिसे हिन्दू व मुसलमान दोनों ही पक्षों को मानना चाहिए और सामाजिक सौहार्दता बनाये रखने में योगदान करना चाहिए-यह पूरी तरह ऐसा राष्ट्रवादी बयान है जिससे हर उदारवादी धर्मनिरपेक्षता के पक्षकार भी सहमत होंगे।

इनदिनों भारत के मन्दिरों-मस्जिदों को लेकर देश में साम्प्रदायिकता फैलाने की कोशिशें हो रही है। भागवत ने व्यापक राष्ट्रीय हितों के सन्दर्भ में एक सवाल किया है कि हर मन्दिर में शिवलिंग क्यों ढूंढना? उन्होंने स्पष्ट किया है कि भारत में इस्लाम आक्रान्ताओं के माध्यम से आया। आक्रान्ताओं ने हिन्दू मन्दिरों का विध्वंस किया जिससे इस देश पर उनके हमलों से निजात पाने वाले हिन्दुओं का मनोबल गिर सके। ऐसे देशभर में हजारों मन्दिर हैं। अत: भारत में आज ऐसे मन्दिरों की अस्मिता पुन: स्थापित करने की बात हो रही है जिनकी लोगों के हृदय में विशेष हिन्दू प्रतिष्ठा या मान्यता है। हिन्दू मुसलमानों के खिलाफ नहीं हैं। मुसलमानों के पुरखे भी हिन्दू ही थे। मगर रोज एक नया मन्दिर-मस्जिद का मामला निकालना भी अनुचित है। हमें झगड़ा क्यों बढ़ाना। ज्ञानवापी के मामले हमारी श्रद्धा परंपरा से चलती आयी है। हम यह निभाते चले आ रहे हैं, वह ठीक है।

भागवत द्वारा ज्ञानवापी के लिये दिया गया ताजा वक्तव्य बेहद महत्वपूर्ण, राष्ट्र के प्रति दायित्वबोध जगाने एवं राष्ट्र-बोध से प्रेरित है। उनका कहना है कि इस तरह के विवादों को आपसी सहमति से हल किया जाना चाहिए और यदि अदालत गए हैं, तो फिर जो भी फैसला आए, उसे सभी को स्वीकार करना चाहिए। वास्तव में इस तरह के विवादों को हल करने का यही तार्किक एवं न्यायसगंत रास्ता है और इसी रास्ते पर चलकर शांति-सद्भाव के वातावरण को बल देते हुए राष्ट्रीय-एकता को मजबूती प्रदान की जा सकती है।

मोहन भागवत ने यह भी स्पष्ट किया कि अब आरएसएस किसी मंदिर के लिए वैसा कोई आंदोलन नहीं करने वाला, जैसा उसने अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर को लेकर किया था। उनका यह कथन इसलिए उल्लेखनीय है, क्योंकि इन दिनों काशी

के ज्ञानवापी परिसर के साथ मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मस्थान परिसर का मसला भी सतह पर है और दिल्ली की कुव्वत उल इस्लाम मस्जिद का भी, जहां के शिलालेख पर ही यह लिखा है कि इसे अनेक हिंदू और जैन मंदिरों को तोड़कर बनाया गया। अतीत में साम्प्रदायिक उन्माद में उन्मत्त शासकों एवं संकीर्ण-कट्टरवादी ताकतों ने हिन्दू संस्कृति को कुचलने के अनेक सफल प्रयत्न किये। जबकि भारत की संस्कृति ऐसी संकीर्ण एवं साम्प्रदायिक सोच से परे सर्वधर्म समभाव की रही है। जिसमें व्यक्ति अपने-अपने मजहब की उपासना में विश्वास करें, कोई बुराई नहीं थी। लेकिन आज जहां एक सम्प्रदाय के लोग दूसरे सम्प्रदाय के प्रति द्वेष और घृणा का प्रचार करते हैं, वहां देश की मिट्टी कलंकित होती है, राष्ट्र शक्तिहीन होता है तथा व्यक्ति का मन अपवित्र बनता है।

साम्प्रदायिक उन्माद को बढ़ाने में असामाजिक, कट्टरवादी एवं संकीर्ण तत्वों का तो हाथ रहता ही है, कहीं-कहीं तथाकथित राजनैतिक दल एवं धर्मगुरु भी इस आग में ईंधन डाल देते हैं। लेकिन संघ ने हमेशा उदारता का परिचय दिया है। संघ प्रमुख के बयान से स्पष्ट है कि भारत हिन्दू व मुसलमानों दोनों का ही है मगर दोनों को एक-दूसरे की उन भावनाओं का आदर करना चाहिए जिनसे उनकी अस्मिता परिलक्षित होती है। काशी विश्व की प्राचीनतम नगरी मानी जाती है और इस देश के हिन्दुओं का मानना है कि इसकी रचना स्वयं भोले शंकर ने की है तो मुसलमानों को भी आगे आकर अपनी हट छोड़नी चाहिए और स्वीकार करना चाहिए कि हिन्दुओं के लिए काशी का वही स्थान है जो मुसलमानों के लिए काबे का। क्योंकि सनातन धर्म इसी देश में अनादिकाल से चल रहा है तो भारत के कण-कण में इस धर्म के चिन्ह बिछे हुए हैं जो बहुत स्वाभाविक हैं। निश्चित तौर पर हिन्दू धर्म शास्त्रों की रचना इसी देश में हुई है जिनमें विभिन्न विशिष्ट स्थानों का वर्णन है और उन्हीं को मिलाकर भारत देश का निर्माण हुआ है। अत: संघ प्रमुख की बातों को पूरा देश मनन करे, वैचारिक वैषम्य में समन्वय स्थापित करें और देश के संविधान पर पूरा भरोसा रखे।

संघ प्रमुख श्री भागवत ने नागपुर में संघ के विशिष्ट पदाधिकारी सम्मेलन में दिये गये अपने उद्बोधन में साफ किया कि मुस्लिम भी इसी देश के हैं और उनके पुरखे भी हिन्दू ही रहे हैं। उन्होंने किसी कारणवश इस्लाम धर्म स्वीकार कर पृथक पूजा पद्धति अपनाई। अत: उनसे किसी भी प्रकार का द्वेष उचित नहीं है। श्री भागवत ने इसके साथ ही एक अत्यन्त महत्वपूर्ण सन्देश देते हुए समस्त हिन्दू समाज को सचेत भी किया कि वह हर मस्जिद में शंकर या शिवलिंग ढूंढ़ने की बात न करें। वास्तविकता तो यही रहेगी कि मुस्लिम आक्रान्ता राजाओं ने अपनी सत्ता की साख जमाने के लिए मन्दिरों पर आक्रमण किये और उनमें विध्वंस भी किया।

अतीत की भूलों से वर्तमान को दूषित करना प्रासंगिक नहीं है। हिंदू धर्म तो उदारवादी रहा है, वास्तविक तो यह है कि हिंदू एक जीवन शैली है, जिसमें सभी पूजा-पद्धतियों को स्थान दिया है। यही कारण है कि भारतीयों घरों में आपको ऐसे अनगिनत परिवार मिल जाएंगे, जिनके कुछ सदस्य आर्यसमाजी, कुछ सनातनी, कुछ जैनी, कुछ राधास्वामी, कुछ रामसनेही और कुछ कृष्णभक्त होंगे। ऐसे भी उदाहरण देखने को मिलते है कि जैनी एवं हिन्दू परिवारों में सिख, ईसाई, इस्लाम मानने लोग सांझा आस्था एवं श्रद्धा से रहते हैं।

वे सब अपने-अपने पंथ को श्रद्धापूर्वक मानते हैं लेकिन उनके बीच कोई झगड़ा नहीं होता। आज ऐसे ही इंसान को इंसान से जोड़ने वाले तत्व चाहिए। लेकिन किन्हीं लोगों की नादानी एवं कट्टरवादी सोच से हिन्दू-मुस्लिम लड़ते हुए देखने को मिलते हैं, तो पूरा कश्मीर ऐसी ही संकीर्णता की आग में झूलस रहा होता है। कभी पश्चिम बंगाल तो कभी राजस्थान में भी ऐसे दृश्य अस्थिरता एवं अशांति का कारण बनता है। पडौसी देश इसका फायदा उठाते हैं। आज जरूरत इंसानों को आपस में जोड़ने की है, उन्हें जोड़ने के लिये प्रेम चाहिए, करूणा चाहिए, एक-दूसरे को समझने की वृत्ति चाहिए। ये मानवीय गुण आज तिरोहित हो गये हैं और इसी से आदमी आदमी के बीच चौड़ी खाई पैदा हो गयी है, भारत की सांझा संस्कृति ध्वस्त हो गयी है।

संभव है कि कुछ हिंदू संगठन भागवत के विचारों से असहमत हो सकते हैं, लेकिन उन्हें विदेशी हमलावरों की ओर से तोड़े गए हर मंदिर की वापसी के लिए बिना किसी ठोस दावे के मुहिम चलाना एवं देश की एकता और अखण्डता को खण्डित करना ठीक नहीं है। इसके बजाय उन्हें कानून का सहारा लेना चाहिए। इसी के साथ किसी को यह अपेक्षा भी नहीं करनी चाहिए कि हिंदू समाज ज्ञानवापी और मथुरा जैसे अपने प्रमुख मंदिरों के ध्वंस को सहजता से भूल जाए, क्योंकि यहां खुली-नग्न आंखों से यह दिखता है कि इन मंदिरों को तोड़कर वहां मस्जिदों का निर्माण किया गया। इस कटू सच से मुस्लिम समाज भी परिचित है और उसे उससे मुंह नहीं मोड़ना चाहिए। इसलिए तो काशी की ज्ञानवापी मस्जिद हो या मथुरा की शाही ईदगाह, ये हिंदू समाज को मूर्तिभंजक आक्रांताओं की बर्बरता की याद दिलाते हैं। यह देखना दुखद है कि कुछ मुस्लिम नेता उस औरंगजेब का गुणगान करने में लगे हुए हैं, जिसने काशी के ज्ञानवापी में भी कहर ढाया और मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मस्थान मंदिर में भी।

अतीत की भूलों को सुधारने का रास्ता संघर्ष एवं सड़कों पर हिंसा, अराजकता, नफरत, द्वेष एवं अशांति की बजाय कानून के द्वारा विधिसम्मत निकाला जाना चाहिए, यही देश की एकता एवं शांति के लिये उचित होगा।

जमीयत ए उलमा का अधिवेशन, इस तरह की भाषा डर पैदा करती है

अवधेश कुमार

सामान्यत: जमीयत ए उलेमा ए हिंद या ऐसे संगठनों की बैठकों या सम्मेलनों पर राष्ट्रीय मीडिया की नजर नहीं रहती। छोटी सी खबर आ जाती है। किंतु देवबंद में जमीयत का 2 दिनों का सम्मेलन राष्ट्रीय सुर्खियां पाया तो इसके कारण हैं। वाराणसी से लेकर मथुरा, आगरा, दिल्ली तक ज्ञानवापी, ईदगाह मस्जिद, ताजमहल और कुतुबमीनार होते हुए मध्यप्रदेश से कर्नाटक तक के विवाद जिस स्थिति में आ गया है उसमें सबकी रुचि यह जानने में है कि जमीयत सहित मुस्लिम संगठन या देवबंद जैसे महत्वपूर्ण शिक्षा केंद्र की राय क्या है। जब से ये मामले उठे हैं तबसे भारत के ज्यादातर मुस्लिम नेताओं, मुल्ला ,मौलवी, उलेमाओं, शिक्षाविदों, एक्टिविस्टों आदि ने आम मुसलमानों के अंदर अनेक प्रकार के डर पैदा करने वाले बयान दिए हैं। दुर्भाग्य से वे सारे बयान अतिवादी हैं। उन बयानों में सच्चाई के अंश नहीं है। सारे मामले न्यायालयों में चल रहे हैं। भारत में कानून का राज है। कोई सरकार चाहे भी तो किसी स्थल का धार्मिक स्वरूप यूं ही नहीं बदल सकती। कुछ लोग उसे बदलने की कोशिश करेंगे तो उन पर अपराध का मुकदमा दर्ज होगा। क्या देश का कोई भी विवेकशील व्यक्ति ईमानदारी से स्वीकार करेगा कि आज दिखने वाला कोई मस्जिद या इस्लामी का कही जाने वाली संरचना बिना न्यायालय के आदेश से मंदिर या हिंदू संरचना में बदली जा सकती है? कतई नहीं। निश्चित रूप से संपूर्ण भारत और और बाहर के भी हिंदू समाज की चाहत है कि उनके जो भी स्थल मध्यकाल में ध्वस्त कर इस्लामी संरचना में परिणत किए गए वे सारे फिर से मंदिर या हिंदू स्थल में बदले जाएं। किंतु इसके लिए बलपूर्वक उनको तोडोऐसेआ सोचने वाले अत्यंत कम होंगे और जो होंगे उनको समर्थन भी न के बराबर मिलेगा। हां, अगर मुस्लिम नेताओं की ओर से बार-बार आक्रामक बयान दिए जाएंगे तब इसकी प्रतिक्रिया आक्रामक मानसिकता के रूप में आएगी।

इसलिए आज के समय में सबसे पहली जरूरत भाषणों सहित अपने सभी प्रकार के वक्तव्यों में संयमित और शालीन रहने की है। ओवैसी से लेकर शफीक उर रहमान वर्क, माजिद मेनन औरना जाने ऐसे कितने नाम है जिनको लगता ही नहीं कि बोलने में उनको किसी प्रकार के का संयम रखना है। मुसलमानों में महमूद मदनी अन्य नेताओं से थोड़ा संतुलित माने जाते रहे हैं। किंतु जमीयत ए उलेमा हिंद के कार्यक्रम में उन्होंने जिस तरह के भाषण दिए उससे पता चलता है कि मुस्लिम समुदाय में मजहबी, बौद्धिक और राजनीतिक नेतृत्व की सोच किस दिशा में जा रही हैं। क्या देश में मुसलमानों का सड़कों पर चलना कठिन हो गया है? जमीयत ए उलेमा हिंद के नेता इस तरह का बयान देते हैं तो इसे क्या कहा जाएगा? क्या आम मुसलमानों से इस देश में नफरत का भाव हिंदू या अन्य समुदाय के लोग रखते हैं? आखिर इस तरह का विवादित बयान देने वाले को हम क्या कहेंगे? देश के प्रति इनकी कोई जिम्मेदारी है या नहीं? जो प्रस्ताव पारित किए गए वे भी चिंताजनक है। उदाहरण के लिए एक प्रस्ताव में कहा गया कि बनारस और मथुरा की निचली अदालतों के आदेश से विभाजनकारी सियासत को मदद मिली है। पूजा स्थल विशेष प्रावधान कानून 1991 की स्पष्ट अवहेलना हुई है। संसद से यह तय हो चुका है कि 15 अगस्त, 1947 को जिस इबादतगाह की जो हैसियत थी वह उसी तरह बरकरार रहेगी। निचली अदालतों ने बाबरी मस्जिद के संबंध में सर्वोच्च न्यायालय के फैसले की भी अनदेखी की है।

एक और ये लोग कहते रहे हैं कि अदालतों पर उनका विश्वास है और दूसरी और अदालत को ही किसी का पक्षकार बना देने का यह प्रस्ताव! वाकई खतरनाक है। इन सबको पता है कि उच्चतम न्यायालय द्वारा ज्ञानवापी में सर्वे या सील करने आदि के आदेश को गलत नहीं कहा गया। पूजा स्थल कानून, 1991 के बारे में भी उच्चतम न्यायालय ने कह दिया कि यह किसी स्थल के धार्मिक स्वरूप की पहचान करने का निषेध नहीं करता है।

आईआईटी गाँधीनगर को मिला सुपरकम्प्यूटर 'परम अनंत'

राष्ट्रीय सुपरकम्प्यूटिंग मिशन के दूसरे चरण के अंतर्गत 'परम अनंत' सुपरकम्प्यूटर सुविधा की स्थापना आईआईटी गाँधीनगर में की गई है। यह मिशन इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की संयुक्त पहल है। एक सेकेंड में 838 लाख करोड़ गणना करने में सक्षम सुपरकम्प्यूटर 'परम अनंत' को सरकार ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर में स्थापित किया है। स्वदेश में विकसित 'परम अनंत' सुपरकम्प्यूटर 838 टेराफ्लॉप्स की क्षमता से लैस है। 'परम अनंत' सोमवार को राष्ट्र को समर्पित किया गया है। राष्ट्रीय सुपरकम्प्यूटिंग मिशन (एनएसएम) के दूसरे चरण के अंतर्गत 'परम अनंत' सुपरकम्प्यूटर सुविधा की स्थापना आईआईटी गाँधीनगर में की गई है। यह मिशन इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की संयुक्त पहल है। इस प्रणाली को बनाने के लिए प्रयुक्त अधिकांश उपकरणों का विनिर्माण और असेंबलिंग 'मेक इन इंडिया' पहल के अंतर्गत किया गया है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा जारी वक्तव्य में बताया गया है कि इस सुपरकम्प्यूटर में एडवांस कम्प्यूटिंग डेवलपमेंट सेंटर (सी-डैक) द्वारा विकसित स्वदेशी सॉफ्टवेयर स्टैक का उपयोग किया गया है। 'परम अनंत' सुपरकम्प्यूटिंग सुविधा संस्थान में विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिये आईआईटी गाँधीनगर के लिये काफी फायदेमंद होगा। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय में समूह समन्वयक और वैज्ञानिक सुनीता वर्मा ने कहा कि 'परम अनंत' की 60 प्रतिशत क्षमता का उपयोग आईआईटी गाँधीनगर में किया जाएगा, और इसकी शेष क्षमता विभिन्न अनुसंधान कार्यों के लिए शैक्षणिक संस्थानों के उपयोग हेतु उपलब्ध होगी।

पृथ्वी के अस्तित्व का आधार है पर्यावरण

डॉ. शंकर सुवन सिंह

विकास और आधुनिकता की दौड़ में पर्यावरण को नुकसान पहुँचाना ठीक नहीं है। हम प्रकृति से दूर जा रहे हैं। झरना, नदी, झील और जंगल देखने के लिए हमें बहुत दूर जाना पड़ता है। पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने का खामियाजा हम समय-समय पर भुगत भी रहे हैं। प्रकृति व मानव एक दूसरे के पूरक हैं। प्रकृति के बिना मानव की परिकल्पना नहीं की जा सकती। प्रकृति दो शब्दों से मिलकर बनी है- प्र और कृति। प्र अर्थात प्रकृष्टि (श्रेष्ठ/उत्तम) और कृति का अर्थ है रचना। ईश्वर की श्रेष्ठ रचना अर्थात सृष्टि। प्रकृति से सृष्टि का बोध होता है। प्रकृति अर्थात वह मूलत्व जिसका परिणाम जगत है। कहने का तात्पर्य प्रकृति के द्वारा ही समूचे ब्रह्माण्ड की रचना की गई है। प्रकृति दो प्रकार की होती है- प्राकृतिक प्रकृति और मानव प्रकृति। प्राकृतिक प्रकृति में पांच तत्व- पृथ्वी, जल, अग्नि,वायु और आकाश शामिल हैं। मानव प्रकृति में मन, बुद्धि और अहंकार शामिल हैं। प्रकृति और मनुष्य के बीच बहुत गहरा संबंध है। मनुष्य के लिए प्रकृति से अच्छा गुरु नहीं है। पृथ्वी मां स्वरुप है। प्रकृति जीवन स्वरुप है। पृथ्वी जननी है। प्रकृति पोषक है। पृथ्वी का पोषण प्रकृति ही पूरा करती है। जिस प्रकार माँ के आँचल में जीव जंतुओं का जीवन पनपता या बढ़ता है तो वहीँ प्रकृति के सानिध्य में जीवन का विकास करना सरल हो जाता है। पृथ्वी जीव जंतुओं के विकास का मूल तत्व है। प्रकृति के बिना मनुष्य का जीवन संभव नहीं है।

विकास और आधुनिकता की दौड़ में पर्यावरण को नुकसान पहुँचाना ठीक नहीं है। हम प्रकृति से दूर जा रहे हैं। झरना ,नदी, झील और जंगल देखने के लिए हमें बहुत दूर जाना पड़ता है। पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने का खामियाजा हम समय-समय पर भुगत भी रहे हैं। कभी बाढ़ आ जाती है तो कभी बादल फटते हैं। कहीं धरती में पानी सूख रहा है तो कहीं की जमीन आग उगल रही है। ये सब क्लाइमेट चेंज की वजह से ही हो रहा है। पेडों के कटने से हवा इतनी दूषित हो गई है कि शहरों में सांस लेना भी मुश्किल हो गया है। ग्लोबल वार्मिंग से गर्मी अपनी चरम सीमा पर है। अत्यधिक गर्मी का पड़ना डायरिया, ब्रेन स्ट्रोक आदि बीमारियों का कारण बनता है। शहरों की लाइफ तो पर्यावरण और प्रकृति से बहुत दूर हो गई है। यहां रहने वाले लोगों को ऐसी बीमारियां हो रही हैं जो पहले न कभी सुनी और न कभी लोगों ने देखी। इन सबकी वजह कहीं न कहीं हमारी खराब होती दैनिक दिनचर्या भी है।

विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर पूरी दुनिया में पर्यावरण को बचाने के लिए जागरुकता अभियान चलाया जाता है। इसीलिए हर साल 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। इस साल विश्व पर्यावरण दिवस 2022 की थीम है- ओनली वन अर्थ यानी केवल एक पृथ्वी रखी गई है। जिसका मतलब है कि प्रकृति के साथ सदभाव में रहना जरुरी है। जलवायु किसी स्थान के वातावरण की दशा को व्यक्त करने के लिये प्रयोग किया जाता है। यह शब्द मौसम के काफी करीब है। जलवायु और मौसम में कुछ अन्तर है। जलवायु बड़े भूखंडो के लिये बड़े कालखंड के लिये ही प्रयुक्त होता है जबकि मौसम अपेक्षाकृत छोटे कालखंड के लिये छोटे स्थान के लिये प्रयुक्त होता है। पूर्व में पृथ्वी के तापमान के बारे में अनुमान बताते हैं कि यह या तो बहुत अधिक था या फिर बहुत कम। मुख्य रूप से,सूर्य से प्राप्त ऊर्जा तथा उसका हास् के बीच का संतुलन ही हमारे पृथ्वी की जलवायु का निर्धारण और तापमान संतुलन निर्धारित करती हैं। यह ऊर्जा हवाओं, समुद्र धाराओं और अन्य तंत्र द्वारा विश्व भर में वितरित हो जाती हैं तथा अलग-अलग क्षेत्रों की जलवायु को प्रभावित करती है। जलवायु पर्यावरण को नियंत्रित करने वाला प्रमुख कारक है। क्योंकि जलवायु से प्राकृतिक वनस्पति,मिट्टी,जलराशि तथा जीव जन्तु प्रभावित होते हैं।

सिर्फ पौधरोपण,बिगड़ते पर्यावरण के दंश समाधान नहीं

पुखराज प्राज

पर्यावरण संतुलन और संरक्षण के विषय में संदर्भित करने वाले बुद्धिजीवी वर्ग में वैशिष्ट्यपूर्ण तर्क होता है कि, पर्यावरण को संतुलन के लिए एक पेड़ लगाकर वर्तमान के आज को संरक्षित मानने की भूलकर रहे हैं। जबकि प्रकृति के विभिन्न फलकों में उसकी क्षरण की उद्देशिका हमारे आने वाले कल की विभीषिका के रूप में परिभाषित होगी। ऐसा तो बिलकुल नहीं है की प्रकृति के असंतुलन की स्थिति में केवल संकट मानव जाति पर हो, अपितु संपूर्ण निकाय पर इसका प्रतिकूल असर पड़ेगा। लेकिन क्या उस महाप्रलय के दौर के पश्चात् जीवन खत्म हो जायेगा? यह एक बड़ा प्रश्न है। इस प्रश्न का जवाब भी प्रकृति के गर्भ में है।

होमोसेपियंस यानी मानवों के जन्म के पूर्व भी इस धरती पर जीवन रहा है। वे जीव डायनासोर कहलाते थे और उनके विलुप्त होने के मुख्य कारणों को जानने के लिए वैज्ञानिकों ने वैश्विक तौर पर 52 स्थानों में भूगर्भिक परत के नमूनों पर शोध किया है। वैज्ञानिकों के इस दल का कहना है कि चट्टानों में सल्फर की अल्पता का पता चला है। जबकि चूना पत्थर के आसपास के क्षेत्रों में इसकी मौजूदगी अधिक रही होगी। ज्ञातव्य है की इसी कारण वैश्विक स्तर पर ठंडे मौसम और तेजाब जैसी बारिश होने के कारण पृथ्वी पर रहने वाले डायनासोर समेत अन्य जीवों को काल विलुप्त हो गया। एक प्रकार से एक बड़े शीतकाल ने जीवन को लगभग नष्ट कर दिया।

जनवरी 2022 के कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के एक नए अध्ययन से पता चलता है कि जीवाश्म संभवत- 2 लाख 30 हजार साल पहले हुए क्षेत्र में बड़े पैमाने पर ज्वालामुखी विस्फोट से पहले के हैं। शोधकर्ताओं की टीम ने ज्वालामुखीय राख की परतों पर रासायनिक उंगलियों के निशान की उम्र का पता लगाया है, जो तलछट के ऊपर और नीचे मौजूद हैं। यहीं पहली बार जीवाश्मों की खोज की गई थी। वहीं पुरातत्वविदों ने वर्ष 2017 में विश्व के पहले अतीत के होमो सेपियन्स जीवाश्म की खोज की घोषणा की थी। यह अफ्रिका के मोरक्को के जेबेल इरहौद में 3लाख साल पुरानी खोपड़ी थी।

चार्ल्स डार्विन की ओरिजिन ऑव स्पीशीज़ नामक अपनी पुस्तक से मानवों के जन्म के रहस्य को दैवीय शक्ति से जोड़ते थे। उनकी संख्या, रूप और आकृति सदा से ही निश्चित रही है। परंतु सन् 1859 में उक्त पुस्तक के प्रकाशन के पश्चात् विकासवाद ने इस धारणा का स्थान ग्रहण कर लिया और फिर अन्य जंतुओं की भाँति मनुष्य के लिये भी यह प्रश्न साधारणतया पूछा जाने लगा कि उसका विकास कब और किस जंतु अथवा जंतु समूह से हुआ।

अंतत: कह सकते हैं की मनुष्य का जन्म एवं विकास प्रकृति की संरक्षण में हुआ। लेकिन मनुष्य अपनी जिज्ञासा और लगातार बढ़ते विकास क्रम के स्वर्णिम स्तरों में बौद्धिक और शारीरिक रूप से सबल बना। और उसने प्रकृति से अपने आप को पृथक्करण कर प्रकृति का उपभोग करने जैसी बड़ी भूल कर दी।

उपभोक्तावादी विचारधारा से लबरेज़ इंसान प्रकृति के जल, वायु, भूमि, गगन के चहुंमुखी ओर से दोहन प्रारंभ कर दिया है। वर्तमान स्थिति यह है की पृथ्वी में यह होने वाला परिवर्तन प्राकृतिक संसाधनों के दृष्टिकोण से प्रतिकूलता की जननी है। जिसका फलित परिणाम विनाश है। पारिस्थितिक तंत्र लगातार बदल रहे हैं और प्रजातियां हमेशा गायब हो रही हैं। क्योंकि, पर्यावरणीय परिस्थितियां बदलती हैं और वे अब जीवित रहने में सक्षम नहीं हैं।

यह एक प्राकृतिक प्रक्रिया है, लेकिन यह लंबे समय तक होता है। जिससे नई प्रजातियों को विकसित होने और पारिस्थितिक तंत्र को कार्यशील रखने की अनुमति मिलती है। वर्तमान समय में प्रकृति के समस्त स्थल जैसे- वायु, जल, स्थल, समुद्र से लेकर पृथ्वी का गर्भ भी मानवीय अतिक्रमण का शिकार हो रही हैं।

यही अतिक्रमण प्रकृति के प्रतिकूल स्थितियों की जननी है। आज से 10 वर्ष पूर्व पाये जाने वाले जीवों की अवस्थिति पृथ्वी पर या तो अल्पता ग्राही है या फिर विलुप्त हो चुकी है। जो वर्तमान के साथ-साथ हम मानवों के भावी पीढ़ियों के लिए खतरे का संकेत है। समय रहते यदि हमने पर्यावरण का दोहन बंद नहीं किया तो निश्चित है की हम भी डायनासोर काल की तरह अतीत बन ही जायेंगे।

ऐसा नहीं है की प्रयास नहीं हो रहे हैं। वर्तमान समय में कुछ गिने चुने नाम है जो जल, जंगल और जमीन की लड़ाई में वास्तविक सिपाही को रूप में लगे हैं। कुछ वैज्ञानिक खोजों के आधार पर, कुछ सार्वजनिक प्रयासों के आधार पर पर्यावरण के संरक्षण में लगे हुए हैं। वहीं पर्यावरण संरक्षण के संदर्भ में एक उदाहरण बड़ा हास्यास्पद लगता है, वह है प्रकृति के संरक्षण को सिर्फ पौधरोपण के इर्द गिर्द समस्या का हल तलाश करने वाली मानसिकता की, जो वास्तव में फोटो- सेशन तक तो प्रकृति के सुकुमार नजर आते है। लेकिन लाइट, कैमरा और एक्शन की स्थिति जैसे पैकअप की ओर बढ़ती है। वैसे ही अपने वाहनों में बैठ कर वायु प्रदूषण करते घर को निकलते देखा ही जा सकता है। वास्तविक रुप में प्रकृति के संरक्षण के पूर्व हमें प्राकृतिक संसाधनों के दोहन को कम करने की आवश्यकता है। ऐसा तो बिलकुल भी नहीं है की हम पूर्ण दोहन रोक सकें, लेकिन इस विषयक हम अल्पता ला सकते हैं। लोगों के इसे प्रति जागरूकता भी लाया जा सकता है। 20वीं शताब्दी के मनीषी महात्मा गांधी जी कहते हैं, %प्रकृति के पास करोड़ों लोगों को खिलाने के लिए अकूत भण्डार है किन्तु एक भी व्यक्ति की तृष्णा मिटाने की सामर्थ्य उसमें नहीं है।% लेकिन हमें हमारी स्थिति और उपभोक्ता की सीमा निर्धारित करना अनिवार्य शर्तों में से एक हैं। कुछ लोगों में यह भी धारणा है की पर्यावरण प्रदूषण का असर केवल शहरों तक सीमित है। जो स्वीकार्य नहीं है।

वास्तव में प्रकृति के असंतुलन का असर पृथ्वी को प्रत्येक निकाय तक हो रहा है। उत्पादकता बढ़ाने के फिराक में रासायनिक खाद का प्रयोग मृदा को मरुस्थल कर देगी। लेकिन लोग आज भी वर्मी खाद के उपयोग पर विचारशील कम हैं। प्रकृति के संरक्षण के लिए हम सभी को अटल प्रतिज्ञा की आवश्यकता है की हम केवल उतना ही उपभोग करेंगे जो आवश्यक हो। अन्यथा, अतिक्रमण के नीतियों से पूरी पृथ्वी... !! मानव जाति से रहित होते देर कहाँ है।

शार्ट न्यूज

लखनऊ में बढ़ा कोरोना, 30 लोग चपेट में आए, अब रोज होंगी 7 हजार जांचें

लखनऊ। कोरोना से मुकाबले के लिए स्वास्थ्य विभाग ने तैयारियां तेज कर दी है। मरीजों की संख्या बढ़ने के साथ ही जांच का अभियान भी तेज कर दिया है। स्वास्थ्य विभाग ने रोजाना छह से सात हजार जांच करने का फैसला किया है। 30 लोग कोरोनावायरस की चपेट में आ गए है। कोरोना संक्रमितों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। स्वास्थ्य विभाग में संक्रमण को लेकर हलचल तेज हो गई है। सीएमओ डॉ. मनोज अग्रवाल ने बताया कि अभी कोरोना संक्रमितों की पहचान के लिए चार से पांच हजार लोगों की जांच कराई जा रही है। जांच की संख्या बढ़ाई जाएगी। रोजाना से छह से सात हजार लोगों की जांच कराई जाएगी। सीएमओ ने बताया कि बस, रेलवे और एयरपोर्ट पर भी जांच का अभियान तेज किया जाएगा। हाईवे पर भी जांच टीमे लगाई जाएगी। संक्रमण प्रभावित राज्य व जिलों से आने वालों पर टीम की खास नजर होगी। उन्होंने बताया कि संक्रमितों के संपर्क में आने वालों की जांच कराई जाएगी। ताकि समय पर संक्रमण की पहचान की जा सके।

कदाचार के आरोप में एसआई निलंबित

देवरिया। उत्तर प्रदेश में देवरिया के सदर कोतवाली क्षेत्र में तैनात एक उप निरीक्षक (एसआई) को कदाचार के आरोप में पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा ने शनिवार को निलंबित कर दिया है। शर्मा ने बताया कि सदर कोतवाली में तैनात उपनिरीक्षक बदरूद्दीन खां का एक आडियो कल सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इसकी प्राथमिक जांच में एसआई के खिलाफ शिकायत सही पाये जाने पर उसे निलंबित कर दिया गया है। गौरतलब है कि आडियो टेप में उप निरीक्षक महिला फरियादी से गुहार लगा रहा है कि उसकी नौकरी का सवाल है। इस पर आडियो में महिला फरियादी को एसआई द्वारा उसकी आबरू की कीमत पर भी काम नहीं होने की बात कहते सुना जा सकता है। इसमें महिला कह रही है कि उसका पति विदेश में रहता है। इस पर एसआई अपने परिवार और बच्चों की दुहाई देकर महिला फरियादी से बख्श देने की गुहार लगाते सुने जा सकते हैं। ऑडियो टेप पर जिला प्रशासन ने संज्ञान लेकर एसआई को निलंबित कर दिया है।

औरैया नगर पालिका के पूर्व चेयरमैन की सड़क हादसे में मौत

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया में जिला मुख्यालय के गेट के पास हुए एक सड़क हादसे में नगर पालिका परिषद के पूर्व चेयरमैन एवं सुभाष विचार मंच के संरक्षक धर्मेश दुबे की मृत्यु हो गयी है। आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि पेशे से वकील धर्मेश दुबे (73) आज किसी कार्य से साथी अधिवक्ता अंजनी दीक्षित के साथ जिला मुख्यालय ककोर गये हुए थे। जहां से वह करीब एक बजे अंजनी दीक्षित के साथ बाइक पर सवार होकर वापस औरैया आने के लिए निकले थे। उनकी बाइक मुख्यालय गेट से आगे निकली ही थी कि तभी विकास भवन की ओर से आ रही तेज रफ्तार प्रेस लिखी कार ने उनकी बाइक में भीषण टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही दुबे बाइक से उछलकर दूर जा गिरे और उनका सिर सड़क से टकरा गया। जिससे उन्हें अंदरुनी गंभीर चोटें आ गयीं। वहीं साथी अधिवक्ता दीक्षित हेलमेट लगाये थे जिस कारण उन्हें ज्यादा चोट नहीं आयी। मौके पर मौजूद लोगों ने दुबे को घायलावस्था में जिला अस्पताल चिचौली पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने गंभीर चोट को देखते हुए हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। परिजन उन्हें निजी वाहन से पनेसिया हॉस्पिटल कानपुर ले गये। जहां पर चिकित्सकों ने उन्हें देखते ही मृत घोषित कर दिया।

गाजियाबाद में मिला मंकीपॉक्स का संदिग्ध केस

लखनऊ। गाजियाबाद में 7 साल की बच्ची में मंकीपॉक्स के लक्षण दिखने के बाद एहतियातन जांच के लिए उसका सैंपल लिया गया है। यह बच्ची खुजली से परेशान थी और इसके शरीर पर रैशेज भी पड़ रहे थे। उस बच्ची को स्वास्थ्य संबंधी कोई दूसरी समस्या नहीं है। न ही वह और न उसके कोई करीबी रिश्तेदार पिछले एक महीने के दौरान विदेश यात्रा पर गए हैं। बच्ची के शरीर से लिए सैंपल जांच के लिए पुणे की नेशनल इंस्टीट्यूट आफ वायरोलाजी लैब में भेजे गए हैं, जहां से 24 घंटे में इसकी रिपोर्ट आएगी। डॉक्टरों ने बच्ची को होम आइसोलेशन में रखने की हिदायत दी है। उसके शरीर में दिख रहे ये लक्षण किसी अन्य बीमारी के भी हो सकते हैं, मगर सतर्कता बरतते हुए जांच करवाई जा रही है। प्रदेश के डीजी हेल्थ डॉ. वेदव्रत सिंह ने बताया कि गाजियाबाद में दो बच्चों में खुजली की परेशानी के कारण शरीर पर रैशेज की समस्या देखी गई। दोनों बच्चे भाई बहन हैं। रैशेज पड़ने पर परिजन बच्चों को दिखाने के लिए नजदीक के प्राइवेट डॉक्टर के पास पहुंचे। जो कि आंख, नाक और गला का एक्सपर्ट था। उसने बच्ची (7) के शरीर में मंकीपॉक्स के लक्षण बता दिए। फिलहाल बच्ची के सैंपल कलेक्ट करके जांच के लिए पुणे भेज दिए गए हैं। जल्द ही रिपोर्ट भी मिलने की उम्मीद है। फिलहाल पैनिक वाली कोई बात नहीं है। लखनऊ SGPGI की बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. पियाली भट्टाचार्य ने इस वायरस से सबसे ज्यादा बच्चों को खतरा बताया है। दैनिक भास्कर से बातचीत में उन्होंने बताया कि बच्चों में यह बीमारी ज्यादा असर कर सकती हैं और उनके लिए घातक भी हो सकती है।

मथुरा में अज्ञात युवकों ने की चौकीदार की हत्या

मथुरा। मथुरा के थाना हाई वे क्षेत्र में चौकीदार की हत्या करने का मामला सामने आया है। यहां टाइल ईंट बनाने की फैक्ट्री में चौकीदारी करने वाले व्यक्ति की हाथ पैर बांधकर ट्रैक्टर से कुचल कर हत्या कर दी गई। वारदात की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मथुरा के थाना हाई वे क्षेत्र में नवादा के समीप आगरा दिल्ली नेशनल हाई वे पर टाइल ईंट बनाने की फैक्ट्री है। भक्ति कंक्रीट उद्योग के नाम से बनी इस फैक्ट्री में शुक्रवार की देर रात चौकीदार की निर्मम तरीके से हत्या कर दी गई। वारदात की जानकारी मिलते ही इलाके में सनसनी फ़ैल गई। मौके पर आसपास के लोग जमा हो गए। थाना हाई वे क्षेत्र के गांव विरजापुर निवासी 50 वर्षीय दुर्गाप्रसाद भक्ति कंक्रीट उद्योग पर चौकीदारी कर रहे थे। शुक्रवार की रात को दुर्गा प्रसाद फैक्ट्री पर चौकीदारी करने पहुंचे। दुर्गा प्रसाद यहां अकेले ही चौकीदारी करते थे। शनिवार की सुबह फैक्ट्री पर काम करने के लिए जब अन्य लेबर आई जब उन्होंने देखा तो दुर्गा प्रसाद का शव फैक्ट्री में पड़ा हुआ था। दुर्गा प्रसाद के हाथ पैर बंधे थे और ट्रैक्टर के पहिए के नीचे शव था। जिसके बाद अंदेशा लगाया जा रहा है कि दुर्गा प्रसाद की हाथ पैर बांधकर ट्रैक्टर से कुचलकर हत्या कर दी गई। भक्ति कंक्रीट उद्योग पर चौकीदार दुर्गा प्रसाद की हत्या की जानकारी शनिवार सुबह तब हुई जब अन्य मजदूर फैक्ट्री पर काम करने के लिए पहुंचे। दुर्गा प्रसाद का शव देखकर इसकी सूचना परिवार वालों को दी।

700 करोड़ के निवश से बदलेगी मेरठ की सूरत

मेरठ। ओद्योगिक विस्तार के लिए लखनऊ में हुई ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी-3 में मेरठ के 23 निवेशकों ने इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट के लिए अपना हाथ बढ़ाया है। मेरठ के इन 23 इंवेस्टर्स में 16 बड़े उद्यमी हैं जिन्होंने 3 करोड़ से ज्यादा का निवेश सरकार के सामने रखा है। 7 वो छोटे उद्यमी हैं जो 3 करोड़ रुपए से कम के निवेश को लेकर सरकार के सामने आए हैं। 23 निवेशकों ने इंडस्ट्री को बढ़ाने के लिए 700 करोड़ का निवेश प्रस्ताव दिया है, जिससे शहर में इंडस्ट्रियल डवलपमेंट की नई कहानी शुरू होगी। पसवाड़ा पेपर मिल ने 530 करोड़, मानसरोवर इंफ्राबिल्ड 100 करोड़, पैकेजिंग सीको 50-50 करोड़, फार्टे केमिकल 2 करोड़, जाली आटो इंटरप्राइजेज 50 लाख, केटीआर 4.40 करोड़, क्वांटम प्लास्ट 1.50 करोड़, प्रीमियम पैकेजिंग 12 करोड़, मल्टी प्रोडक्टस 20 करोड़, शिवा इंडस्ट्रीज 7 करोड़ निवेश कर रहे हैं। लखनऊ की ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में मेरठ से 3 करोड़ से अधिक का निवेश करने वाले 16 उद्यमियों ने भाग लिया। वहीं उद्योग मंदिर परतापुर, दिल्ली रोड में जनपद स्तरीय ग्राउण्ड ब्रेकिंग समारोह का आयोजन हुआ। यहां उद्यमियों ने जनप्रतिनिधियों, अफसरों के साथ ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी 3 का लाइव प्रसारण भी देखा। आयोजन में सांसद राजेन्द्र अग्रवाल, डीएम दीपक मीणा सहित जनप्रतिनिधियों ने उद्यमियों को सम्मानित किया।

कानपुर हिंसा : तनाव बरकरार, चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात, मास्टर माइंड गिरफ्तार

कानपुर। कानपुर में शुक्रवार को नमाज के बाद दुकानें बंद कराने निकली भीड़ और इसका विरोध करने वालों के बीच हुए टकराव के बाद शनिवार को भी स्थिति सामान्य नहीं हुई है। गिरफ्तारियों के बाद तनाव बरकरार है। चौराहों और मुख्य मार्गों पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। वहीं इस घटना के मास्टमाइंड जफर की गिरफ्तारी की बात भी सामने आ रही है।

दरअसल शुक्रवार को घटना के बाद से ही तनाव पूर्ण हालात बने हैं। शनिवार सुबह मुख्य घटनास्थल नई सड़क पर कुछ दुकानें दोपहर बाद खुल सकीं। चमड़ा मंडी रेडीमेड बाजार पूरी तरह खुल गया। तलाक महल, चमनगंज और बेकनगंज में आंशिक रूप से दुकानें खुलीं हैं। मुख्य मार्गों पर बीच-बीच भारी पुलिस बल तैनात कर निगरानी की जा रही है। बड़ी संख्या में लोगों ने गिरफ्तारी के भय से दुकानें नहीं खुली हैं। पुलिस रूट मार्च भी कर रही है।

इस बीच घटना के मास्टरमाइंड माने जा रहे जफर हाशमी की लखनऊ से गिरफ्तारी को लेकर चल रही चर्चाओं को देखते हुए चमनगंज में भी सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई गई है। हयात के संगठन के साथ सहयोगी संगठनों के मुखिया भी भूमिगत हो गए हैं।

क्या है पूरा मामला

कानपुर के बेकनगंज में नई सड़क पर शुक्रवार को नमाज के बाद बाजार बंद कराने को लेकर जमकर बवाल हुआ। इस हिंसा के मामले में अबतक तीन प्राथमिकी दर्ज की गई है। एफआईआर में 40 लोगों को नामजद आरोपी बनाया गया है। जबकि 1000 अज्ञात लोगों को भी आरोपी बनाया गया। पुलिस ने नई सड़क में अघोषित कर्फ्यू लगाते हुए 35 उपद्रवियों को धर दबोचा। अब तक 40 लोगों को नामजद करते हुए 1000 अज्ञात लोगों पर गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है। देर रात तक भारी संख्या में पुलिस-पीएसी, आरएएफ और आरआरएफ मार्च करता रहा। अब तक 40 उपद्रवियों को चिन्हित कर लिया गया है।

इन आरोपियों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की जाएगी। उनकी संपत्तियों को जब्त किया जाएगा और बुल्डोजर भी चलेगा।

मायावती ने बताया पुलिस और खुफिया तंत्र की विफलता, योगी सरकार पर उठाए सवाल

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने कानपुर में हुई हिंसा और पथराव की घटना को लेकर शनिवार को राज्य सरकार पर हमला बोला और जाति,धर्म तथा दलगत राजनीति से ऊपर उठकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की।

मायावती ने ट्वीट किया, राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के राज्य के दौरे के वक्त कानपुर में दंगा व हिंसा भड़कना अति-दुखद, दुर्भाग्यपूर्ण व चिन्ताजनक है और पुलिस खुफिया तंत्र की विफलता का संकेत है। सरकार को समझना होगा कि शान्ति व्यवस्था के अभाव में प्रदेश में निवेश व यहां का विकास कैसे संभव होगा?

उन्होंने कहा, सरकार इस घटना की धर्म, जाति व दलगत राजनीति से ऊपर उठकर स्वतंत्र व निष्पक्ष तथा उच्च स्तरीय जांच कराकर दोषियों के विरूद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई करे ताकि ऐसी घटना आगे न होने पाए। मायावती ने लोगों से शान्ति व कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए भडकाऊ भाषणों आदि से बचने की भी अपील की।

गौरतलब है कि कानपुर में शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद दो समुदाय के लोग आमने-सामने आ गए और उन्होंने एक-दूसरे पर पथराव किया। इस दौरान गोलीबारी भी हुई। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रवक्ता नूपुर शर्मा द्वारा हाल ही में टीवी पर एक कार्यक्रम में चर्चा के दौरान पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ कथित रूप से आपत्तिजनक टिप्पणी किए जाने के विरोध में जब एक समूह के लोगों ने जबरन दुकानें बंद कराने का प्रयास किया तो दोनों पक्ष आमने सामने आ गए और उन्होंने ना सिर्फ एक-दूसरे पर बम फेंके, बल्कि गोलियां भी चलायीं। जबरन दुकानें बंद कराने का प्रयास कर रहे लोगों की पुलिस के साथ भी झड़प हुई। पुलिस को भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठी चार्ज करना पड़ा। कानपुर नगर से कुछ दूरी पर स्थित कानपुर देहात जिले में शुक्रवार को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ राष्ट्रपति के पैतृक गांव में एक समारोह में शामिल हुए थे।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के अनुसार कानपुर में स्थिति नियंत्रण में है। हिंसा प्रभावित इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और कम से कम 18 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

बदायूं में युवक को थर्ड डिग्री देने पर दरोगा, सिपाही समेत 7 पर मुकदमा, होंगे सस्पेंड

बदायूं। बदायूं में अलापुर थाने के अंतर्गत आने वाली ककराला चौकी द्वारा एक युवक को थर्ड डिग्री देने में पूर्व चौकी इंजार्च, चार सिपाही समेत सात पर मुकदमा दर्ज किया गया है। पूर्व चौकी प्रभारी सहित सभी को निलंबित करने की तैयारी है। मामला अलापुर थाना क्षेत्र के कस्बा ककराला का है। बीती एक मई को ककराला चौकी पुलिस ने इलाके के गैंगस्टर अमजद के घर प्रतिबंधित पशुओं के वध होने की सूचना पर दबिश दी थी। पुलिस को देखते ही गैंगस्टर भाग निकला था। जिससे वह छत से फिसलकर गिर गया और उसका पैर फैक्चर हो गया। पुलिस ने गैंगस्टर को पकड़कर जेल भेज दिया। इसके बाद अगले दिन पुलिस ने कस्बे के वार्ड-12 निवासी एक युवक को रास्ते से पकड़ा और उसे चौकी ले गये। युवक के परिजनों का आरोप है कि उस वक्त वह अपनी मजदूरी का तकादा करने के लिये घर से निकला था। इसी बीच पुलिस उसे पकड़कर चौकी ले गई। जहां करीब पांच घंटे तक उससे पूछताछ की गयी। आरोप है कि इस दौरान चौकी इंचार्ज और सिपाहियों ने उसे बेरहमी से पीटा। उससे पशु वध में शामिल होने की बात कबूलने के लिये थर्ड डिग्री दी गयी। जिसमें उसे करंट का झटका दिया गया। जिसके उसके शरीर पर निशान भी है। इसके अलावा युवक के साथ गुप्तांग में डंडा डाला गया। हालत बिगड़ने पर उसे चौकी से बदहवाश हालत में भगा दिया गया। युवक की भाभी का आरोप है, पुलिस कर्मियों ने उसके देवर को इतना पीटा, कि वह बदहवाश हो गया। करंट के झटके और गुप्तांग में डंडा डालने की वजह से उसकी जब हालत बिगड़ गयी तो पुलिस कर्मियों ने डर की वजह से उसे चौकी से छोड़ दिया और 100 का नोट देकर इलाज कराने के लिये कहा।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को पुलिस ने ज्ञानवापी जाने से रोका

एजेंसी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में श्रीविद्या मठ के महंत स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को ज्ञानवापी मस्जिद परिसर के वीडियोग्राफी सर्वे के दौरान मिले कथित शिवलिंग की पूजा अर्चना करने के लिये पुलिस ने शनिवार को मस्जिद परिसर में प्रवेश करने से रोक दिया।

सरस्वती ने गुरुवार को ही घोषणा कर दी थी कि वह चार जून को मस्जिद परिसर के वजूखाने में मिले कथित शिवलिंग की पूजा अर्चना के लिये जायेंगे। गौरतलब है कि पिछले महीने स्थानीय अदालत के आदेश पर हुए मस्जिद परिसर के वीडियोग्राफी सर्वे के दौरान वजूखाने के पास शिवलिंग मिलने की बात कही गयी थी, जिसे मुस्लिम पक्ष फव्वारा बता रहा है।

पुलिस द्वारा सरस्वती को ज्ञानवापी परिसर में प्रवेश करने से रोके जाने के विरोध में वह श्रीविद्या मठ के सामने ही धरने पर बैठ गये। साथ ही उन्होंने शिवलिंग की पूजा अर्चना करने की अनुमति मिलने तक अनिश्चितकालीन उपवास पर भी बैठने की घोषणा कर दी है।

पुलिस ने वाराणसी के केदार घाट स्थित मठ से मस्जिद परिसर के लिये निकलते ही सरस्वती को कानून व्यवस्था का हवाला देकर रोक दिया। सरस्वती ने सर्वे में मिले शिवलिंग को आदि विश्वेश्वर बताते हुए दलील दी है कि इस विवाद को सुलझाने के लिये अदालत का फैसला आने तक भगवान को बिना पूजा अर्चना किये नहीं रखा जा सकता है।

सीएम योगी का आदेश : फरियादियों को संतुष्ट कराएं अधिकारी

गोरखपुर। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के गोरखपुर दौरे पर स्वागत के लिए गोरखनाथ मंदिर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तमाम व्यवस्तताओं के बीच गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन किया। हिन्दू सेवाश्रम में तकरीबन 150 की संख्या में पहुंचे फरियादियों से मुलाकात कर उन्होंने उनकी समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया। अधिकारियों को निर्देशित किया कि फरियादियों की समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाना चाहिए। ताकि वह निस्तारण से संतुष्ट हो और बार बार उन्हीं शिकायतों को लेकर जनता दर्शन या वरिष्ठ अधिकारियों तक चक्कर न लगाना पड़े। सीएम योगी आदित्यनाथ शनिवार की सुबह 8.30 बजे के करीब हिन्दू सेवाश्रम में जनता दर्शन के लिए आए। उन्होंने एक एक कर सभी 150 श्रद्धालुओं से उनकी कुर्सियों पर जाकर सुनवाई की। अधिकांश शिकायतें जमीनी विवाद और पुलिस से जुड़ी रहीं। कुछ लोगों ने इलाज के लिए भी सीएम से मदद की गुहार लगाई। राष्ट्रपति के कार्यक्रम के मद्देनजर काफी कम संख्या में लोग जनता दर्शन में पहुंचे। जनता दर्शन में कमिश्नर रवि कुमार एनजी, डीएम विजय किरण आनंद, डीआईजी, एसएसपी विपिन ताडा, सीएम कैंप कार्यालय प्रभारी मोतीलाल सिंह, अजय सिंह समेत अन्य मौजूद रहे।

महाराज जी! अब मां-पापा तो रिहा करा दीजिए : अमन मणि

जनता दर्शन में पूर्व मंत्री अमर मणि त्रिपाठी के बेटे और नौतनवां के पूर्व विधायक और अमन मणि त्रिपाठी अपने चाचा अजीत मणि त्रिपाठी के साथ पहुंचे। अमन मणि ने सीएम को प्रार्थना पत्र देकर अपने पिता अमर मणि और मां मधु मणि की सजा माफ करने की गुहार लगाई। दोनों मधुमिता शुक्ला हत्याकांड में गोरखपुर जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं। अमन मणि ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बताया कि सरकार द्वारा कुशल आचरण वाले कैदियों की सजा माफ की जा रही है। मेरे पिता और माता दोनों अब तक 18 साल की सजा काट चुके हैं। ऐसे में उनकी क्षमा याचना का पत्र लंबे समय से विचाराधीन है। मुख्यमंत्री से अनुरोध किया कि सरकार मेरे माता और पिता की सजा माफ कर उन्हें रिहा करने पर विचार करें।

सीएम साहब! पुलिस नहीं कर रही कार्रवाई

कैम्पियरगंज थाना के अलीगढ़ भगवानपुर गांव से आई मनोरमा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बताया कि 22 अप्रैल 2021 में उनका विवाह प्रदीप गुप्ता से हुआ लेकिन कुछ दिन बाद ही वे दहेज के लिए प्रताड़ित करने लगे। मारपीट कर घर से निकाल दिया। इस पर 25 दिसंबर 2021 में कैम्पियरगंज थाने में एफआईआर हुई लेकिन पुलिस आरोपी पति और उससे ससुराल के अन्य लोगो के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। उसने मामले के जांच अधिकारी बदलने और कार्रवाई की गुहार लगाई।

बेटी का अपहरण करने वाले दे रहे धमकियां

देवरिया गांव रोपन छपरा से आए लल्लन यादव ने सीएम को बताया कि उनकी 15 साल की बेटी का मुहर्रम की रात अपहरण कर आरोपी गुजरात ले गए। इस मामले में आरोपी आसिफ अली, रुस्तम, मिनहाज और सिराजुद्दीन पर एफआईआर हुई। मुख्य आरोपी को छोड़ अन्य गिरफ्तार हुए। बेटी भी घर आ गई लेकिन जेल से छूटे आरोपी पुनः अपहरण और जान से मारने की धमकियां दे रहे हैं लेकिन शिकायत के बाद भी पुलिस आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर रही है।

गुरु गोरखनाथ का पूजन कर की गो-सेवा

सीएम योगी आदित्यनाथ शनिवार की सुबह मंदिर से बाहर आए तो सबसे पहले उन्होंने शिवावतारी गुरु गोरखनाथ दर्शन पूजन कर आशीर्वाद लिया। उसके बाद ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थली पर जाकर आशीर्वाद लिया। मंदिर भ्रमण करते हुए राष्ट्रपति के कार्यक्रमों की तैयारियों का भी जायजा लिया। इसके बाद सीएम गोशाला पहुंचे। जहां तकरीबन 40 मिनट तक गो- सेवा की। गो-सेवकों से संवाद कर गर्मियों में गायों की देखभाल की जानकारी ली। सेवादारों को गायों के रखरखाव की जरूरी सलाह भी दी। उसके बाद वापसी में अपने श्वान कालू और गुल्लू से भी मिले। इसके बाद सीएम जनता दर्शन के लिए हिन्दू सेवाश्रम पहुंचे। जनता दरबार के बाद मुख्यमंत्री ने मंदिर में किसी अन्य व्यक्ति से लालकक्ष में मुलाकात नहीं की।

गोण्डा : सड़क दुर्घटना में दो मरे, तीन घायल

गोण्डा। उत्तर प्रदेश में गोण्डा जिले के खरगूपुर थानाक्षेत्र के बलरामपुर मार्ग पर वन निगम डिपो के पास शनिवार को तड़के हुये सड़क हादसे में दो लोगों की मृत्यु हो गयी, जबकि तीन अन्य घायल हो गये।

पुलिस के अनुसार गोण्डा से कार में सवार होकर पांच युवक बलरामपुर की ओर जा रहे थे, तभी खरगूपुर थाना क्षेत्र के वन निगम डिपो के पास बलरामपुर की तरफ से आ रही रोडवेज की

अनुबंधित बस व कार की आमने-सामने की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी की कार के परखच्चे उड़ गए। कार में सवार 5 लोगों में से दो की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि तीन अन्य बुरी तरह घायल हो गये। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से कार में फंसे घायलों को बाहर निकालकर एंबुलेंस से बलरामपुर जिला चिकित्सालय में गंभीर अवस्था में भर्ती कराया है। उन्होंने बताया कि धानेपुर कस्बा निवासी सलमान (30) व नगर कोतवाली बलरामपुर निवासी खुद्दन (28) ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना में घायल हुये बलरामपुर कोतवाली देहात के गांव डिहार निवासी संजय सिंह (37),नगर कोतवाली क्षेत्र के गांव खखरेभारी निवासी अखिलेश (16) और गैसड़ी निवासी नदीम (32) पुत्र डॉ नसीम को एंबुलेंस द्वारा बलरामपुर जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। मृतकों के परिजनों को सूचना दे दी गई है। फरार बस चालक की तलाश में पुलिस जुटी है।

उत्तर रेलवे के डिप्टी सीएमएम घूस लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

सीबीआई के छापे में 32 लाख रुपये नकद बरामद

लखनऊ। सीबीआई ने उत्तर रेलवे के लखनऊ डिवीजन में तैनात डिप्टी चीफ मैटेरियल मैनेजर (कैरेज एंड वैगेज) आलोक मिश्रा को 80 हजार रुपये घूस की रकम के साथ गिरफ्तार किया। सीबीआई ने आलोक मिश्रा के सहयोगी रहे दो निजी व्यक्तियों अविनाश मिश्रा और मंजीत सिंह को भी गिरफ्तार किया है। आलोक मिश्रा के ठिकानों पर मारे गए छापों में 32.10 लाख रुपये नकद, कुछ आपत्तिजनक दस्तावेज व डिजिटल उपकरण भी बरामद हुए हैं।

सीबीआई को डिप्टी सीएमएम और उनके दोनों निजी सहयोगियों के विरुद्ध यह शिकायत मिली थी कि ठेके देने

और उनके बिलों के भुगतान के लिए ठेकेदारों से लिए रिश्वत की मांग कर थे। यह जानकारी भी मिली कि डिप्टी सीएमएम ने अपने एक निजी सहयोगी को एक ठेकेदार के लगभग 70 लाख के बिलों के भुगतान के लिए नकद लाने का निर्देश दिया है। इस सूचना के आधार पर सीबीआई ने जाल बिछाकर आरोपी डिप्टी सीएमएम को रुपये की 80 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए पकड़ लिया। इसके बाद लखनऊ में विभिन्न स्थानों पर छापेमारी का अभियान चलाया जा रहा है। छापों में डिप्टी सीएमएम के आवास से अब तक 32.10 लाख रुपये नकद के अलावा अन्य आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल उपकरण बरामद हुए हैं। गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपियों को सीबीआई द्वारा सक्षम न्यायालय के सामने पेश किया जाएगा।

डिप्टी सीएमएम के साथ गिरफ्तार किए गए दोनों निजी व्यक्तियों में से एक अविनाश मिश्रा लखनऊ में आवास विकास परिषद की वृंदावन आवास योजना-चार का निवासी है, जबकि दूसरा आरोपी मंजीत सिंह गोमती नगर के विभूति खंड का रहने वाला है। इस मामले में अन्य अज्ञात सरकारी कर्मचारियों एवं निजी व्यक्तियों को भी आरोपी बनाया गया है। सीबीआई आगे की जांच में अन्य आरोपियों का पता लगाएगी।

धान के सरकारी बीज के वितरण में कुशीनगर का दूसरा स्थान

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले में कृषि विभाग के प्रयासों की बदौलत लक्ष्य के सापेक्ष 108 फीसदी धान का बीज किसानों में वितरित कर प्रदेश में दूसरा हासिल किया है।

पिछले साल जनपद ने धान बीज वितरण के मामले में पूरे प्रदेश में पहला स्थान किया था। किसानों को राजकीय कृषि बीज भण्डार केंद्र के माध्यम से 50 फीसदी अनुदान पर बीज मिला है। जनपद में करीब छह लाख किसान खेती करते हैं। इन किसानों को लाभ प्रदान कर आय बढाने के लिए सरकार विभिन्न सरकारी योजनाओं को संचालित करती है।

इन योजनाओं में एक अनुदान पर धान बीज के साथ धैचा बीज का वितरण करना शामिल है। गत एक मई से 30 मई तक किसानों में धान बीज का वितरण जिले में हुआ है। शासन स्तर से 1965 कुंतल धान बीज वितरण का जनपद को लक्ष्य प्राप्त हुआ था। कृषि विभाग में तैनात 48 एटीएम व बीटीएम तथा 48 किसान सहायकों ने किसानों को जागरूक कर प्रत्येक ब्लॉक में स्थित राजकीय कृषि बीज भण्डार केंद्र के माध्यम से धान बीज का वितरण शुरू कराया।

कर्मचारियों के प्रयासों की बदौलत जनपद के 17 हजार किसानों में लक्ष्य के सापेक्ष 2182 कुंतल धान बीज का वितरण हुआ है। जनपद ने लक्ष्य के सापेक्ष 108 प्रतिशत धान बीज वितरण कर प्रदेश में दूसरा स्थान हासिल किया है। वहीं बांदा जनपद ने 350 कुंतल लक्ष्य के सापेक्ष 500 कुंतल धान बीज वितरित कर पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल किया है।

पिछले साल कुशीनगर जनपद ने जिले को 1620 कुंतल लक्ष्य के सापेक्ष 1923 कुंतल बीज का वितरण कर पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान किया था। इस संबंध में जिला कृषि अधिकारी प्यारे लाल ने बताया कि जिले में 1.18 लाख हेक्टेयर जमीन पर किसान धान की खेती करते हैं। जिले के 17 हजार किसानों में धान बीज का वितरण हुआ।

उन्होंने बताया कि इसमें संभा समवन, बीटीसी 5204, एमपी यू 7029, सरजू 52 आदि शामिल है। इन किसानों को 50 फीसदी अनुदान पर बीज का वितरण हुआ है। अनुदान की रकम जून महीने में किसानों के खाता में पहुंच जायेगी। एक किसान को पांच एकड़ तक 60 किलो धान का बीज अनुदान पर प्राप्त होता है। एक हेक्टेयर में 30 किलो बीज प्राप्त होता है। इसके अलावा 482 कुंतल धैचा बीज किसानों में वितरित हुआ है। एक किसान को 55.62 रुपये प्रति किलो के हिसाब से वितरण हुआ है।

शार्ट न्यूज

जेके टायर ने स्थायी जीवनशैली के लिए अपनी प्रतिबद्धता जतायी

नयी दिल्ली। टायर बनाने वाली कंपनी जेके टायर एण्ड इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड ने विश्व पर्यावरण दिवस 2022 के मौके पर भावी पीढ़ियों के लिए पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए हरित पर्यावरण के लिए अपनी प्रतिबद्धता जतायी है। टायर उद्योग में स्थायित्व की दिशा में अपने प्रयासों को जारी रखते हुए जेके टायर ने 5-आयामी दृष्टिकोण अपनाया है, जिसके तहत कंपनी पर्यावरण के संरक्षण एवं समग्र रखरखाव के लिए कार्बन फुटप्रिन्ट, ऊर्जा, नवीकरणीय ऊर्जा, ग्रीन हाउस गैसों एवं अपशिष्ट प्रबन्धन जैसे मुद्दों के नियन्त्रण पर काम कर रही है। उसने यहां जारी बयान में कहा कि हरित एवं स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए अपने प्लांट में स्थायी सुधार किए गये हैं। थर्मल ऊर्जा की खपत को कम करते हुए ऊर्जा के नवीकरणीय स्त्रोतों के उपयोग को प्रोत्साहन देना इसका मुख्य उद्देश्य है। पिछले सालों के दौरान अपने सतत प्रयासों के चलते, जेके टायर प्रति किलोग्राम टायर के निर्माण पर सबसे कम कच्चा पानी उपयोग कर विश्वस्तर पर बेंचमार्क स्थापित कर चुकी है। कंपनी तैयार उत्पाद के 1.73 लीटर प्रति किलोग्राम की उपलब्धि हासिल कर पानी की खपत में नए बेंचमार्क स्थापित कर रही है। पर्यावरणी चुनौतियों के लिए समाधान विकसित करने एवं लागू करने की दिशा में कॉर्पोरेट्स की उल्लेखनीय भूमिका को समझते हुए जेके टायर, अपशिष्ट के पुन:उपयोग एवं रीसायक्लिंग द्वारा अपशिष्ट के न्यूनतम उत्पादन को सुनिश्चित कर पर्यावरण के अनुकूल उत्पादन पर ज़ोर देती है।

स्वरूप कुमार साहा बने पीएसबी के सीईओ

नयी दिल्ली। श्री स्वरूप कुमार साहा ने कल सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब एंड सिंध बैंक (पीएसबी) के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी का कार्यभार ग्रहण कर लिया। बैंक ने यहां जारी बयान में कहा कि इससे पहले श्री साहा 10 मार्च 2021 से पंजाब नैशनल बैंक में कार्यकारी निदेशक थे। कलकत्ता विश्वविद्यालय से विज्ञान में स्नातक श्री साहा ने वर्ष 1990 में तत्कालीन ओरिएंटल बैंक ऑफ़ कॉमर्स में परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में अपने बैंकिंग कैरियर की शुरुआत की थी। वह इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकर्स (सीएआईआईबी) के प्रमाणित एसोसिएट सदस्य हैं। उन्होंने भारतीय बैंकिंग और वित्त संस्थान (आईआईबीएफ) से ट्रेजरी, निवेश और जोखिम प्रबंधन में डिप्लोमा (डीटीआईआरएम) तथा सीआईएसआई, लंदन के सहयोग से आईआईबीएफ से वित्तीय सेवाओं में जोखिम में प्रमाण-पत्र भी प्राप्त किए हैं। अपने तीन दशकों से अधिक के कैरियर में उन्हें मानव संसाधन विकास, राजकोष, अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग, ऋण, जोखिम प्रबंधन, संगठन पुनर्गठन तथा बोर्ड मामलों का व्यापक अनुभव और विशेषज्ञता प्राप्त है।

ग्लोरिया जीन्स खोलेगी दिल्ली-एनसीआर में दो कैफे

नयी दिल्ली। भारतीय बाजार में दोबारा वापसी करने के साथ ग्लोरिया जीन्स कॉफी ने दिल्ली-एनसीआर में दो कैफे खोलने की घोषणा की है। कॉफी ब्रांड की देशभर में आगामी दो वर्षों में 50 से ज्यादा कैफे खोलने की योजना है। कंपनी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डॉ जयप्रकाश एम ने कहा, ग्लोरिया जीन्स कॉफी का लक्ष्य अगले दो वर्षों में 50 आउटलेट खोलने का है। जिनमें से अधिकांश एफआईसीओ (फ्रैंचाइज़ी निवेशित और कंपनी संचालित) और एफओसीओ (फ्रैंचाइजी स्वामित्व और कंपनी संचालित) मॉडल में संचालित होंगे। ग्लोरिया जिन्स कॉफी ने गत 25 मई को बेंगलुरु के नेक्सस वाइटफिल्ड में अपना पहला कैफे खोला है। इसकी शुरुआत वर्ष 1979 में शिकागो में ग्लोरिया जीन क्वेत्को और उनके पति ने की थी। ब्रांड जल्द ही विकसित हुआ और वर्तमान में अमेरिका के बाहर 50 से अधिक देशों में कारोबार कर रहा है। ग्लोरिया जीन्स कॉफी को विविध कंपनियों को संपर्क और अनुमति प्रदान करने वाली 17 साल पुरानी कंपनी जे जे कैपिटल एंड इनवेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड भारत लायी है। इसके पास पूरे भारत में ग्लोरिया जीन्स कॉफी के संचालन के लिए मास्टर फ्रैंचाइजी अधिकार है।

स्वरूप कुमार साहा बने पीएसबी के सीईओ

नयी दिल्ली। श्री स्वरूप कुमार साहा ने कल सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब एंड सिंध बैंक (पीएसबी) के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी का कार्यभार ग्रहण कर लिया। बैंक ने यहां जारी बयान में कहा कि इससे पहले श्री साहा 10 मार्च 2021 से पंजाब नैशनल बैंक में कार्यकारी निदेशक थे। कलकत्ता विश्वविद्यालय से विज्ञान में स्नातक श्री साहा ने वर्ष 1990 में तत्कालीन ओरिएंटल बैंक ऑफ़ कॉमर्स में परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में अपने बैंकिंग कैरियर की शुरुआत की थी। वह इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकर्स (सीएआईआईबी) के प्रमाणित एसोसिएट सदस्य हैं। उन्होंने भारतीय बैंकिंग और वित्त संस्थान (आईआईबीएफ) से ट्रेजरी, निवेश और जोखिम प्रबंधन में डिप्लोमा (डीटीआईआरएम) तथा सीआईएसआई, लंदन के सहयोग से आईआईबीएफ से वित्तीय सेवाओं में जोखिम में प्रमाण-पत्र भी प्राप्त किए हैं। अपने तीन दशकों से अधिक के कैरियर में उन्हें मानव संसाधन विकास, राजकोष, अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग, ऋण, जोखिम प्रबंधन, संगठन पुनर्गठन तथा बोर्ड मामलों का व्यापक अनुभव और विशेषज्ञता प्राप्त है।

सरकार ने वित्त वर्ष 2022 के लिए ईपीएफ ब्याज दर 8.1 प्रतिशत तय की

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को वित्त वर्ष 2022 के लिए कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) की ब्याज दर 8.1 प्रतिशत तय की। ईपीएफओ कार्यालय के एक आदेश में कहा गया है कि श्रम और रोजगार मंत्रालय ने ईपीएफ योजना के प्रत्येक सदस्य को 2021-22 के लिए 8.1 प्रतिशत ब्याज क्रेडिट करने के लिए केंद्र सरकार की मंजूरी से अवगत कराया। ईपीएफओ ने मार्च में वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए भविष्य निधि जमा पर ब्याज दर को 8.5 प्रतिशत से घटाकर 8.1 प्रतिशत करने का प्रस्ताव दिया था। ईपीएफओ ने इस साल मार्च में 1.53 मिलियन लोगों को जोड़े थे। यह फरवरी में नामांकित 1.28 मिलियन से 19 प्रतिशत अधिक था। केंद्रीय न्यासी बोर्ड (सीबीटी) ने 2020-21 के लिए 8.5 फीसदी ब्याज दर मार्च में तय की थी और पिछले साल अक्टूबर में वित्त मंत्रालय ने इसकी पुष्टि की थी। वर्ष 2019-20 के लिए ईपीएफ ब्याज दर 8.5 फीसदी, 2017-18 के लिए 8.55 फीसदी और 2016-17 के लिए 8.65 फीसदी थी।

गौतम अडानी की कंपनी को एनटीपीसी से मिले कॉन्ट्रैक्ट, 6000 करोड़ से ज्यादा की है डील

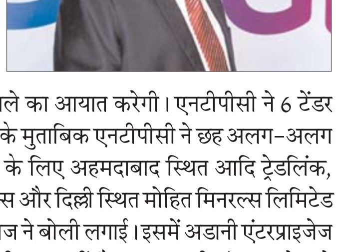

नई दिल्ली। भारत की सबसे बड़ी बिजली उत्पादन कंपनी एनटीपीसी लिमिटेड ने अडानी एंटरप्राइजेज को कोल इंपोर्ट के लिए कई सारे कॉन्ट्रैक्ट दिए हैं। यह डील 6,585 करोड़ रुपये की है। इसके तहत एनटीपीसी के लिए गौतम अडानी समूह की कंपनी 6.25 मिलियन टन कोयले का आयात करेगी। एनटीपीसी ने 6 टेंडर रखी- बिजनेस स्टैंडर्ड की खबर के मुताबिक एनटीपीसी ने छह अलग-अलग टेंडर रखी थी। कंपनी की टेंडर के लिए अहमदाबाद स्थित आदि ट्रेडलिंक, चेन्नई स्थित चेट्टीनाड लॉजिस्टिक्स और दिल्ली स्थित मोहित मिनरल्स लिमिटेड के साथ-साथ अडानी एंटरप्राइजेज ने बोली लगाई। इसमें अडानी एंटरप्राइजेज ने बोली जीत ली है। यह पहली बार नहीं है जब अडानी एंटरप्राइजेज ने एनटीपीसी से बोली जीत ली है। इससे पहले मार्च माह में कोयला संकट शुरू हुआ तब एनटीपीसी ने 5.75 मीट्रिक टन कोयले के आयात के लिए पांच ट्रेंडर जारी की थी और सभी की बोली अडानी एंटरप्राइजेज ने जीत हासिल की। इसकी रकम 8,422 करोड़ रुपये थी। एनटीपीसी के अधिकारियों ने पहले कहा था कि आयातित कोयला इंडोनेशिया से आएगा और एनटीपीसी ऑस्ट्रेलिया से आयात करने पर विचार नहीं कर रही है। आपको बता दें कि अडानी समूह की कंपनी ऑस्ट्रेलिया में कारमाइकल कोल माइन का संचालन करती है। इस कोल माइन की क्षमता 10 एमटी प्रति वर्ष है।

शक्कर में पूछपरख, खाद्य तेलों में नरमी, दलहन मजबूत, दाल महंगी, चावल सामान्य

एजेंसी

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में शक्कर में पूछपरख रही। खाद्य तेल नरमी लिए रहे। आज मूंगफली तेल सस्ता बिका। दलहनो में तेजी दर्ज की गई। दालो में मजबूती रही। चावल में कामकाज सुधार लिए रहा।

किराना बाजार

शक्कर में पूछपरख से भाव मजबूत रहे। आज शक्कर में कामकाज 3580 से 3620 रुपये के स्तर पर चला। शक्कर में 06 गाड़ी आवक हुई। खोपरा गोला, खोपरा बूरा तथा हल्दी में उठाव बढ़ा रहा इससे भाव मजबूत बताए गए।

तेल -तिलहन

खाद्य तेल में मांग सुस्ती से नरमी दर्ज की गई। आज पाम तेल नीचा बिका। तिलहन में प्लान्टो की लिवाली से भाव ऊंचे बोले गए।

दाल-दलहन

स्थानीय संयोगितागंज अनाज मंडी में चना तथा मूंग में मजबूती रही। समर्थन स्वरूप दालें भी बढ़कर बिकी। चावल में उठाव बना रहा।

किराना

शक्कर 3580 से 3620 रुपये प्रति क्विंटल। खोपरा गोला 170 से 185 रुपये प्रति किलोग्राम। खोपरा बूरा 2000 से 3500 रुपये प्रति 15 किलोग्राम। हल्दी खडी 100 से 162 रुपये प्रति किलोग्राम। साबूदाना 4850 से 5450, पैकिंग में 5800 से 6000 रुपये प्रति क्विंटल।

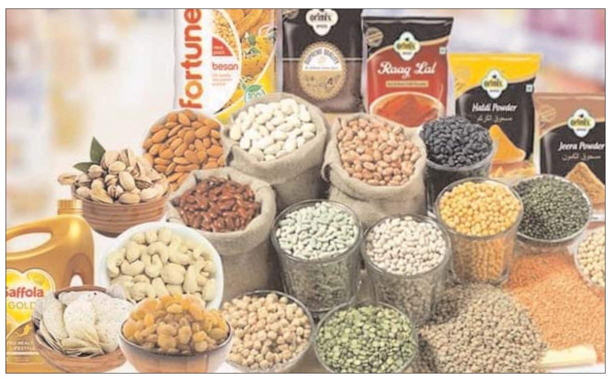

तिलहन

सरसों निमाड़ी 6000 से 6200, रायडा 5800 से 6000 रुपये प्रति क्विंटल।

तेल

मूंगफली तेल इंदौर 1610 से 1620, सोयाबीन रिफाइंड इंदौर 1500 से 1505, सोयाबीन साल्वेंट 1470 से 1475, पाम तेल 1565 से 1570 रुपये प्रति 10 किलो।

दलहन

चना (कांटा) 4650 से 4700, मसूर 6600 से 6650, तुअर निमाड़ी 5500 से 5800, तुअर सफेद (महाराष्ट्र) 6100 से 6300, तुअर (कर्नाटक) 6400 से 6500, मूंग 5900 से 6100, मूंग हल्की 5000 से 5500, उड़द 6900 से 7000, उड़द मीडियम 5500 से 6200, उड़द हल्की 2500 से 4500 रुपये प्रति क्विंटल।

दाल

चना दाल 5600 से 6100, तुअर दाल सवा नंबर 7800 से 7900, तुअर दाल फूल 8000 से 8200, तुअर दाल नई 8500 से 9200, आयातित तुअर दाल 7600 से 7700, मसूर दाल 8000 से 8300, मूंग दाल 7700 से 8000, मूंग मोगर 8500 से 8800, उड़द दाल 8200 से 8500, उड़द मोगर 8900 से 9300 रुपये प्रति क्विंटल।

चावल-पोहा

बासमती 10000 से 11000, तिबार 8000 से 8500, दुबार 7000 से 7500, मिनी दुबार 6500 से 7000, मोगरा 3500 से 4500, बासमती सैला 6500 से 9000, कालीमूंछ 7500 से 8000, राजभोग 6500 से 7000, दूबराज 3500 से 4500, परमल 2500 से 2650, हंसा सैला 2450 से 2650, हंसा सफेद 2350 से 2450, पोहा 3700 से 4100 रुपये प्रति क्विंटल।

रवा-मैदा

रवा 1390 से 1400, मैदा 1320 से 1330, आटा 1280 से 1300, चना बेसन 3225 से 3250 रुपये प्रति 50 किलोग्राम।

सरकार ने फुटवियर के लिए बीआईएस मानकों के आदेश को टाला

नयी दिल्ली। सरकार ने फुटवियर उद्योग के अनुरोध पर कार्रवाई करते हुए देश में बने और बेचे जाने वाले फुटवियर के लिए बीआईएस (भारतीय मानक ब्यूरो) के अनुपालन को अनिवार्य करने वाले गुणवत्ता नियंत्रण आदेश को एक और वर्ष के लिए टाल दिया है।

गुणवत्ता नियंत्रण आदेश अब एक जुलाई, 2023 से लागू होगा।

दिल्ली स्थित कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने बीते दिनों इस मामले को केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के समक्ष उठाया था। कैट ने दलील दी थी की देश भर में फुटवियर बनाने वाले छोटे निर्माता और व्यापारी हैं जिनके लिए नकदी के अभाव में गुणवत्ता मानकों का पालन करना मुश्किल होगा।

कैट ने कहा कि देश की 85 प्रतिशत आबादी सस्ते जूते-चप्पल पहनती है और इसका बड़े पैमाने पर 90 प्रतिशत उत्पादन गरीब लोगों और मोचियों द्वारा घर में बने उद्योग तथा कुटीर उद्योगों में किया जाता है। देश में इन जूते-चप्पलों का अधिकतम उपयोग निम्न और मध्यम आय के वर्ग द्वारा किया जाता है।

कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवान ने कहा, भारत में फुटवियर निर्माण के बड़े हिस्से पर बीआईएस मानकों को लागू करना असंभव है।

उन्होंने कहा कि भारत में फुटवियर उद्योग में 85 प्रतिशत निर्माता बहुत छोटे पैमाने के हैं और सरकार द्वारा निर्धारित बीआईएस मानकों का पालन करना असंभव होगा।

उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के आदेशानुसार, औद्योगिक और सुरक्षात्मक रबड़ के जूते, पीवीसी सैंडल, रबड़ हवाई चप्पल और मोल्डेड रबड़ के जूते जैसे फुटवियर के लिए नए गुणवत्ता मानदंड लागू रहेंगे।

यह आदेश निर्यात के लिए बनी वस्तुओं पर लागू नहीं होगा।

2022 हुंडई वेन्यू की बुकिंग शुरू

नई दिल्ली। हुंडई ने अपनी अपकमिंग SUV वेन्यू फेसलिफ्ट की ऑफिशियल बुकिंग शुरू कर दी है। कार की बुकिंग के लिए 21,000 रुपए का टोकन अमाउंट देना होगा। वहीं, इसकी लॉन्चिंग 16 जून को होने वाली है। हालांकि, कुछ डीलरशिप पर पहले ही इसकी बुकिंग शुरू हो गई थी। नई वेन्यू में ऐसे कई फीचर्स को जोड़ा गया है, जो पहली बार इस मॉडल रेंज में आपको देखने को मिलेंगे। इसके अलावा इसे 5 वैरिएंट में पेश किया जाने वाला है।

बिड़ला ग्रुप की कंपनी बांटेगी शेयर का बोनस, 1100 रुपये के पार है भाव

एजेंसी

नई दिल्ली। कोरोना काल में निवेशकों को शानदार रिटर्न देने वाली बिड़ला ग्रुप की कंपनी एक्सप्रो इंडिया ने बोनस शेयर बांटने का ऐलान किया है। कंपनी के निदेशक मंडल ने 1:2 के अनुपात में बोनस इक्विटी शेयरों का प्रस्ताव रखा है। इसके लिए कंपनी ने सोमवार 4 जुलाई 2022 को रिकॉर्ड तिथि निर्धारित की है। आपको बता दें कि बीते कुछ समय से Xpro India का स्टॉक अपने निवेशकों को शानदार रिटर्न दे रहा है। 4 जून, 2021 को स्टॉक का प्राइस 143.15 रुपये से बढ़कर 3 जून, 2022 को 1,106.80 रुपये हो गया है। सेंसेक्स में 5.77 प्रतिशत गिरावट की तुलना में 2022 में अब तक स्टॉक में 18.08 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। पिछले छह महीनों में एक्सप्रो इंडिया का शेयर 17.98 फीसदी चढ़ा है, जबकि सेंसेक्स में 1.72 फीसदी की गिरावट आई है। पिछले महीने सेंसेक्स में 0.18 फीसदी की बढ़त की तुलना में स्टॉक 8.22 फीसदी गिरा है। अगर पिछले पांच कारोबारी दिनों की बात करें तो स्टॉक 5.41 प्रतिशत बढ़ा है।

स्टॉक पिछले 2 दिनों में 10 प्रतिशत से अधिक बढ़ गया है। शुक्रवार को स्टॉक में अपर सर्किट लग गया और यह 5.00 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,106.80 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। बीएसई पर स्टॉक ने 25 मार्च के दिन 1,674 रुपये के 52-सप्ताह के उच्च स्तर को टच किया है और 10 जून 2021 को रू 126.70 के 52-सप्ताह के निचले स्तर को छुआ है।

एनटीपीसी करेगी विश्व पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण

नयी दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एकीकृत विद्युत कंपनी राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (एनटीपीसी) पांच जून यानि रविवार को अपनी सभी स्थलों पर विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन कर रही है। इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस का विषय ओनली वन अर्थ (केवल एक पृथ्वी) के अनुरूप कंपनी वृक्षारोपण, शपथ ग्रहण समारोह एवं जागरुकता अभियानों का आयोजन करेगी। कंपनी ने शनिवार को जारी एक बयान में बताया कि आज़ादी का अमृत महोत्सव के तहत एनटीपीसी कई स्थायी पहलें कर रही है जिसमें महाराष्ट्र के सोलापुर में स्मार्ट टाउनशिप का उद्घाटन भी शामिल है। आइकॉनिक सप्ताह समारोह के दौरान कंपनी अपने विभिन्न विद्युत स्टेशनों पर एक विशाल वृक्षारोपण अभियान भी आयोजित कर रही है।

एनटीपीसी अपनी परियोजनाओं में और इनके आस-पास 3.7 करोड़ से अधिक वृक्ष लगा चुकी है। साथ ही कंपनी वनों को बढ़ावा देने के लिए 'मियावाकी' तकनीक अपना रही है, इससे भूमिगत जल का स्तर बढ़ाने तथा स्थायी जैव विविधता के संरक्षण में मदद मिलेगी।

विद्युत जगत की प्रमुख कंपनी एनटीपीसी हाइड्रोजन, कार्बन, बैटरी संग्रहण, इलेक्ट्रिक परिवहन और अपशिष्ट से ऊर्जा के क्षेत्रों में अवसरों पर सक्रियता से काम करती रही है। इसी दिशा में केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड की शुरूआत की गई। कंपनी ने वर्ष 2032 तक नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के माध्यम से 60 गीगावॉट क्षमता का लक्ष्य तय किया है।

एनटीपीसी ने आधुनिक तकनीकों एवं नवाचारों के माध्यम से स्थायी पहलों को अपनाकर न सिर्फ कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने में मदद की है, बल्कि जैव विविधता (बायोडाइवर्सिटी) के संरक्षण, संवर्धन एवं पुनर्वास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

बयान में कहा गया है कि एनटीपीसी ने अब तक पूरी तरह से कागज़ रहित प्रक्रिया को अपनाकर चार करोड़ से अधिक कागज बचा चुकी है, जो तकरीबन 5000 पूरी तरह से उगे वृक्षों के बराबर है। कंपनी पर्यावरण के प्रति सजग है और अपने विद्युत स्टेशनों के आस-पास प्रवासी पक्षियों के लिए आवास का निर्माण भी करती है।

जेके टायर ने स्थायी जीवनशैली के लिए अपनी प्रतिबद्धता जतायी

नयी दिल्ली। टायर बनाने वाली कंपनी जेके टायर एण्ड इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड ने विश्व पर्यावरण दिवस 2022 के मौके पर भावी पीढ़ियों के लिए पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए हरित पर्यावरण के लिए अपनी प्रतिबद्धता जतायी है।

टायर उद्योग में स्थायित्व की दिशा में अपने प्रयासों को जारी रखते हुए जेके टायर ने 5-आयामी दृष्टिकोण अपनाया है, जिसके तहत कंपनी पर्यावरण के संरक्षण एवं समग्र रखरखाव के लिए कार्बन फुटप्रिन्ट, ऊर्जा, नवीकरणीय ऊर्जा, ग्रीन हाउस गैसों एवं अपशिष्ट प्रबन्धन जैसे मुद्दों के नियन्त्रण पर काम कर रही है। उसने यहां जारी बयान में कहा कि हरित एवं स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए अपने प्लांट में स्थायी सुधार किए गये हैं। थर्मल ऊर्जा की खपत को कम करते हुए ऊर्जा के नवीकरणीय स्त्रोतों के उपयोग को प्रोत्साहन देना इसका मुख्य उद्देश्य है। पिछले सालों के दौरान अपने सतत प्रयासों के चलते, जेके टायर प्रति किलोग्राम टायर के निर्माण पर सबसे कम कच्चा पानी उपयोग कर विश्वस्तर पर बेंचमार्क स्थापित कर चुकी है।

कंपनी तैयार उत्पाद के 1.73 लीटर प्रति किलोग्राम की उपलब्धि हासिल कर पानी की खपत में नए बेंचमार्क स्थापित कर रही है। पर्यावरणी चुनौतियों के लिए समाधान विकसित करने एवं लागू करने की दिशा में कॉर्पोरेट्स की उल्लेखनीय भूमिका को समझते हुए जेके टायर, अपशिष्ट के पुन:उपयोग एवं रीसायक्लिंग द्वारा अपशिष्ट के न्यूनतम उत्पादन को सुनिश्चित कर पर्यावरण के अनुकूल उत्पादन पर ज़ोर देती है।

आर्थिक तंगी के बीच पाकिस्तान ने रक्षा बजट बढ़ाया

एजेंसी

नई दिल्ली। पाकिस्तान के आर्थिक हालात ठीक नहीं हैं। देश में महंगाई रिकॉर्ड स्तर पर है तो वहीं सरकारी खजाना भी खाली होता जा रहा है। बिगड़ते हालात के बावजूद पाकिस्तान सरकार ने डिफेंस यानी रक्षा बजट को 6 प्रतिशत बढ़ा दिया है। पाकिस्तान की सरकार ने चालू वित्तीय वर्ष के लिए रक्षा बजट को 1.45 ट्रिलियन पाकिस्तानी रुपये से अधिक कर दिया है। बजट बढ़ाने का यह निर्णय पाकिस्तान की आर्थिक समन्वय समिति द्वारा लिया गया था।

आपको बता दें कि पिछले साल चालू वित्तीय वर्ष के लिए नेशनल असेंबली ने 1.373 ट्रिलियन रुपये के डिफेंस बजट को मंजूरी दी थी। खर्च की सीमा में वृद्धि के साथ, अगले वित्तीय वर्ष का रक्षा बजट भी अब पहले के अनुमानित 1.55 ट्रिलियन रुपये के आंकड़े से अधिक हो सकता है।

पाकिस्तान सरकार ने यह फैसला ऐसे समय में लिया है जब देश में महंगाई 64 सप्ताह के उच्चतम स्तर पर है। रुपया रसातल में जा रहा है तो वहीं पेट्रोलियम प्रोडक्ट के दाम हर दिन नया रिकॉर्ड बना रहे हैं। पाकिस्तान का व्यापार घाटा भी बढ़ा है। वहीं, विदेशी मुद्रा भंडार खाली होता जा रहा है। आर्थिक विश्लेषकों को डर है कि पाकिस्तान के हालात श्रीलंका की तरह ना हो जाएं।

भारत का रक्षा बजट : भारत में रक्षा बजट की कुल राशि 5,25,166 करोड़ है, जिसमें 1.19 करोड़ पेंशन और 1.52 करोड़ की राशि रक्षा सेवाओं के आधुनिकीकरण के लिए रखी गई है। एक साल पहले के मुकाबले चालू वित्त वर्ष के लिए बजट में 11 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है।

इस साल फरवरी में बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया था कि रक्षा अनुसंधान के मद में खर्च की जाने वाली 25 फीसदी राशि निजी उद्योगों, स्टार्टअप, अकादमियों को दी जाएगी। इसका मकसद देश के लिए जरूरी मिलिट्री प्लेटफार्म और उपकरणों के विकास के अलावा निर्माण देश में ही करना है।

ट्विटर डील में फंसे एलन मस्क : कंपनी ने कहा- डील का वेटिंग पीरियड खत्म

नई दिल्ली। ट्विटर ने शुक्रवार को कहा कि एलन मस्क की 44 अरब डॉलर वाली ट्विटर खरीदने की डील का वेटिंग पीरियड HSR एक्ट के मुताबिक खत्म हो गया है।

अब बस इसमें ट्विटर के स्टॉक होल्ड और रेगुलेटरी ऑथरिटी का अप्रूवल होना बाकी है। दुनिया के सबसे अमीर बिजनेसमैन एलन मस्क ने हाल में ट्विटर को खरीदने का ऐलान किया था।

ट्विटर को खरीदने का ऑफर देने के कुछ दिन बाद एलन मस्क ने इस डील को टेंपरेरी होल्ड पर डाल दिया था, क्योंकि उन्हें ट्विटर को लेकर और जानकारी चाहिए थे। इसमें फेक अकाउंट का मुद्दा भी शामिल था।

क्या है HSR एक्ट?

अमेरिका में बड़े अमाउंट की डील के लिए HSR एक्ट काम करता है। HSR का फुल फॉर्म हार्ट स्कॉट रोडिनो एंटीट्रस्ट इंप्रूवमेंट एक्ट है। इसके तहत जब भी कोई कंपनी अरबों डॉलर यानी बड़े अमाउंट की डील करती है, तो संबंधित पक्षों को फेडरल ट्रेड कमीशन और अमेरिकी डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस एंटीट्रस्ट डिवीजन को रिव्यू के लिए इसकी जानकारी देनी होती है। एलन मस्क ने ट्विटर को खरीदने के लिए 44 अरब डॉलर की पेशकश की थी। इसमें 33.5 अरब डॉलर इक्विटी शेयर प्राइस की कीमत के तौर पर दिए जाने हैं, जबकि 13 अरब डॉलर का ट्विटर के नाम पर लोन लिया जाना है।

मस्क ने रख दी थी शर्त

मस्क ने कहा कि ट्विटर खरीदने के लिए उन्होंने जो पेशकश की थी वह ट्विटर के ग्राहकों की असली संख्या के आधार पर थी, और वह सौदे को लेकर तब तक आगे नहीं बढ़ेंगे, जब तक इस बात का सबूत न हो कि 5 प्रतिशत से कम खाते फर्जी हैं। हालांकि इसके बाद मस्क ने बाद में स्पष्ट किया था कि वह अभी भी ट्विटर को खरीदने के लिए कमिटेड है। एलन मस्क इस डील से खुद पीछे हटते हैं तो उन पर 1 बिलियन डॉलर का जुर्माना लगाया जा सकता है।

चांदी में निवेश दिला सकता है बेहतर रिटर्न

गोल्ड-सिल्वर रेश्यो 83 पार, 85 हजार रुपए तक जा सकती है चांदी की कीमत

मुंबई। सोने की कीमतें चांदी की तुलना में इस समय काफी अधिक हैं। गोल्ड सिल्वर रेश्यो फिलहाल 83 के पार है। जानकारों की मानें तो ऐसे में चांदी में निवेश बढ़ेगा और सफेद धातु की कीमतें सालभर में 85 हजार रुपए प्रति किलो तक जा सकती हैं। शुक्रवार को IBJA पर चांदी के दाम 62,788 रुपए प्रति किलो थे।

गोल्ड सिल्वर रेश्यो कम हुआ

गोल्ड सिल्वर रेश्यो बताता है कि एक औंस सोने से कितनी चांदी की खरीदारी की जा सकती है। रेश्यो ज्यादा होने का अर्थ है कि सोने की कीमत अधिक है, जबकि रेश्यो कम होने का मतलब है चांदी महंगी है। गोल्ड सिल्वर रेश्यो 62 के आस-पास रहता है, जो कि इस समय 83 से ऊपर है। जिसका मतलब है कि 1 औंस गोल्ड खरीदने के लिए 83 औंस चांदी चाहिए।

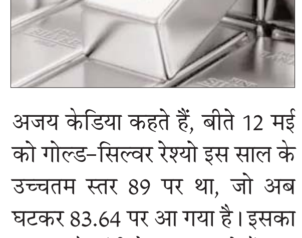

केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया कहते हैं, बीते 12 मई को गोल्ड-सिल्वर रेश्यो इस साल के उच्चतम स्तर 89 पर था, जो अब घटकर 83.64 पर आ गया है। इसका मतलब है चांदी के दाम बढ़ रहे हैं। यह तेजी अभी जारी रहेगी। इसके चलते साल भर में चांदी 85,000 रुपए प्रति किलो तक जा सकती है।

निवेश के लिए चांदी का रुख कर रहे लोग

सिल्वर इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट के मुताबिक, चांदी के दाम बढ़ने की कई वजहें हैं। सोने की ऊंची कीमतों के चलते लोग निवेश के लिए चांदी का रुख कर रहे हैं। स्टर्लिंग सिल्वर और गोल्ड प्लेटेड सिल्वर ज्वेलरी की डिमांड बढ़ गई है। चांदी की वैश्विक मांग इस साल 34,750 टन के रिकॉर्ड पर पहुंचने की उम्मीद है। ज्वेलरी डिमांड में 11त्न, जबकि चांदी के सामानों की मांग में 23त्न ग्रोथ का अनुमान है।

इसके अलावा, सोलर, इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक मांग में 12त्न की बढ़ोतरी का अनुमान है। जबकि चांदी की माइनिंग एक दशक से लगभग स्थिर है। जेम्स एंड ज्वेलरी डोमेस्टिक काउंसिल के सदस्य हेमंत गुप्ता कहते हैं, भारत में भी सिल्वर का आउटलुक काफी अच्छा है। सिल्वर ज्वेलरी में भी डिमांड बीते कुछ वर्षों में 40त्न से ज्यादा बढ़ चुकी है। कीमतों में भी आगे भी लगातार बढ़ोतरी होगी।

सोना महंगा होने के चलते ज्वेलरी इंडस्ट्री में सिल्वर की डिमांड बढ़ी

केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया कहते हैं कि सालभर की बात करें तो चांदी ने अंडर परफॉर्म किया है, लेकिन अब इसमें तेजी आ रही है।

इसकी वजह है कि गोल्ड महंगा होने से ज्वेलरी सेक्टर में सिल्वर की डिमांड बढ़ी है, साथ ही इसकी इंडस्ट्रियल डिमांड भी लगातार बढ़ रही है। सालभर में चांदी 85 से 90 हजार का आंकड़ा छू सकती है।

एक दशक में सिल्वर ने अंडरपरफॉर्म किया

2022 में फिजिकल सिल्वर डिमांड 13 प्रतिशत बढ़कर 7 सालों के उच्चतम स्तर पर पहुंचने की उम्मीद है।

पिछले एक दशक से सिल्वर की माइनिंग स्थिर रही है, 2019 से पहले 4 साल तक माइनिंग में गिरावट थी।

बीते एक दशक से सिल्वर अंडर परफॉर्म कर रहा है और इसकी कीमतों में बहुत बढ़ोतरी नहीं हुई है।

शार्ट न्यूज

कोएत्जर ने छोड़ी स्कॉटलैंड की कप्तानी

एडिनबर्ग। स्कॉटलैंड के कप्तान काइल कोएत्जर ने शुक्रवार को अपने पद से इस्तीफ़ा दे दिया। 38 वर्षीय कोएत्जर ने यूएई के खिलाफ आईसीसी क्रिकेट विश्व कप लीग-2 मैच से पहले अपने फैसले की घोषणा की। क्रिकेट स्कॉटलैंड के बताया कि जुलाई में नामीबिया और नेपाल के खिलाफ श्रृंखला से पहले स्कॉटलैंड के नए कप्तान की नियुक्ति की जाएगी। कोएत्जरने कहा कि उनकी खेलना बंद करने की कोई इच्छा नहीं है और आने वाले समय में एक नए कप्तान के नीचे स्कॉटलैंड के लिये खेलना जारी रखेंगे। उन्होंने 110 मैचों में स्कॉटलैंड का नेतृत्व किया, जिसमें संयुक्त अरब अमीरात में 2021 टी20 विश्व कप में सुपर 12 गेम शामिल हैं। वह स्कॉटलैंड के तीसरे सबसे अधिक कैप्ड खिलाड़ी हैं। कोएत्जरने एक बयान में कहा, मैंने स्कॉटलैंड पुरुष टीम की कप्तानी छोड़ने के अपने फैसले के बारे में बहुत समय तक विचार किया है और फैसला किया है कि संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ यह टेस्ट बतौर कप्तान मेरा आखिरी टेस्ट होगा।

डिस्कस थ्रो और शॉट फुट थ्रो के खिलाड़ी शक्ति सिंह सेवानिवृत्त हुए, भव्य समारोह में भावभीनी विदाई

पटियाला। खिलाड़ी हमेशा सभी के लिए प्रेरणा का एक स्त्रोत रहता है। खेल व खिलाड़ियों का नाम लेते ही कुछ प्रसिद्ध खिलाडियों का नाम याद आ जाते है। एथलेटिक्स में डिस्कस थ्रो और शाट फुट थ्रो के बेताज बादशाह खेल के क्षेत्र में देश की वर्षो तक सेवा करने वाला शक्ति सिंह डीजल रेल इंजन आधुनिकीकरण कारखाना पटियाला में वरिष्ठ खेल अधिकारी के पद से रिटायर्ड हुए तो ढोल-बाजों के साथ पटियाला में जुलूस निकाला। जुलूस में लोगों ने जगह-जगह फूल बरसा कर और माला पहनाकर शक्तिसिंह का स्वागत किया। अर्जुन पुरस्कार विजेता, डिस्कस थ्रो के बेताज बादशाह शक्ति सिंह 31 मई 2022 को रेलवे विभाग में वरिष्ठ खेल कूद अधिकारी के पद से सेवानिवृत्त हुए 7 दुनिया में सबसे अधिक खेले जाने वाले खेल एथलेटिक्स में ओलंपियन शक्ति सिंह ने डिस्कस थ्रो और शाट फुट थ्रो में विशेष उपलब्धि हासिल कर भारत का नाम विश्व पटल पर अनेक बार गौरवान्वित किया है। भारतीय रेलवे के इस खिलाड़ी के कीर्तिमानो की सूची बहुत लम्बी है 7 वर्ष 2000 में उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ शॉट फुट थ्रो 20.60 मीटर, तथा जून 1994 बैंगलोर में हासिल किया गया उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ डिस्कस थ्रो 61.72 मीटर है।

अक्षदीप नाथ के नाबाद शतक से दिल्ली चैलेंजर्स फाइनल में

नयी दिल्ली। मैन ऑफ द मैच अक्षदीप नाथ के शानदार नाबाद शतक (128 रन नॉट आउट, 90 गेंद, 14/4, 4/6) कैफ अहमद (61 नाबाद), कमरान इकबाल (54) , गौरव तोमर (55 रन और 2/52), राजेश शर्मा (35), मननेक (3/59) के शानदार खेल की मदद से मॉडर्न स्कूल बाराखंभा रोड ग्राउंड में खेले जा रहे 45वें अखिल भारतीय रघुबीर सिंह हॉट वेदर क्रिकेट टूर्नामेंट में दिल्ली चैलेंजर्स ने रजनीगंधा अचीवर को 7 विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। पराजित टीम की ओर से अनमोल शर्मा (114 रन), शिवम सिंह (79) सोहराब धालीवाल (49) की शानदार बल्लेबाजी भी रजनीगंधा अचीवर टीम को जीत न दिला सकी । सचिन खुराना ने शानदार नाबाद शतक बनाने पर अक्षदीप नाथ को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया। संक्षिप्त स्कोरः्रजनीगंधा अचीवर- 40 ओवर में 7 विकेट पर 333 (अनमोल शर्मा 114 रन, शिवम सिंह 79, सोहराब धालीवाल 49, मननेक 3/59, गौरव तोमर 2/52) दिल्ली चैलेंजर्स- 39 ओवर में 3 विकेट पर 334 (अक्षदीप सिंह 128 नाबाद, कैफ अहमद 61 नाबाद, कमरान इकबाल 54, गौरव तोमर 55 रन, राजेश शर्मा 35)

पांड्या ने एक ओवर में लगाये छह छक्के

पुडुचेरी। पुडुचेरी में चल रही पॉन्डिचेरी टी10 लीग में पैट्रियट के खिलाड़ी कृष्णा पांड्या ने एक ओवर में छह छक्के लगाकर विपक्षी टीम रॉयल्स के छक्के छुड़ा दिये। रॉयल्स बनाम पैट्रियट के शुक्रवार के मुकाबले में पांड्या ने यह कारनामा दूसरी पारी के छठे ओवर में किया। रॉयल्स के 157 रन का पीछा करते हुए पैट्रियट ने पांच ओवर में 41 रन ही बनाये थे और उन्हें बचे हुए पांच ओवर में 117 रन की दरकार थी। कृष्णा पांड्या ने पारी का गियर बदलते हुए छठे ओवर में नितेश ठाकुर को निशाना बनाया और उनकी छह गेंदों पर छह छक्के जड़ दिये। पांड्या ने 19 गेंदें खेलकर 12 छक्कों और दो चौकों की बदौलत 83 रन बनाये, हालांकि उनकी टीम 10 ओवर में 153 रन ही बना सकी और चार रन से मुकाबला हार गयी ।इस आतिशी पारी के लिये पांड्या को मैन ऑफ़ द मैच चुना गया।

आईपीएल के दौरान भाषाओं की बंदिशें तोड़ कू ऐप पर अपने यूजर्स से ऐसे जुड़े क्रिकेटर्स

मुम्बई। यों तो इंडियन प्रीमियर लीग का आगाज़ वर्ष 2008 में हुआ था पर इसने पिछले कुछ वर्षों में जो सफलता देखी है वह जबरदस्त है। इतने सालों में सबसे बड़ा बदलाव आईपीएल में सोशल मीडिया पर आया है। आज सोशल मीडिया की मदद से लोग अपनी पसंदीदा टीम और खासतौर पर खिलाड़ियों से सीधा जुड़ रहे हैं। सोशल मीडिया ने दर्शकों और क्रिकेट के बीच की खाई को पाट दिया है। सभी खिलाड़ियों के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल को प्रशंसकों द्वारा काफी पसंद किया जाता है और यह उनके साथ बातचीत करने के लिए एक माध्यम के रूप में भी काम करता है। इस कनेक्शन ने प्रशंसकों को उनके खिलाड़ियों के करीब ला दिया है। लेकिन सोशल मीडिया पर भाषाओं की बाधा होने के कारण लोग खुल कर अपने विचार साझा नहीं कर पा रहे थे। ऐसे में आज भारतीय बहुभाषी माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म कू ऐप ने इन सभी बाधाओं को तोड़ दिया हैं। नतीजन आज लोग कू ऐप के एमएलके फीचर का इस्तेमाल कर कई भाषाओं में अपनी बात रख रहे हैं। ना केवल यूजर्स बल्कि सभी खिलाड़ियों को भी कू ऐप पर इस टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर हर भाषा में अपने फैंस के साथ जुड़ते देखा गया।

रुड अपने पहले फ़ाइनल में, खिताबी टक्कर क्ले कोर्ट किंग नडाल से

पेरिस। नॉर्वे के 23 वर्षीय कैस्पर रुड ने फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में क्रोएशिया के मारिन सिलिच को हराकर अपने पहले ग्रैंड स्लैम फाइनल में प्रवेश कर लिया है जहां रविवार को उनका मुकाबला लाल बजरी के बेताज बादशाह और 13 बार के विजेता स्पेन के राफेल नडाल से होगा। कोर्ट फिलिप चेट्रीर में शुक्रवार को हुए दूसरे सेमीफाइनल में रुड ने सिलिच को 3-6, 6-4, 6-2, 6-2 से मात दी। पहले सेट में हारने के बाद रुड ने वापसी करते हुए सिलिच के सामने बेहतरीन शॉट खेले और अगले तीनों सेट जीतकर फाइनल में सीट पक्की की। धीमे क्ले-कोर्ट पर रुड ने अपनी क्षमता का प्रदर्शन करते हुए सिलिच की बड़ी सर्विस पर शानदार हिटिंग की और शक्तिशाली बैकहैंड शॉट खेलते हुए सेमीफाइनल को सिलिच से दूर ले गये। तीसरे सेट तक आते-आते सिलिच मुकाबले से बाहर होते रहे और रुड के फ़ोरहैंड शॉट्स का जवाब न दे सके। लाल बजरी पर नडाल के उत्तराधिकारी कहे जाने वाले नॉर्वे के खिलाड़ी ने कहा कि फाइनल में नडाल के विरुद्ध खेलना उनके लिये सम्मान की बात होगी। इससे पहले रुड और नडाल कभी आमने-सामने नहीं आये हैं। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को हुए पहले सेमीफाइनल में राफ़ेल नडाल ने एलेक्ज़ेंडर ज़्वेरेव के रिटायर होने के बाद अपने 14वें फ्रेंच ओपन फाइनल में जगह बना ली। ज़्वेरेव की दाएं टखने में चोट लगने के बाद उन्हें व्हीलचेयर पर कोर्ट से बाहर ले जाया गया और वह रिटायर हो गये थे।

नडाल 14वीं बार फ्रेंच ओपन के फाइनल में

सेमीफाइनल के दूसरे सेट के दौरान चोटिल हुए एलेक्जेंडर ज्वेरेव

पेरिस। स्पेन के सुपर स्टार टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल अपने 36वें बर्थ-डे के दिन फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंच गए हैं। सेमीफाइनल में उनका मुकाबला जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव से हो रहा था। दूसरे सेट में जर्मन खिलाड़ी चोटिल हो गए और इस वजह से नडाल को फाइनल का टिकट मिल गया। नडाल उस समय 7-6, 6-6 से आगे चल रहे थे।

नडाल अपने करियर में 14वीं बार फ्रेंच ओपन के फाइनल में पहुंचे हैं। इससे पहले वे जिन 13 मौकों पर फाइनल में पहुंचे थे, हर बार चैंपियन बनने में भी सफल रहे।

चल भी नहीं पा रहे थे ज्वेरेव

नडाल ने मैच का पहला सेट टाइब्रेकर में जीता। दूसरा सेट भी 6-6 की बराबरी होने के बाद टाइब्रेकर में चला गया। यहीं ज्वेरेव शॉट खेलने के प्रयास में गिर गए और उनका टखना चोटिल हो गया। उन्हें व्हील चेयर पर कोर्ट से बाहर ले जाया गया। वे कुछ देर बाद बैसाखी के सहारे वापस आए। तभी साफ हो गया कि ज्वेरेव आगे नहीं खेल पाएंगे। उन्होंने दर्शकों को गुडबाय कहा और इसी के साथ नडाल को विजेता घोषित कर दिया गया।

करियर का 30वां ग्रैंड स्लैम फाइनल खेलेंगे नडाल

राफेल नडाल अपने 19 साल के करियर में 30वीं बार किसी ग्रैंड स्लैम के फाइनल में पहुंचे हैं। उनके नाम 21 ग्रैंड स्लैम खिताब है जो दुनिया में किसी भी अन्य खिलाड़ी की तुलना में ज्यादा है। टेनिस में ऑस्ट्रेलियन ओपन, फ्रेंच ओपन, विम्बलडन और यूएस ओपन को ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट कहा जाता है। रोजर फेडरर और नोवाक जोकोविच ने अब तक 20-20 ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं।

लॉर्ड्स में खेला जा सकता है विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023 का फ़ाइनल

लंदन। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप को आखिरकार लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर अपना फ़ाइनल मुक़ाबला मिल सकता है। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद इस समय लॉर्ड्स पर फ़ाइनल मैच के आयोजन पर विचार कर रहा है।

पिछले साल खेला गया डब्ल्यूटीसी का फ़ाइनल मैच लॉर्ड्स में खेला जाना था लेकिन कोरोना महामारी के कारण यह साउथम्पटन में खेला गया था। उस दौरान यूके में कोरोना संबंधित प्रतिबंध हटाए जा रहे थे। साथ ही साउथम्पटन मैदान पर होटल होने के कारण खिलाड़ियों को बायो-बबल में रखना आसान होता। भारत को हराकर न्यूज़ीलैंड पहला विश्व टेस्ट चैंपियन बना था। अब जब यूके में कोरोना के सारे प्रतिबंध हट गए हैं और बायो-बबल से राहत दी जा रही है, आईसीसी को उम्मीद है कि वह लॉर्ड्स में फ़ाइनल का आयोजन कर पाएगा। आईसीसी के अध्यक्ष ग्रेग बार्कले इंग्लैंड और न्यूज़ीलैंड के बीच चल रहे टेस्ट मैच के दूसरे दिन टी ब्रेक के दौरान बीबीसी के टेस्ट मैच स्पेशल कार्यक्रम में मौजूद थे। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह (फ़ाइनल मैच) हमारी उम्मीदानुसार लॉर्ड्स के लिए निर्धारित है।

उन्होंने आगे कहा, जून का महीना होने के कारण दूसरे अन्य मैदान वैसे ही संभावित मेज़बानों की सूची से बाहर हो जाते हैं।

वीज़ा न मिलने के कारण अवनि का फ्रांस जाने का सपना टूटा

नयी दिल्ली। पैरालंपिक चैम्पियन राइफल निशानेबाज अवनि लेखारा की फ्रांस में होने वाले चेटौरौक्स 2022 डब्ल्यूएसपीएस विश्व कप में हिस्सा लेने की उम्मीद तब टूट गई जब भारतीय पैरा निशानेबाजी दल का वीजा मंजूर नहीं हुआ।

लेखरा ने शनिवार को अपने एस्कॉर्ट और कोच के लिए वीजा सुनिश्चित करने के लिए खेल अधिकारियों से मदद मांगी, क्योंकि उन्हें फ्रांस में 4 जून से शुरू होने वाले विश्व कप में भाग लेना था।

उन्होंने ट्वीट किया, मैं दुखी हूं, फ्रांस जाने में सक्षम नहीं हूं क्योंकि मेरी एस्कॉर्ट श्वेता जेवरिया और मेरे कोच राकेश मनपत का वीजा जारी नहीं किया गया है। सात जून का मैच मेरे लिये महत्वपूर्ण है। क्या कोई मदद कर सकता है ?

भारतीय खेल प्राधिकरण ने लेखरा के जवाब में ट्वीट किया, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि फ्रांस जाने वाले भारतीय पैरा शूटिंग दल के किसी वीजा को मंजूरी नहीं दी गई है। सभी वीजा सुरक्षित करने के लिए युवा मामले और खेल मंत्रालय तथा विदेश मंत्रालय द्वारा सभी प्रयास किए गए लेकिन दुर्भाग्य से इस बार प्रयास साकार नहीं हुए।

दो पैरालंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनकर इतिहास रचने वाली 20 वर्षीय राइफल शूटर को 2021 में प्रतिष्ठित खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। लेखरा टोक्यो 2021 में 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 इवेंट में शीर्ष सम्मान जीतकर पैरालंपिक स्वर्ण जीतने वाली पहली महिला बन गयी थीं। इसके अलावा उन्होंने 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन एसएच1 इवेंट में कांस्य पदक भी जीता था।

आईपीएल के सितारों पर टिकी यूपी की उम्मीद

एजेंसी

बेंगलुरु। लीग चरण के अंतिम दिन तक अंतिम आठ में जगह बनाने के लिए यूपी और विदर्भ के बीच संघर्ष जारी था। अपने अंतिम लीग मैच में महाराष्ट्र को हराकर यूपी ने क्वार्टर-फ़ाइनल में प्रवेश किया। छह पारियों में 300 रन बनाकर रिंकू सिंह इस सीज़न में यूपी के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज़ बनकर उभरे हैं। आईपीएल में धूम मचाने के बाद यश दयाल और मोहसिन ख़ान गेंदबाज़ी का भार संभालेंगे जबकि प्रियम गर्ग और अक्षदीप नाथ रिंकू के साथ बल्लेबाज़ी को मज़बूती प्रदान करेंगे।

झारखंड॒2016-17 में सेमीफ़ाइनल में पहुंचने के बाद से झारखंड सबकी नज़रों से छिपते-छिपाते आगे बढ़ रही है। पहले मैच में शाहबाज़ नदीम के 10 विकेटों के दम पर उन्होंने दिल्ली को क़रीबी मुक़ाबले में हराया। अगले मैच में बल्लेबाज़ों ने निराश किया और टीम दोनों पारियों में 170 रन का आंकड़ा भी नहीं छू पाई और उसे छत्तीसगढ़ के हाथों हार का सामना करना पड़ा। अंतिम लीग मैच में तमिलनाडु ने लगभग उन्हें मैच से बाहर कर दिया था जब कुमार कुशाग्र के नेतृत्व में निचले क्रम ने टीम को दो विकेट से जीत दिलाई।

क्वार्टर-फ़ाइनल में जगह बनाने के लिए झारखंड को प्री-क्वार्टर-फ़ाइनल में प्लेट ग्रुप की विजेता नागालैंड का सामना करना पड़ा। पहली पारी में 880 रन बनाने के बाद उन्होंने नागालैंड को 289 पर रोका और दूसरी पारी में 1008 रनों की बढ़त लेने के बाद दोनों कप्तानों ने हाथ मिलाकर मैच को ड्रॉ करने पर सहमति जताई।

पंजाब॒ युवा प्रभसिमरन सिंह, अभिषेक शर्मा, अनमोलप्रीत सिंह के साथ-साथ अनुभवी मंदीप सिंह और गुरकीरत सिंह मान के रूप में पंजाब के पास एक दमदार बल्लेबाज़ी क्रम है। विकेटकीपर अनमोल मल्होत्रा बल्लेबाज़ी को और गहराई प्रदान करते हैं। 26 वर्षीय मल्होत्रा पिछले तीन सीज़नों में कई बार टीम के संकटमोचक बनकर उभरे हैं।

अधिकतर मौक़ों पर इनमें से किसी एक बल्लेबाज़ ने अपना हाथ खड़ा किया है और बल्लेबाज़ी की ज़िम्मेदारी संभाली है।

नॉकआउट चरण में उन्हें अर्शदीप सिंह की ग़ैरमौजूदगी से निपटना होगा जो साउथ अफ़्रीका सीरीज़ के लिए भारतीय टी20 टीम का हिस्सा होंगे। सिद्धार्थ कौल अब गेंदबाज़ी क्रम का नेतृत्व करेंगे।

उत्तराखंड॒रणजी ट्रॉफ़ी में तीन सीज़न में दूसरी बार उत्तराखंड ने क्वार्टर-फ़ाइनल में प्रवेश किया है। यह मौक़ा और भी ख़ास है क्योंकि इस बार वह अपने एलीट ग्रुप के शीर्ष पर रहकर अंतिम आठ में पहुंची है। क्वार्टर-फ़ाइनल में उनका सामना होगा टूर्नामेंट की प्रबल दावेदार मुंबई के साथ।

उत्तराखंड के कप्तान जय बिस्टा ने मुंबई के लिए खेलते हुए अपना पहला प्रथम श्रेणी मैच खेला था और अब वह उसी टीम के ख़िलाफ़ खेलेंगे।

मुंबई के निवासी बिस्टा खेलने के मौक़े नहीं मिलने के कारण दो सीज़न पहले उत्तराखंड चले गए थे। बिस्टा के अलावा टीम रॉबिन बिष्ट और स्वप्निल सिंह के अनुभव पर भी निर्भर करेगी। रॉबिन रणजी चैंपियन रह चुकी राजस्थान टीम का हिस्सा थे जबकि स्वप्निल कई वर्षों तक बड़ौदा का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

पाकिस्तान : लाहौर के चिल्ड्रेन हॉस्पिटल में लगी भीषण आग

लाखों रुपये की दवाएं जलकर राख

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में लाहौर के गुलबर्ग स्थित द चिल्ड्रेन हॉस्पिटल में शनिवार को भीषण आग लग गई। आग तीसरी मंजिल पर फार्मेसी के गोदाम में लगी, जहां लाखों रुपये की दवाएं जलकर राख हो गईं। घटना में अब तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान अस्पताल की इमारत को खाली करा लिया गया है। दमकल विभाग के मुताबिक आग पर काबू पाने के लिए दमकल की कम से कम सात गाड़ियां भेजी गई हैं। इस बीच, आग पर काबू पाने में मदद के लिए शहर भर से अतिरिक्त दमकल गाड़ियों को बुलाया गया है। स्थिति पर काबू पाने के लिए

मौके पर फायर डिपार्टमेंट और रेस्क्यू 1122 के 40 से ज्यादा दमकलकर्मी तैनात किए गए हैं। आग लगने का कारण अस्पष्ट बना हुआ है। अधिकारियों के मुताबिक, आग पर काबू पाने के बाद आग लगने के कारणों की जांच की जाएगी। इससे पहले बुधवार को कराची में जेल चौरंगी के पास एक डिपार्टमेंटल स्टोर के बेसमेंट में आग लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन अन्य बेहोश हो गए। फिरोजाबाद पुलिस स्टेशन के स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) अरशद जंजुआ ने कहा कि मृतक स्टोर का कर्मचारी था, जबकि होश खोने वाले तीन लोगों में एक दमकलकर्मी था। कराची मेट्रोपॉलिटन कॉरपोरेशन (केएमसी) के मुख्य अग्निशमन अधिकारी मुबीन अहमद ने कहा कि आग बुझाने के काम में 11 फायर टेंडर, दो वाटर बोजर, एक स्नोर्कल, कराची वाटर से 13 पानी के टैंकर और सीवरेज बोर्ड के साथ-साथ पाकिस्तानी नौसेना के टेंडर भी शामिल हुए।

घरों को आग लगाने की घटना में बच्ची की मौत

30 मई को सिंध प्रांत में दो बहनों को कथित रूप से अगवा किए जाने के बाद उनके समुदाय के सदस्यों ने आरोपियों के घरों में आग लगा दी, जिससे चार वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। देश में झूठी शान से जुड़े अपराध का यह एक और मामला है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने हैदराबाद के पास रोहरी में घरों को आग लगा दी। इससे पहले चौहान समुदाय की दो बहनों को प्रतिद्वंद्वी पंहवार समुदाय के लोगों ने कथित रूप से अगवा कर लिया था।

रूस हमले की वजह से 1.40 करोड़ यूक्रेनी नागरिक हुए बेघर, 30 लाख बच्चों की पढ़ाई छूटी

कीव/मॉस्को। यूक्रेन और रूस की जंग को आज 101 दिन पूरे हो गए हैं। रूस हमले की वजह से अब तक तक लगभग 1.40 करोड़ यूक्रेनी नागरिकों को अपना घर छोड़ कर पलायन के लिए मजबूर होना पड़ा है। दूसरी तरफ 30 लाख से ज्यादा बच्चों की पढ़ाई बीच में ही रुक गई है।

यूक्रेनी का दावा है कि अब रूस के 31 से ज्यादा सैनिकों की मौत हो चुकी है। वहीं 1376 रूसी टैंक और 210 से ज्यादा प्लेन तबाह हो चुके हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बताया कि रूस ने यूक्रेन के 20 प्रतिशत क्षेत्र पर कब्जा कर लिया है। वहीं रूसी सेना ने अब तक यूक्रेन की 24 हजार किलोमीटर सड़कों और 300 पुलों को नष्ट कर दिया है।

कीव स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के एनालिटिक्स डिवीजन की रिपोर्ट के मुताबिक जंग में यूक्रेनी अर्थव्यवस्था को अब तक 10.55 करोड़ डॉलर (करीब 820 करोड़ रुपए) का नुकसान हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, सिर्फ पिछले हफ्ते ही अर्थव्यवस्था को 8 अरब डॉलर (करीब 62 हजार 155 करोड़ रुपए) से अधिक नुकसान हुआ।

अफ्रीकी संघ के प्रमुख और रूसी राष्ट्रपति की बैठक हुई

अफ्रीकी संघ के प्रमुख और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के बीच शुक्रवार को एक बैठक हुई। दरअसल, दोनों को एक दूसरे की जरूरत है, क्योंकि अफ्रीका को खाद्य सामग्री की जरूरत है और रूस को सहयोगियों की। अफ्रीका में सूखा, आंतरिक हिंसा से पहले से ही खाद्य संकट था। युद्ध की वजह से अफ्रीका में खाद्य संकट और गंभीर होता नजर आ रहा है। ऐसे में अफ्रीका को रूस से काफी उम्मीद है। अफ्रीका के कई देश यूक्रेन और रूस पर कुछ मुख्य खाद्यों जैसे गेंहू, मक्का, खाद्य तेल जैसी चीजों के लिए काफी हद तक निर्भर थे।

अपने घरों में लौट रहे लोग

यूक्रेन ने जिन इलाकों को रूसी सेना के कब्जे से वापस लिया है, वहां लोग अपने घरों में लौट रहे हैं। कीव से करीब 58 मील उत्तर-पश्चिम में कुखारी गांव में बिजली और पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं की बहाली पर काम शुरू हो गया है।

शुक्रवार को यहां बिजली कर्मचारी ने मिसाइल हमलों में तबाह हुए बिजली के खंभों को वापस लगाया। इस दौरान कुछ लोग अपने घरों से मलबा साफ करते नजर आए। हालांकि, छोटे शहरों में लोगों को मदद देरी से मिल रही है। जर्मन सांसदों ने शुक्रवार को एक 100 अरब यूरो (करीब 83 हजार 289 करोड़ रुपए) के प्रस्ताव को मंजूरी दी। इसका उद्देश्य सेना को तकनीकी हथियारों से लैस करना है।

अमेरिका में विमान हादसा, पायलट की मौत

वाशिंगटन। अमेरिका में दक्षिण-पूर्वी कैलिफोर्निया प्रांत के मोजावे रेगिस्तान में अमेरिकी नौसेना के लड़ाकू विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से पायलट की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया ने सैन्य अधिकारियों के हवाले से शनिवार को अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। केएबीसी टीवी चैनल ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि लेमूर नौसेना हवाई अड्डा से एफ/ए-18ई सुपर हॉर्नेट लड़ाकू विमान शुक्रवार अपराह्न में उड़ान भरी थी और यह दक्षिणी कैलिफोर्निया के सैन बर्नार्डिनो शहर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। बताया जा रहा है कि विमान अपराह्न 2.30 बजे (स्थानीय समय) दुर्घटनाग्रस्त हुआ। प्राप्त रिपोर्ट के मुताबिक चीन झील नौसैनिक हवाई शस्त्र स्टेशन के नौसेना सुरक्षा बलों और अग्निशामकों को दुर्घटना स्थल पर तैनात किया गया है। अभी तक हादसे की वजहों का पता नहीं चल पाया है। जांच जारी है।

बंगलादेश की सेना चोटिल कैप्टन फातिमा बनी मेजर

ढाका। बंगलादेश की सेना ने चोटिल कैप्टन कनीज फातिमा के जीवट संघर्ष को देखते हुए उन्हें मेजर के पद पर पदोन्नत किया है। आईएसपीआर के एक बयान के अनुसार, शनिवार को ढाका छावनी में सेना बहुउद्देशीय परिसर में सेना प्रमुख जनरल एसएम शफीउद्दीन अहमद सहित बंगलादेश सेना के सभी कमांडरों की उपस्थिति में आयोजित समारोह में कैप्टन कनीज फातिमा को मेजर के पद पदोन्नत किया गया। यह पहली बार है जब बंगलादेश सेना में किसी चोटिल महिला को यह सम्मान दिया गया है। चोटिल कनीज फातिमा सिर्फ बंगलादेश की सेना की हीं नहीं, बल्कि देश और अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में सभी महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। सुश्री फातेमा की 18 सितंबर 2012 को बंगलादेश मिलिट्री एकेडमी में प्रशिक्षण के दौरान हुई दुर्घटना में रीढ़ की हड्डी टूट गई थी। वह देश की सेवा करने के सपने के साथ वर्ष 2011 में बंगलादेश सेना में शामिल हुईं। वर्ष 2012 में उनके साथ हुई दुर्घटना के बाद उनके लिए सेना की सख्त और व्यवस्थित सामान्य गतिविधियों को जारी रखना संभव नहीं था। लेकिन इस निडर महिला ने भाग्य के आगे नहीं झुकते हुए देश की रक्षा करने की ठानी। बंगलादेश की सेना ने उनके इस अदम्य साहस का सम्मान करते हुए उन्हें विशेष क्षतिपूर्ति के तौर पर 2013 के 69 बीएमए पाठ्यक्रम में अधिकृत किया। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री शेख हसीना ने महिला सशक्तिकरण की पहल से वर्ष 2000 में सेना में महिला अधिकारियों की पहली नियमित भर्ती शुरू हुई थी।

दक्षिण कोरिया में कोरोना संक्रमण के 12,048 नए मामले सामने आये

सोल। दक्षिण कोरिया में पिछले 24 घंटे के दौरान कोरोना संक्रमण के 12,048 नए मामले सामने आने के साथ संक्रमितों कुल संख्या बढ़कर 1,81,53,851 हो गयी है। स्वास्थ्य विभाग ने शनिवार को यह जानकारी दी। कोरिया रोग नियंत्रण और रोकथाम एजेंसी (केडीसीए) के अनुसार पिछले दिनों संक्रमण के दैनिक मामले 12,542 से नीचे रहे और एक सप्ताह पहले इनकी संख्या 14,396 से कम थी। पिछले सप्ताह संक्रमण के दैनिक औसत मामलों की संख्या 12,322 रही। नए मामलों में 41 विदेश से आये लोग संक्रमित हैं, जिनकी कुल संख्या बढ़कर 32, 964 हो गई हैं। देश में गंभीर रूप से संक्रमितों की संख्या इस वक्त 141 है, जो पिछले दिन की तुलना में 19 कम हैं। इसके अलावा इस जानलेवा वायरस के संक्रमण से नौ और लोगों की जान चली गयी है। इसके साथ ही मृतकों की कुल संख्या बढ़कर 24,238 हो गयी है। देश में कोरोना मृत्यु दर 0.13 प्रतिशत है।

पाकिस्तान में एफआईए ने की शहबाज, हमजा की गिरफ्तारी की मांग

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) ने शनिवार को 16 अरब रुपये के धनशोधन मामले में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, उनके पुत्र एवं पंजाब प्रांत के मुख्यमंत्री हमजा शहबाज की गिरफ्तारी की मांग की। जियो न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक एफआईए ने विशेष अदालत (सेंट्रल-आई) को बताया है कि एजेंसी पिता और पुत्र की दोनों के खिलाफ दर्ज 16 अरब रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में उनको गिरफ्तार करना चाहती है। अदालत में शनिवार की सुनवाई के दौरान एजेंसी के वकील ने कहा कि वे 'जांच का हिस्सा नहीं हैं।' हमजा के वकील ने हालांकि दावों का खंडन किया और एफआईए पर अदालत को गुमराह करने का आरोप लगाया। पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) के दोनों नेताओं के वकील ने जिरह के दौरान कहा कि एफआईए पिछले डेढ़ साल से जांच कर रही है और वह उनके खिलाफ कोई भी सबूत अदालत में पेश करने में असमर्थ रही है। वकील ने अदालत को बताया कि कि जब वे जेल में थे तब एफआईए ने उनसे पूछताछ की थी। जियो न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक दिसंबर 2021 में एजेंसी ने चीनी घोटाला मामले में कथित तौर पर 16 अरब रुपये की हेराफेरी में शामिल होने के लिए अदालत में श्री शहबाज और श्री हमजा के खिलाफ चालान दायर किया था। एफआईए की रिपोर्ट के अनुसार टीम ने शहबाज परिवार के 28 बेनामी खातों का पता लगाया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

सोना सूख गया

चीन में हुनसेन नाम का राजा शासन करता था। वह बहुत कंजूस था। दान-पुण्य तो दूर, जनता की जरूरतें पूरी करने के लिए भी धन नहीं निकालता था। उसके पास सोने-चांदी का अपार भंडार था, लेकिन वह किसी की मदद नहीं करता था। राजा के महल से कुछ दूरी पर सिनचिन नामक एक वृद्ध की छोटी-सी झोंपड़ी थी। सिनचिन उस समय चीन का सबसे बुद्धिमान व्यक्ति माना जाता था। राजा की आदतों से वह भी परेशान था। अतः उसने राजा को सबक सिखाने की ठान ली।

एक दिन वह अपने मित्रों से सोने के नन्हे-नन्हे चार टुकड़े उधार लाया। उसने सोने के उन टुकड़ों को पीली चमकती हुई एक बड़ी छलनी में रखा और पास बहती नदी के किनारे जा बैठा। इस नदी पर राजा रोज स्नान करने आता था। सिनचिन ने दूर से ही राजा को आते हुए देखा। वह ऐसा अभिनय करने लगा, मानो छलनी में कुछ छान रहा हो। राजा ने उसके पास आकर पूछा, ल्लसिनचिन, यह क्या कर रहे हो? तुम्हें सुबह-सुबह रेत छानने की क्या आवश्यकता पड़ गई?
सिनचिन ने कहा, महाराज, मैं तो इस रेत में छिपा सोना ढूंढ़ रहा हूं.ङ्क
राजा कुछ कहता, इससे पहले ही सिनचिन ने छलनी भर रेत निकाली और छान दी। छलनी के ऊपर सोने के चार छोटे-छोटे टुकड़े चमक रहे थे।
राजा ने आश्चर्य से पूछा, ल्लरेत में सोना! यह कैसे किया?
सिनचिन ने समझाते हुए जवाब दिया, ल्लहुजूर, आज से महीना भर पहले मैंने सोने का एक छोटा सा टुकड़ा इस जगह पर बोया था। देखिए हुजूर, पूरे चार टुकड़े निकले हैं। यदि मैं कुछ और सब्र करता, तो यहां बहुत से टुकड़े मिलते।
राजा ने चौंकते हुए कहा, ल्लक्या बकवास करते हो? भला क्या सोने की भी खेती की जा सकती है?
सिनचिन ने कहा, क्यों नहीं हुजूर? आप खुद ही देख लीजिए। मैं तो गरीब आदमी हूं। पिछले दस वर्षों से इसी प्रकार सोना बोता हूं और काट लेता हूं। इसी सोने से मेरा पेट पलता है।
राजा ने नाराजगी भरे स्वर में कहा, तुमने मुझे पहले क्यों नहीं बताया? मेरे पास तो सोने का ढेर है। मुझे पता होता, तो मैं सारा सोना बो देता। आज तक तो मेरा महल सोने से भर गया होता।
इस पर सिनचिन ने कहा, हुजूर, अब भी देर नहीं हुई है। आप अब भी बो लीजिए। छह महीने बाद देखिएगा, तो फसल लहलहाती नजर आएगी।
राजा ने सिनचिन के कंधे पर हाथ रखते हुए जवाब दिया, देखो सिनचिन, तुम तो एक अनुभवी आदमी हो। मेरी ओर से तुम सोने की खेती करो। इसके लिए तुम्हें जितना सोना चाहिए, तुम ले सकते हो। आज ही मेरे साथ महल में चलो। इस काम के लिए तो तुम मेरे सेवकों को भी साथ ले सकते हो।
सिनचिन तो मानो इस मौके की प्रतीक्षा में था। वह तुरंत राजी हो गया। वह महल में गया और सोने के ढेरों टुकड़े ले आया। राजा ने अपने दस सेवक भी सिनचिन को मदद के लिए दे दिए।
देखते ही देखते, नदी के किनारे खुदाई का काम शुरू हो गया। सिनचिन के कहे अनुसार, सेवकों ने वहां पर सोना बीज की तरह बो दिया। ऊपर रेत डाल दी। सिनचिन ने राजा को आश्वासन दिया कि छह महीने बाद बोए हुए सोने का तीन गुना सोना मिल जाएगा।
इस बीच सिनचिन रोज रात को नदी किनारे जाने लगा। वहां पर वह रोज थोड़ा सा हिस्सा खोदता और वहां दबा सोना अपने झोले में रख लाता। अगले दिन सुबह ही वह सारा सोना गरीबों में बांट देता था। धीरे-धीरे जनता की गरीबी मिटने लगी।
इधर राजा इंतजार करता रहा कि कब छह महीने पूरे हों और उसे बोए हुए सोने का तीन गुना सोना मिले। धीरे-धीरे छह महीने भी पूरे हो गए। राजा ने सिनचिन को दरबार में बुलाया। उसे आदेश दिया कि वह सारा सोना खोद लाए। सिनचिन ने इस काम के लिए कुछ सेवकों की मांग की। राजा ने इस बार बीस सेवक उसके साथ कर दिए। सेवकों ने उस स्थान पर काफी गहराई तक खुदाई की, रेत को छाना। लेकिन सभी यह देखकर आश्चर्य में पड़ गए कि उसमें सिवाय दो-चार सोने के टुकड़ों के कुछ नहीं था। सिनचिन भागा-भागा राजा के पास पहुंचा। रोते हुए बोला, हुजूर, आपकी किस्मत खराब थी। जमीन में सोने के दो-चार सूखे हुए टुकड़ों के अतिरिक्त कुछ भी नहीं निकला है।
राजा ने आश्चर्य से पूछा, ल्लसूखे हुए टुकड़े! तुम्हारा मतलब क्या है? सिनचिन ने जवाब दिया, हां हुजूर, इस बार सारा सोना सूख गया है। आप तो जानते ही हैं, इस बार बारिश बिल्कुल नहीं हुई। सारी फसल सूख गई। आपका बहुत नुकसान हो गया इस बार।
हुनसेन ने डांटते हुए पूछा, भला सोना सूख कैसे सकता है? यह तो ठोस चीज है।
सिनचिन ने मुसकराते हुए कहा, हुजूर, आपने इतनी बातों पर विश्वास कर लिया कि सोना बोया जा सकता है, सोने की फसल लहलहा सकती है, सोना काटा जा सकता है। फिर भला इतनी सी बात पर विश्वास क्यों नहीं करते कि सोना सूख गया?
राजा निरुत्तर हो गया। मंत्रियों से सलाह ली, तो उन्होंने कहा, सिनचिन ठीक कहता है। वाकई यदि सोना बोया जा सकता है, तो सूख भी सकता है। अब तो राजा से कुछ कहते नहीं बना। वह सिर पकड़कर बैठ गया। सिनचिन ने कंजूस राजा को अच्छा सबक सिखा दिया था।

अंतरराष्ट्रीय शोध टीम ने खोजी कछुए की नई प्रजाति

एक अंतरराष्ट्रीय टीम के साथ मिलकर जर्मनी के सेनकेनबर्ग के वैज्ञानिक यूवे फ्रिट्ज ने आनुवांशिक विश्लेषण के आधार पर कछुए की एक नई प्रजाति के बारे में बताया है। अब तक माना जाता था कि 'जीनस चेलुस' कछुए की केवल एक ही प्रजाति है। अध्ययन में कहा गया है कि उन जानवरों की प्रजातियों के संरक्षण का पुनर्मूल्यांकन किया जाना चाहिए, जिनको अक्सर अवैध पशु व्यापार में बेच दिया जाता है। इस अध्ययन को साइंटिफिक पत्रिका मॉलिक्युलर फाइटोलेनेटिक्स एंड इवोल्यूशन में प्रकाशित किया गया है।

इस प्रजाति का नाम माता-माता बताया गया है, जो पानी के नीचे कीचड़ में छिपे रहते है, इनकी लंबाई 53 सेंटीमीटर तक होती है। ये शैवाल से ढकी चट्टानों की तरह दिखते हैं। लेकिन जब कोई शिकार करने लायक जानवर सामने आता है, तो कछुआ उसे अचानक अपना बड़ा मुंह खोलकर उसे चूसकर पूरा निगल जाता है। ड्रेसडेन में सेनकेनबर्ग प्राकृतिक इतिहास संग्रह के प्रोफेसर डॉ.यूवे फ्रिट्ज बताते हैं यद्यपि ये कछुए अपने विचित्र रूप और असामान्य खाने के व्यवहार के कारण व्यापक रूप से जाने जाते हैं, लेकिन उनकी विविधता और आनुवांशिकी के बारे में बहुत

कम जानकारी है। फ्रिट्ज कहते हैं अब हमने यह मान लिया कि इस कवचवाले सरीसृप की केवल एक प्रजाति है जो पूरे दक्षिण अमेरिका में व्यापक रूप से फैली हुई है।
लेकिन ऐसी प्रजातियां, जिन्हें लुप्तप्राय नहीं माना जाता है, वे आश्चर्यजनक हो सकती हैं। आनुवंशिक विश्लेषण के आधार पर, उन्हें अक्सर दो या अधिक स्वतंत्र प्रजातियों में विभाजित किया जाता है। कई अध्ययनों से पता लगा है कि माता-माता कछुए अमेजन बेसिन की तुलना में ओरिनोको नदी में अलग दिखते हैं। ड्रेसडेन के वैज्ञानिक कहते हैं इस अवलोकन के आधार पर, हमने इन जानवरों के जेनेटिक बनावट पर बारीकी से नजर रखने का फैसला किया है।
75 डीएनए नमूनों का उपयोग करते हुए, शोधकर्ताओं ने बताया कि पिछली मान्यताओं के विपरीत, माता-माता कछुओं की आनुवंशिक और दिखने में भी भिन्न-भिन्न दो प्रजातियां हैं। नई प्रजातियां चेलुस ओरिनोकेन्सिस ओरिनोको और रियो नीग्रो बेसिन में निवास करती हैं, जबकि चेलुस फिम्ब्रिआटा के रूप में जानी जाने वाली प्रजाति विशेष रूप से अमेजॉन बेसिन तक सीमित है।
अध्ययन के अनुसार, लगभग 1 करोड़ 30 लाख साल पहले दोनों प्रजातियां मियोसीन के दौरान विभाजित हो गईं थी। इस अवधि के दौरान, पूर्व अमेजॉन-ओरिनोको बेसिन में जानी पहचानी दो नदी घाटियां अलग-अलग हो गई थी। कई जलीय जीवों की प्रजातियां इस तरह स्थान के आधर पर अलग हो गईं और इन्होंने आनुवंशिक रूप से फैलना शुरू कर दिया।
नई प्रजातियों के विवरण में भी माता माता के संरक्षण की स्थिति का पुनर्मूल्यांकन आवश्यक है। आज तक, इस प्रजाति के व्यापक रूप से फैलने के कारण इन्हें लुप्तप्राय नहीं माना गया था। अध्ययनकर्ताओं ने कहा कि हमारे परिणाम बताते हैं कि, दो प्रजातियों में विभाजित होने के कारण, प्रत्येक प्रजाति की जनसंख्या आकार पहले की तुलना में छोटी हुई है।
इसके अलावा, हर साल इन विचित्र दिखने वाले हजारों जानवरों का अवैध व्यापार होने से इनका जीवन समाप्त हो रहा हैं।
हालांकि इन जानवरों के अवैध व्यापार का पता लगने पर अधिकारियों द्वारा इन्हें जब्त भी किया जाता है। बोगोटा के नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ कोलम्बिया के प्रोफेसर और प्रमुख अध्ययनकर्ता मारियो वर्गास-रामिरेज कहते है कि इससे पहले बहुत देर हो जाए, हमें इन आकर्षक जानवरों की रक्षा करनी चाहिए।

दुनिया की रहस्यमयी फुन्दूजी झील

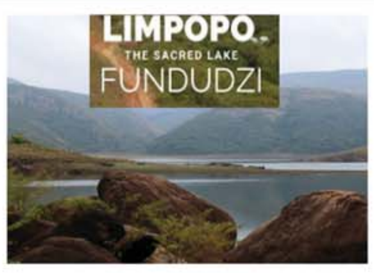

दुनिया में लाखों की संख्या में झीलें हैं, कुछ झीलें ऐसा ही जिनका रहस्य आज तक इंसान नहीं जानता.कुछ झीलों काफी डारवनी भी है.आज हम आपको एक ऐसी ही झील के बारे में बताने जा रहे हैं.कहा जाता है कि इस झील का पानी जो भी पी ले वो जिंदा नहीं बचता है और जल्द ही उसकी मौत हो जाती है.यह रहस्यमयी झील दक्षिण अफ्रीका के लिंपोपो प्रांत में है. इसे फुन्दूजी झील के नाम से जाना जाता है.स्थानीय लोगों के अनुसार, किंवदंती है कि इस जगह से प्राचीन काल में एक कोढ़ी व्यक्ति जो कारी लंबा सफर करके यहां आया था, उसे लोगों द्वारा भोजन और आश्रय नहीं दिया गया. कहा जाता है कि इसके बाद उस व्यक्ति ने लोगों को श्राप दिया और झील में प्रवेश किया और फिर गायब हो गया.
कहा जाता है कि झील के अंदर से आज भी डूबे हुए लोगों के रोने, ड्रम बजने की आवाजें आती रहती हैं. स्थानीय लोगों का यह भी कहना है कि पहाड़ों पर मौजूद इस झील की रक्षा एक विशालकाय अजगर करता है.इस अजगर को प्रसन्न करने के लिए हर साल वेन्दा आदिवासी एक नृत्य उत्सव का आयोजन करतें हैं, जिसमें कुवारी लड़कियां नाचती हैं.कहा जाता है कि झील प्राचीन काल में भूस्खलन के कारण बनी थी जिसने मुटाली नदी के प्रवाह को अवरुद्ध कर दिया था, और अब यह एक रहस्य है कि नदी का पानी बहुत साफ है, लेकिन ऐसा क्या है कि जो भी इसके पानी को पीता है उसकी जल्द ही मृत्यु हो जाती है.
जानकारी के अनुसार, झील के पानी के रहस्य को जानने की कई कोशिशें हुईं, हालांकि जांचकर्ता हर बार विफल रहे. कहा गया कि 1946 में एंडी लेविन नाम के एक व्यक्ति को झील के पानी की सच्चाई का पता लगाने के लिए यहां आया था.उसने इस झील से थोड़ा पानी लिया और झील के आस-पास के कुछ पौधे लिए और चल दिया. लेकिन वो थोड़ी देर ही चला था कि वो रास्ता भटक गया.एंडी लेविन तब तक रास्ता भटकते रहे जब तक उन्होंने पानी और पौधे नहीं फेंक दिए थे. हालांकि, इस घटना के कुछ दिनों बाद ही उनकी मृत्यु हो गई थी.
आज तक किसी को इस बात का पता नहीं चला है कि आखिर इस झील में ऐसा क्या है कि इसका पानी पीने के बाद व्यक्ति कि मौत हो जाती है.कुछ लोगों का मानना है कि इस झील के पानी में कोई खतरनाक जहरीली गैस मिली हो सकती है, लेकिन इसका कोई प्रमाण नहीं मिला है.

बस्तर में पाई जाने वाली जनजातियां

आधुनिक भारत में आज भी कई ऐसे स्थान है जहा पर बरसों से चली आ रही जनजातियां निवास करती हैयु तो भारतीय इतिहास में आदिवासी जनजाति संस्कृति का बहुत महत्व है.लेकिन समय के साथ बहुत सी जनजातियों ने स्वयं में बदलाव किये है.जैसे हलबा व भतरा जनजाति इत्यादि. अगर संपूर्ण विश्व की बात की जाए तो सबसे ज्यादा जनजातियां भारत में पाई जाती है जैसे कोल, भील, पहाड़िया, कमार, थारू जनजाति इत्यादि. लेकिन आज हम आपको बस्तर में पाई जाने वाली प्राचीन समय से लेकर अब तक चली आ रही जनजातियों के बारे में बताने जा रहे हैं.ये जनजातियां बस्तर व बस्तर के आस पास के इलाको में निवास करती है.तो जानते हैं इन जनजातियों के बारे में

जनजाति का अर्थ

जनजाति को समझने के लिए पहले हमें प्रकृति व जंगलों में रहने वाले मनुष्य के समुदाय को बारीकी से समझना चाहिए.जनजाति वह होती है जो सभी लोगों से दूर पर्वतों,जंगलों, वनो इत्यादि में निवास करती हैं. जिन की भाषा अलग होती है जो भूत-प्रेत, दैवी शक्तियों में बेहद विश्वास रखते हैं. जिन का व्यवसाय जंगली शिकार व जंगली पेड़ पोधो पर निर्भर रहता है. जंगलो में पाई जाने वाली लगभग 90 % जनजातीय असभ्य व हिंसक होती हैजिस प्रकार जंगली जानवर अपने इलाके की रक्षा के लिए अपनी जान तक दे सकता है ठीक इसी प्रकार ये जनजातीया अपने इलाके की रक्षा करती है. अमूमन सभी जनजाती माँसाहारी होती है.

बस्तर में पाई जाने वाली जनजातियों से पहले आपको बस्तर इलाके के बारे में समझना होगा.बस्तर एक जिला है जो चार संस्कृतियों से घिरा हुआ है इसके चारों तरफ छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, उड़ीसा और महाराष्ट्र की सीमाएं लगती है.इस जिले के जंगलो में हजारों सालों से विभिन्न जनजातियाँ निवास करती हैं जिनमे से प्रमुख जनजातियों का विवरण इस प्रकार है :

माडिया जनजाति

माडिया जनजाति बस्तर के जंगलों में पाई जाने वाली जनजाति है.यह जनजाति बस्तर के पहाड़ी इलाकों व जंगलों में निवास करती है.माडिया जनजाति को दो भागों में बांटा गया है 1.अबुझ माड़िया 2. दण्डामी माड़िया (बाईसन होर्न माड़िया) अबूझ मडिया पहाड़ों के घने जंगलों में निवास करती है व दण्डामी माड़िया समतल इलाके के जंगलों में निवास करती हैये लोग माड़िया भाषा बोलते है.इन दोनों जनजातियों की संस्कृति आपस में मिलती जुलती है और यह दोनों ही जनजातियां बाहरी लोगों का अपने इलाके में आना पसंद नहीं करती.जब भी कोई व्यक्ति इनके इलाके में प्रवेश करता है तो यह असहज महसूस करते हैं व बाहरी व्यक्ति पर तीर कमान से हमला कर देते हैं. हमले के बाद इस जनजाति के लोग कर्कश ध्वनि के द्वारा अपनी ताकत का एहसास कराते हैं.माडिया जनजाति के पुरुषों का स्वभाव नटखट व नाच गाने वाला होता है.यह लोग शराब के शौकीन होते हैं.इस जनजाति लोग अच्छी फसल प्राप्त करने के लिए अपने देवताओं के सम्मान में लकड़ियों के द्वारा आग जला कर उसके चारों ओर नृत्य करते हैं.माडिया जनजाति सर्वाहारी जनजातियों की श्रेणी में आती है.इस जनजाति के लोग बहुत बहादुर होते है व इस जनजाति के पुरुष शिकार के लिए बाघ, भालू, तेंदवे से भी लोहा लेने से नहीं कतराते.यु तो माडिया जनजाति बाघ का बेहद सम्मान करती है परंतु जब बाघ इन पर हमला करता है तो आत्म रक्षा में बाघ को भी मार सकते है.माड़िया लोगो में घोटुल परंपरा का पालन होता है व यह लोग काकसार नाम के कुल देवता की अराधना करते हैं.

हलबा जनजाति

हलबा जनजाति छत्तीसगढ़ (बस्तर) में पाई जाने वाली एक विशाल जनजाति है इस जनजाति के लोग छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के इलाकों में निवास करते हैं. प्राचीन समय में यह जनजाति भी जंगलों में रहती थी परंतु आज के समय में इस जनजाति के लोग गांवो की तरफ भी पलायन कर रहे हैं.हलबा जनजाति 17 वीं शताब्दी में बस्तर राज्य के प्रमुख और सबसे प्रभावशाली जनजातीय समूहों में से एक थीं व उस समय हलबा जनजाति बस्तर राज्य की राजनीति और सेना में सक्रिय थीं.देश के विभिन्न हिस्सों में प्रवास के बाद हलबा जनजाति ने अपनी आजीविका के लिए अलग-अलग व्यवसाय को अपना लिया . जैसे कृषि, बुनाई, मजदूरी इत्यादि हल्बा जनजाति की भाषा हल्बी है, जो मराठी और ओडिया का संयोजन से बनी है व ये लोग देवी माँ दंतेश्वरी की पूजा करते है.

भतरा जनजाति

भतरा जनजाति प्राचीन काल में सम्पूर्ण बस्तर जिले में फैली हुई थी इस जनजाति के लोग कला और नाटक प्रेमी होते थे.इन्हें पेंटिंग करना व नाच गाना पसंद था.परंतु समय के साथ इस जनजाति के लोगो ने खुद में बदलाव किया और यह भी समय की दौड़ के साथ चलना सिख गए.आज भतरा जनजाति के लोगों ने आधुनिक बनना शुरू कर दिया है.इस जनजाति के लोग आज कल शहरों में रोजगार की लिए निवास करते हैं.प्राचीन समय में इस जनजाति के लोगो का प्रिय भोजन केकड़ा व पक्षियों का मॉस था.

मुरिया जनजाति

मुरिया जनजाति को बस्तर की मूल जनजाति कहा जाता है अर्थात इस जनजाति के लोग हमेशा से इस इलाके में रहे हैं इस जनजाति के लोगों को श्रृंगार करना व कलात्मक वस्तुएं बनाना पसंद है.मुरिया जनजाति में माओपाटा के रूप में एक आदिम शिकार नृत्य किया जाता है जिसमे इस जनजाति के सभी पुरुष बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेते है.नृत्य के समय युवा पुरुष नर्तक अपनी कमर में पीतल अथवा लोहे की घंटियां बांधे रहते है साथ में छतरी और सिर पर आकर्षक सजावट कर नृत्य करते है.

CMYK CMYK CMYK CMYK